हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 27.06.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 333 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

भारतीय भाषाएं बनेंगी भारत को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि भारतीय भाषाएं भारत को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम बनेंगी। शाह ने कहा कि आने वाले समय में केंद्र और राज्यों के प्रशासन में भारतीय भाषाओं का उपयोग और भी बढ़ेगा। वह इसके लिए राज्यों से संपर्क करेंगे और उन्हें समझाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर शाह ने राजभाषा हिन्दी और सभी भारतीय भाषाओं के प्रेमियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, हमें किसी भी भाषा या विदेशी भाषा से विरोध नहीं है, लेकिन आग्रह अपनी भाषा के सम्मान और उपयोग का होना चाहिए। जब तक हम अपनी भाषा में सोचेंगे और गर्व से बोलेंगे नहीं, तब तक गुलामी की मानसिकता से मुक्ति संभव नहीं है। राजभाषा विभाग की 1975 से 2025 तक की यात्रा का उल्लेख कर शाह ने कहा कि भारत की आजादी की शताब्दी (2047) तक देश के आत्मगौरव से जुड़े हर प्रयास में राजभाषा विभाग का योगदान स्वर्णिम

अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारी प्रशासन आम नागरिकों की भाषा में हो, यह लोकतंत्र और आत्मसम्मान दोनों के लिए जरूरी है। शाह ने बताया कि अब जेईई, नीट और सीयूईटी जैसी परीक्षाएं 13 भारतीय भाषाओं में कराई जा रही हैं। सीएपीएफ कांस्टेबल भर्ती परीक्षा भी अब 13 भाषाओं में हो रही है और 95 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपनी मातृभाषा में परीक्षा दी है। यह दिखाता है कि भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है। हिंदी सभी भाषाओं की मित्र है और सब भाषाएं मिलकर ही भारत के स्वाभिमान को ऊंचा उठा सकती हैं। उन्होंने कहा कि पहले भाषाओं का इस्तेमाल देश को बांटने के लिए किया गया, लेकिन अब उन्हें भारत को जोड़ने का जरिया बनाया जाएगा। समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार, सांसद भर्तृहरि महताब, राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी और हिंदी भाषा की वरिष्ठ विद्वान डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन समेत कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

एक नजर

महाराष्ट्र में कोरोना के 30 नए मामले तीन लोगों की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र में कोरोना के 30 नए मरीज मिले हैं और तीन लोगों की मौत हो गई है। इनमें एक सतारा और दो नागपुर में कोरोना मरीजों की मौत हुई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि महाराष्ट्र में पिछले २४ घंटों में कोरोना के 30 मरीज मिले हैं और तीन मौतें हुई हैं। इन मरीजों में आठ मुंबई से, तीन ठाणे नगर निगम के अधिकार क्षेत्र से, दो-दो नवी मुंबई और कल्याण-डोंबिवली के नगर निकायों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से, आठ पुणे से, पांच नागपुर से और एक-एक कोल्हापुर और सांगली से हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 1 जनवरी से अब तक राज्य में कोरोना के 2,425 मरीज मिल चुके हैं और 36 मौतें हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस साल अब तक राज्य भर में 27,394 कोरोना मरीजों के परीक्षण किए हैं, जबकि 2,166 मरीज अब तक ठीक हो चुके हैं। इस बीच, मुंबई में 1 जनवरी से अब तक 973 मामले सामने आए हैं, जिनमें जून में 532 मामले शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ दो महिला नक्सली ढेर

नारायणपुर : नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के कोहकामेटा थाना क्षेत्र के घने जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई है। यहां सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक चली मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गई हैं। घटनास्थल से महिला नक्सलियों के शव, एक इंसास राइफल, एक .315 बोर हथियार, मेडिकल किट और अन्य समान बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने इसकी पुष्टि की है। नारायणपुर पुलिस के अनुसार माड़ डिवीजन के सक्रिय माओवादी कैडर की मौजूदगी की जानकारी के बाद डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) नारायणपुर, कोंडागांव एवं एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) की संयुक्त टीम ने बुधवार शाम से क्षेत्र में सर्चिंग अभियान शुरू किया। गुरुवार सुबह तक चली मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो महिला नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस ने बताया कि मारी गईं महिला नक्सलियों की पहचान की जा रही है। सर्चिंग अभियान अब भी जारी है।

मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता को लेकर मैराथन दौड़ का हुआ आयोजन

स्वस्थ झारखंड, नशामुक्त राज्य की परिकल्पना के लिए सरकार दृढ़संकल्पित : सुदिव्य कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का सपना है कि हमारा झारखंड नशा मुक्त हो । उन्होंने संकल्प लिया है झारखंड को नशा मुक्त करने का। उनके इस संकल्प को पूरा करने के लिए नशा मुक्त झारखंड के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं । पिछले 14 दिनों से मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले को जारी रखते हुए गुरुवार को नशा मुक्त झारखंड के लिए युवाओं में जागरूकता लाने के उद्देश्य से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है। स्वस्थ झारखंड, नशामुक्त राज्य की परिकल्पना को लेकर हमलोग आज मैराथन दौड़ के लिए जमा हुए हैं। पर्यटन मंत्री कुमार ने गुरुवार को मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता के लिए आयोजित मैराथन दौड़ के अवसर पर मोरहाबादी मैदान में एकत्र हुए युवाओं की भीड़ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैराथन दौड़ में मोरहाबादी से अल्बर्ट एक्का चौक की तरफ बढ़ते कदम के साथ हम लोग ये हर कदम पर नशा से दूर रहने और नशा मुक्त झारखंड के लिए प्रतिज्ञा लेंगे। झारखंड, नशा मुक्ति के अंतरराष्ट्रीय मानक के हर पहलुओं का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निदेश झारखंड को नशामुक्त बनाने का अक्षरशः पालन किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि यदि युवाओं की ऊर्जा की शक्ति का सकारात्मक उपयोग समाज, जिला, राज्य, देश और विश्व को एक बेहतर दिशा दे सकते हैं और यदि युवाओं की ऊर्जा गलत दिशा में चली जाय तो पूरा समाज, राज्य, देश प्रभावित होता है और बड़ा नुकसान होता है । इसलिए युवा आज इस मैराथन दौड़ के माध्यम से प्राण ले कि नशा से दूर रहेंगे। आपको नशा नहीं खेल को महत्व देना है। झारखंड में युवा प्रतिभा की कमी नहीं है ,हमे इन्हें बस सही दिशा के देने की जरूरत है और नशा के शिकार युवाओं का नशा छुड़ा कर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है साथ ही उनके अंदर छुपी प्रतिभा को विश्व पटल पर लाना है। यही हमारा मकसद है , हमारी सरकार का उद्देश्य है। मंत्री ने इस अवसर पर युवाओं को नशा से दूर रहने, नशा मुक्त झारखंड बनाने के लिए शपथ दिलायी। मौके पर पर्यटन सह खेलकूद सचिव मनोज कुमार में कहा कि नशा मुक्त अभियान झारखंड में लिए बहुत जरूरी है। संकल्प ले जो कदम मैराथन दौड़ में अल्बर्ट एक्का चौक की तरफ जाएगा वो हर कदम नशा मुक्त झारखंड के लिए होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में पिछले 14 दिनों से झारखंड के प्रत्येक जिले, प्रखंड, पंचायतों, स्कूलों, कॉलेजों में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। आज मैराथन दौड़ के माध्यम से युवाओं को जागरूक किया रहा है और आज ही इस अभियान का समापन भी है। मैराथन दौड़ में विजयी प्रतिभागियों को मंत्री सुदिव्य कुमार ने पुरस्कृत भी किया।

इनमें अनूप उरांव, श्रीजीत सरकार, कुंदन महतो, निर्मल, रंजीत कुमार महतो, ममता कुमारी, रीता कुमारी,सुमन कुमारी, संध्या कुमारी, सोनी कुमारी शामिल हैं। इस अवसर गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, निदेशक खेल-खुद शेखर जमुवार सहित जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति पहुंचीं गंगाराम अस्पताल शिबू सोरेन का लिया हालचाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को नई दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल पहुंचीं और यहां इलाजरत राज्यसभा सांसद और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का कुशलक्षेम जाना। इस मौके पर उन्होंने शिबू सोरेन के सुपुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और पुत्रवधू एवं विधायक कल्पना सोरेन से उनके स्वास्थ्य और चल रहे इलाज की पूरी जानकारी ली। राष्ट्रपति ने शिबू सोरेन के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ा शुभांशु का स्पेसक्राफ्ट, 14 दिनों बाद धरती पर लौटेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली : नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष के लिए रवाना किया गया स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल गुरुवार को तय समय से 20 मिनट पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंच गया। यह प्रक्रिया लेजर सेंसर, कैमरे और स्वचालित सिस्टम से हुई। इस मिशन का संचालन भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने किया। हवा के रिसाव और दबाव की स्थिरता की लंबी जांच-पड़ताल के बाद क्रू के सदस्यों ने आईएसएस में प्रवेश किया। चारों अंतरिक्ष यात्री 14 दिनों तक वहां रहकर धरती पर लौटेंगे। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से गुरुवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर उड़ान भरने के बाद यह यान 418 किमी ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। लॉन्च के बाद से यह लगभग 28 घंटे की यात्रा

पूरी करके अपनी मंजिल पर पहुंच चुका है। एक्स-4 क्रू में भारत, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष भेजे गए हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला बतौर पायलट इस मिशन से जुड़े हैं, जबकि अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन एक्सिओम-4 मिशन की कमान संभाल रही हैं। दो अन्य सदस्यों में हंगरी के टिबोर कापू और पोलिश अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज्नान्स्की हैं। एक्सिओम-4 मिशन की सफलता पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अभी डॉकिंग हो गई है। वहां जितने भी प्रयोग होने वाले हैं, उन सबकी सामग्री भारत में विकसित की गई है, तो हो गया आत्मनिर्भर भारत। वहां से जो प्रयोग होंगे, जो नतीजे निकलेंगे वो दूसरे देशों के काम आएंगे, तो हो गया विश्वबंधु भारत। जिस प्रकार से भारत इन सब प्रक्रियाओं में अब अगुवाई करने लगा है, तो हो गया विकसित भारत। मुझे लगता है कि यह दुनिया के लिए एक बहुत बड़ा संकेत है और इससे दुनिया के आगे भारत की छवि बदली है। उन्होंने कहा कि पिछले एक-दो वर्षों में इंजीनियरिंग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में एयरोस्पेस अध्ययन में काफी रुचि बढ़ी है। इसरो में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण होता है। हजारों आवेदन आते हैं। यह हमारे सफल प्रयोगों का परिणाम है। वायु सेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा कि डॉकिंग सफलतापूर्वक हुई। यह बहुत गर्व की बात है। यह सभी के लिए अच्छा है। हम बहुत खुश हैं, हमने हर दिन प्रार्थना की। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वे अपना कर्तव्य अच्छी तरह से निभाएं और सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौटें। इसका श्रेय सिर्फ मेरे बेटे और उसकी कड़ी मेहनत और समर्पण को जाता है। शुभांशु शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि हमें बहुत खुशी है। सफल डॉकिंग हुई है, इसके लिए हम भगवान का धन्यवाद करते हैं। हमें ये देख कर बहुत अच्छा लगा। हमें अपने बच्चे पर गर्व है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की हुई समीक्षात्मक बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की क्रमवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने चना-दाल, चीनी, नमक वितरण, अंत्योदय योजना, सफेद एवं ग्रीन राशन कार्ड के अंतर्गत लाभान्वित लाभुकों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभुकों को समयबद्ध ढंग से योजना का लाभ सुनिश्चित कराया जाए। लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश बैठक में उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को अपने लॉगिन में लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन कर जिला आपूर्ति पदाधिकारी को अग्रसारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पात्र लाभुकों के आवेदन को शीघ्र स्वीकृत करने तथा अपात्र, मृत अथवा राशन कार्ड सरेंडर किए गए मामलों को डिलीट करने के निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने कैंसर पीड़ित एवं अत्यंत निर्धन व्यक्तियों के आवेदनों का त्वरित निष्पादन करने एवं कैंसर पीड़ित लाभुकों की सूची तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। उपायुक्त ने एनएफएसए एवं जेएसएफएसएस के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। डोर स्टेप डिलीवरी प्रणाली की वर्तमान स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने इसे और सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्यान्न उठाव से संबंधित विवरण को रियल टाइम में पोर्टल पर प्रविष्ट करने एवं उसकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने हेतु डीएसओ को निर्देशित किया। इस अवसर पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी मानिटरिंग ऑफिसर, बीएसओ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एक नजर

सड़क हादसे में शिक्षक की पत्नी की दर्दनाक मौत

चतरा : गुरुवार की सुबह प्रतापपुर में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। प्रखंड मुख्यालय स्थित बलवादोहर प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक राकेश कुमार मिश्रा की पत्नी विमला देवी (46 वर्ष) की सड़क दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा जोरी टोल नाका पार करते ही कुछ ही दूरी पर हुआ, जब वे पति और बेटे के साथ बाइक से हजारीबाग जा रही थीं।परिजनों के अनुसार, सुबह के समय राकेश मिश्रा अपनी पत्नी विमल देवी और 20 वर्षीय पुत्र अनीश कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर घर से निकले थे। जोरी टोल नाका से कुछ कदम आगे अचानक चलती बाइक से विमल देवी असंतुलित होकर मुंह के बल सड़क पर गिर गईं। गिरते ही वे अचेत हो गईं और देखते ही देखते उनकी सांसें थम गईं।संयोगवश, घटना के समय वशिष्ठ नगर जोरी थाना की पुलिस गश्ती टीम पास ही मौजूद थी। पुलिस ने तत्काल मानवीय पहल करते हुए अचेत विमल देवी को अपनी गाड़ी से चतरा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।इस दुखद सूचना के फैलते ही प्रतापपुर बाजार और आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। दोपहर चार बजे अमृतझर (अमझर) नदी के श्मशान घाट पर विधिवत अंतिम संस्कार किया गया।मृतका के पति राकेश मिश्रा न केवल शिक्षक हैं, बल्कि सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे राष्ट्रीय नवीन मेल के प्रतापपुर संवाददाता सुधीर मिश्रा के छोटे भाई तथा क्षेत्र के चर्चित चिकित्सक सुरेंद्र शर्मा उर्फ जीतू बाबा के भगिना हैं।

जगन्नाथ मंदिर में भाजपा नेत्री ने मुकुट वस्त्र एवं श्रृंगार की सामग्री की अर्पित

हजारीबाग : सदर प्रखण्ड के सिलवार स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने जगन्नाथ धाम पुरी से मंगवाकर भगवान जगन्नाथ को मुकुट, वस्त्र एवं श्रृंगार सहित अन्य सजावट की समाग्री पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान के चरणों में अर्पित की। 27 जून को आयोजित रथ यात्रा मेले की तैयारियों को लेकर मंदिर प्रांगण में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुई। मंदिर कमेटी सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। मेले की व्यवस्था को बेहतर और सुचारू रूप से बनाए रखने हेतु विस्तृत चर्चा हुई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि धार्मिक कार्य में सहयोग कर पाना मेरे लिए काफी सौभाग्य की बात है। इस प्रकार सहयोग करने से आत्मिक संतुष्टि मिलती है।

25 साथियों का झुंड ने जोराकाठ में कई घरों किया क्षतिग्रस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा पंचायत अंतर्गत ग्राम जोराकाठ गांव में बीते बुधवार रात्रि को चार हाथी के बच्चे समेत 25 हाथियों का झुंड पहुंचा। हाथियों के द्वारा जोराकाठ मांझी टोला के लोगों की कई घरों को तोड़कर हाथियों ने महुआ, चावल आदि अनाज चट कर गए।वहीं खेतों में लगी सब्जी के फसलों को रौंद दिया। जिसमें मुल्य रूप से बैजनाथ महतो , बचनदेव महतो, ललन कुमार , शंभू मांझी, बिनोद मांझी , दिनेश मांझी एंव सिनोद महतो के घरों एवं अनाज को नुकसान पहुंचाया गया है। हाथियों के झुंड में कई छोटे-छोटे हाथी के बच्चे भी हैं। बताते चले की हाथी फिलहाल जोराकाठ गांव के पूर्वी क्षेत्र चरही के जंगलों में डेरा जमाए हुए हैं।इधर हाथियों के झुंड सके जोराकाठ गांव के ग्रामीण काफी भयभीत है। वहीं गांव में पिछले कई दिनों से बिजली नहीं रहने के कारण ग्रामीणों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है लोगों का कहना है कि बिजली नहीं रहने के कारण हाथियों ने भारी उत्पाद मचाया है नुकसान हुआ है।

उपायुक्त के निर्देश पर मरीजों की सुविधाओं केंद्रित पर जोर

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

हजारीबाग : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर मरीजों एवं उनके परिजनों की सहायता के लिए एक नई और सराहनीय पहल की गई है। अस्पताल प्रशासन द्वारा "MÔy I Help You" टी-शर्ट पहने विशेष स्वास्थ्य कर्मियों की एक टीम तैनात की गई है, जो ओपीडी, इमरजेंसी एवं अन्य विभागों में आने वाले मरीजों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान कर रही है। इस पहल का उद्देश्य मरीजों को अस्पताल परिसर में उचित जानकारी उपलब्ध कराना, विभागों तक पहुँच सुनिश्चित करना तथा बुजुर्ग, दिव्यांग एवं असहाय मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर मदद देना है। "MÔy I Help You" टीम न केवल मरीजों का मार्गदर्शन कर रही है, बल्कि उन्हें पंजीयन, जांच, दवा वितरण एवं विभिन्न विभागों के संचालन प्रक्रिया में सहयोग भी प्रदान कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि यह पहल मरीजों की सुविधा और अस्पताल सेवा प्रणाली को और बेहतर एवं संवेदनशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टीम के सदस्यों को विशेष प्रशिक्षण देकर तैनात किया गया है ताकि वे मरीजों के साथ सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार कर सकें। जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रबंधन द्वारा इस मानवीय और सुलभ सेवा को भविष्य में और विस्तारित करने की योजना बनाई जा रही है।

नशा मुक्त होगा सांढ़ पंचायत अभियान चलाकर लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के सांढ़ पंचायत में मुखिया सुलेखा कुमारी के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान चलाकर सम्पूर्ण पंचायत को नशामुक्त करने का निर्णय लिया गया।जिसको लेकर पीएम श्री उच्च विद्यालय शिवाडीह तक प्रभात फेरी निकाल कर जागरूक किया गया। मौके पर पूर्व मुखिया भीखन महतो ने बताया कि नशा मुक्त समाज को बनाने में स्वयं की सहभागिता महत्वपूर्ण होती है,क्योंकि जब लोग स्वयं को नशा से दूर रखेंगे तभी समाज को नशा से मुक्ति दिलाई जा सकती है जिससे हमारा समाज सुदृढ़ व सशक्त होगा।वहीं उपस्थित सभी ने शपथ लिया कि ना अपने घर में किसी को नशा का सेवन करने देंगे और ना ही अगल-बगल आज पड़ोस में किसी को करने देंगे।मौके पर मुखिया सुलेखा कुमारी बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल , पंसस उपेंद्र प्रसाद , उपमुखिया हेमंती देवी , गिन्नी वर्मा, गुरुदयाल कुमार जिज्ञासु ,राम प्रकाश कुमार, जलसहिया नेहा कुमारी, रेखा कुमारी, विकास कुमार, ममता कुमारी, पिंकी देवी, शिक्षिका उचित्रा सिंह, शिक्षक विष्णु दयाल कुशवाहा, कृष्ण कुमार, दशरथ महतो, उमेश दांगी,प्रमोद कुमार, संगीता कुमारी, सहिया दीदी, आंगनबाड़ी सेविका, सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

हाथियों का झुंड जोराकाठ में मचाई तांडव, कई घर क्षतिग्रस्त

बड़कागांव : हाथियों के झुंड बुधवार देर रात्रि जोराकाठ में जमकर तांडव मचाया है। हाथियों के झुंड के द्वारा लगभग पांच-छह घरों को छतिग्रस्त करने कि सूचना मिल रही है। तथा रवि फसल को नुकसान पहुंचाया है। हाथियों के झुंड में लगभग छोटे-बड़े सभी हाथी मिलकर 25 की संख्या बताई जा रही है जिससे स्थानीय लोग डरे हुए हैं। वहीं गोंदलपुरा पंचायत के मुखिया वासुदेव यादव सूचना प्रांत घटनास्थल का जायजा लिया और वन विभाग से क्षतिग्रस्त परिवारों को मुआवजा की मांग की।

कांग्रेस पार्टी युवा मोर्चा का नेता बानो नेता चुनाव कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के आवास समाधान भवन में कांग्रेस पार्टी युवा मोर्चा का नेता बानो नेता चुनाव कार्यक्रम को लेकर युवा कांग्रेसियों की बैठक हुई। बड़कागांव विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष बाबर खान की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक के मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला चुनाव प्रभारी नरेंद्र यादव ने कहा कि झारखंड युवा कांग्रेस के कार्यकाल पूरा होने के बाद संगठन का पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस प्रक्रिया के तहत प्रखंड युवा कांग्रेस से लेकर प्रदेश युवा कांग्रेस संगठन का चुनाव पारदर्शिता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर किया जाएगा। बाबर हुसैन ने कहा कि सभी युवाओं को युवा कांग्रेस से जुड़ने का एक सुनहरा अवसर है। इसीलिए इस कार्यक्रम का नाम नेता बनो, नेता चुनो रखा गया है। इस कार्यक्रम तहत 27 जून से 04 जुलाई तक युवा कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के लिए नामांकन दाखिल कर सकते हैं जिसके लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष रखा गया है। बैठक में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, पंसस प्रभु राम, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेश प्रसाद दांगी, सुरेश चौधरी, शमशेर आलम बबलू कुमार, मोइनुद्दीन ,छोटे खान, लालू यादव, सतीश कुमार दास, आनंद कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर सांसद गंभीर, एसपी से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में लगातार बढ़ रहे अपराध पर चिंता व्यक्त करते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से गुरुवार को उनके एसपी कोठी स्थित कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। सांसद ने पिछले 15 महीनों से जिले में बिगड़ी हुई कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए और एसपी से इसमें सुधार की उम्मीद जताई । दहशत में क्षेत्रवासी, विकास कार्य बाधित सांसद मनीष जायसवाल ने पिछले चार दिनों के भीतर हुई लगातार चार बड़ी आपराधिक घटनाओं पर विशेष चिंता व्यक्त की। उन्होंने एसपी से कहा कि बीते 22 जून को सांसद आवास से मात्र 100 गज की दूरी पर एक स्वर्ण व्यवसायी के प्रतिष्ठान में सरेआम गोलीबारी हुई थी, जिसकी प्रारंभिक सूचना उन्होंने खुद ही पुलिस कप्तान को दी थी। इसके अलावे 25 जून को केरेडारी में दो सूकर व्यवसायियों को गोली मारना और बड़कागांव के जोराकाट में कई मशीन व वाहनों को जलाकर संवेदकों को आर्थिक क्षति पहुंचाना जैसी घटनाएं क्षेत्र में दहशत का माहौल बना रही हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने जोर देकर कहा कि इस तरह की घटनाओं से न केवल आमजन भयभीत हैं, बल्कि विकास कार्य भी बाधित हो रहे हैं, क्योंकि संवेदक और व्यवसायी खौफ के माहौल में आ गए हैं। उन्होंने हजारीबाग पुलिस से इन सभी आपराधिक घटनाओं को देखते हुए एक बेहतर रणनीति के तहत कार्य करने का आग्रह किया, ताकि अपराध पर अंकुश लग सके और जिले के लोग भयमुक्त हो सकें।

विभावि में मादक पदार्थों के विरुद्ध मानव श्रृंखला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड सरकार के निर्देश पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा 10 जून 2025 से चलाए जा रहे मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान के अंतिम दिन गुरुवार 26 जून को विश्वविद्यालय में मानव श्रंखला एवं रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गोस्वामी तुलसीदास केंद्रीय पुस्तकालय भवन से संत विनोबा भावे की प्रतिमा स्थल तक मानव श्रृंखला के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा, कुलसचिव डॉ. सादिक रज्जाक, कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी डॉ. उमेंद्र सिंह, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ० कैसर, डॉ. खेमलाल महतो, डॉ मृत्युंजय प्रसाद तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों के नेतृत्व में रैली का आयोजन किया गया। प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर यह रैली सभा में तब्दील कर दी गई। सभा में कुलपति महोदय ने छात्रों को संबोधित करते हुए मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और युवाओं से नशा विरोधी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में लगाने की आवश्यकता पर बल दिया।

शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, यूसेट एवं अन्य विभागों के साथ साथ राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई-1 के छात्र-छात्राओं ने इसमें सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के शोधार्थी पुष्कर कुमार पुष्प, रेशु कुमार, आरती मेहता, अदिति मिश्रा, संतोष पंडित, पंकज बर्णवाल, पूजा सहित अन्य शोधार्थियों एवं छात्रों अर्थशास्त्र की सराहनीय उपस्थिति रही।

संक्षिप्त खबरें

तीनपहाड़ में डीटीओ ने वाहन जांच अभियान चलाया

साहिबगंज : तीनपहाड़ बैंक मोड़ के समीप गुरुवार को तीनपहाड़ थाना पुलिस एवं डीटीओ साहिबगंज के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। वहीं वाहन जांच के दौरान मोटरसाइकिल, ऑटो, टोटो चालकों को रोक कर चालक की ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के कागजात, इंश्योरेंस, हेलमेट, डिक्की आदि की जांच की गई।वही मोटरसाइकिल चालकों को बिना हेलमेट के वाहन का परिचालन करने एवं टोटो, ऑटो का ऑनलाइन चालान 22 हजार 650 रुपया का काटा गया साथ ही चालकों को यातायात नियमों का पालन करते हुए स्वयं की सुरक्षा हेतु मोटरसाइकिल चालकों को हेलमेट का अवश्य प्रयोग का निर्देश दिया। मौके पर तीनपहाड़ थाना पुलिस के जवान जांच अभियान में शामिल थे। इस वाहन जांच अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मची हुई थी।

संध्या कॉलेज में इंटर नए सत्र में हो रहा नामांकन

साहिबगंज : शहर के सिदो कान्हू स्टेडियम रोड स्थित संध्या कॉलेज में इंटर नए सत्र 11वी में साइंस, आर्ट्स व कॉमर्स में नामांकन चल रहा है। गुरुवार को नामांकन के लिए विद्यार्थियों की भीड़ उमड़ पड़ी। नामांकन को छात्र व छात्राओं के लिए अलग-अलग काउंटर खोला गया था। प्रचार्य शंभूनाथ पाठक ने बताया कि इंटर नए सत्र में नामांकन हो रहा है। विद्यार्थियों की परेशानी को देखते हुए छात्र व छात्राओं के लिए अलग-अलग काउंटर खोला गया है।

कलश यात्रा के साथ महाप्रभु जगन्नाथ के मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा

पटमदा : पटमदा प्रखंड के कमलपुर थाना क्षेत्र के दगड़ीगोड़ा गांव स्थित हरि साधना आश्रम में गुरुवार को कलश स्थापना के साथ ही सुबह करीब साढ़े 10 बजे से भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शुरू हुआ। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व सुबह करीब नौ बजे बांगुड़दा साहेब बांध तालाब से कलश यात्रा निकाली गई।वही पुरोहितों के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापना,प्रभु का स्नान,श्रृंगार,वस्त्र ग्रहण,आरती सहित कई कार्यक्रम सम्पन्न हुई।वही शुक्रवार को पूजा पाठ के साथ आरती हवन सहित महा प्रसाद वितरण के साथ अनुष्ठान का समापन होगा। कलश यात्रा के दौरान कमलपुर थाना के पुलिस अधिकारी, जवान और चौकीदारों के अलावा कमेटी के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।कार्यक्रम में मुख्य रूप से कमेटी के अध्यक्ष गिरिजा प्रसाद मिश्रा, महासचिव प्रेमचांद महतो, मृत्युंजय महतो, श्रीमंत कुमार मिश्रा, प्रदीप कुमार महतो, कृपासिन्धु महतो, अजीत दत्त, कार्तिक महतो, पंचानन मिश्रा, आनंदमय महतो, अनंत लाल मिश्रा, भास्कर माहली, निर्मल कुमार महतो, संदीप कुमार मिश्रा, ईशान चंद्र गोप, शिशुपाल सिंह सरदार, मिहिर महतो, सानंद प्रधान, मिथिलेश तिवारी, काजल षड़ंगी, बासुदेव मिश्रा, जहरलाल मिश्रा, शंभू दास, कालाचांद राय व मधुसूदन घोषाल, मुकेश अग्रवाल,नारायण महतो आदि शामिल थे।

एनटीपीसी बादाम कोल कंपनी के खिलाफ ग्रामीणों की हुई बैठक

बड़कागांव : प्रखंड के बादाम पंचायत के साहू समाज सभा भावन में एनटीपीसी बादाम कोल कंपनी के खिलाफ एकजुट नजर आए। गुरुवार सुबह से ग्रामीणों ने अपनी दुकाने बंद रख बैठक की। बैठक में भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे इस दौरान लगभग 4 से 5 घंटे तक बादाम गांव के तमाम दुकानें बंद रही। ग्रामीणों ने कहा कि हम लोग किसी भी हालत में अपनी जमीन का सौदा नहीं करेंगे ,एक इंच भी जमीन कंपनी को नहीं देंगे, और नाही कंपनी से किसी प्रकार का सामग्री लेंगे। दादा परदादा के समय से ही हम लोग अपनी जमीन से चार फसली अनाज पैदावार कर खुशहाल जिंदगी गुजार रहे हैं। अपने बच्चों की परिवरीश भी अच्छे ढंग से करने में सक्षम है। प्रशासन के मिली भगत से कंपनी के द्वारा जबरन जमीन हथियाने का भी प्रयास अगर किया जाता है तो, हम लोग होने नहीं देंगे। बैठक के पश्चात ग्रामीणों ने स्कूलों में जाकर बच्चों शिक्षकों एवं अन्य लोगों से कहा गया कि एनटीपीसी कंपनी का किसी प्रकार का सामान नहीं लेना है किसी लालच में नहीं फसना है इसका विरोध करना है। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने कंपनी के समर्थन में काम करने वाले लोगों के घर जाकर उन्हें समझाया बुझाया और समाज को सहयोग करने के लिए कहा गया।

विधायक ने एसपी से मुलाकात कर कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की बात कही

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से उनके कार्यालय में मुलाकात कर बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत केरेडारी और बड़कागांव प्रखंड में बढ़ते आपराधिक गतिविधियों और गिरती कानून व्यवस्था को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा किया। जिस पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड में आए दिन आपराधिक मामले हो रहे हैं जिस पर हमारे ग्रामीण जनता भयभीत है। सरासर गलत है। आगे उन्होंने पुलिस अधीक्षक से कहा कि इस तरह के आपराधिक गतिविधियों पर जल्द से जल्द अंकुश लगाए ताकि हमारा बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड के ग्रामीण जनता चैन से रह सके।

राज्य में नशे के बड़े सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी : दीपिका पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में 10 से 26 जून तक आयोजित मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का समापन गुरुवार को डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में संपन्न हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि के तौर पर ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि यह केवल अभियान का समापन नहीं है, बल्कि राज्य को नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में एक नई शुरूआत है। उन्होंने इस पूरे अभियान को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की संवेदनशील सोच और दूरदृष्टि का परिणाम बताया। मंत्री ने कहा कि आज झारखंड उन राज्यों की श्रेणी में शामिल हो चुका है जो न केवल आधारभूत संरचनाओं के विकास में अग्रसर हैं, बल्कि सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध भी मजबूती से खड़ा हो रहा है। उन्होंने कहा कि नशे के बड़े सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है, ताकि समाज को भीतर से खोखला कर रहे तत्वों को रोका जा सके। मौके पर मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि अफीम की खेती और नशे के कारोबार ने राज्य के कई इलाकों को अपनी चपेट में लिया है। सरकार ने इस बार तकनीक और बहु-विभागीय समन्वय के जरिए अफीम की खेती का बड़े पैमाने पर विनष्टीकरण किया गया है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि इस वर्ष करीब 27 हजार एकड़ भूमि पर फैली अफीम की खेती को नष्ट किया गया। खूंटी जैसे संवेदनशील जिलों में स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस अभियान में स्वेच्छा से भागीदारी की। उन्होंने ब्राउन शुगर को युवाओं के लिए सबसे घातक बताते हुए कहा कि पुलिस अब इसकी आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए पैडलर, डीलर और सप्लायरों पर सख्त कार्रवाई करेगी। अब तक ड्रग्स के विरुद्ध कुल 350 मामले दर्ज किए जा चुके हैं और 318 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने कहा कि इस अभियान को शैक्षणिक संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से निरंतर चलाए जाने की आवश्यकता है। साथ ही नशा उन्मूलन से जुड़ी जानकारियों को स्कूल और कॉलेज की किताबों में पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया जाए। गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने बताया कि राज्य के 238 पंचायत अफीम की खेती से प्रभावित हैं। उन?होंने बताया कि यह जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बीते दो हफ्तों में राज्य भर में 12 हजार से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस दौरान तीन हजार से अधिक स्कूलों में 22 लाख से अधिक बच्चों को शामिल करते हुए विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि डोर-टू-डोर प्रचार, मास्टर ट्रेनर्स की तैयारी और यूनिसेफ की तकनीकी सहायता इस अभियान की विशेषताएं रहीं।

एक नजर

सत्ता मिलते ही खुद को प्रधानमंत्री समझते हैं कई नेता : इरफान

रांची: स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने गुरुवार को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जिन नेताओं को हम अपने वोट से चुनते हैं, सत्ता में आते ही वे खुद को प्रधानमंत्री समझने लगते हैं। ऐसे नेताओं के भ्रम को तोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि जब हमारे ही प्रतिनिधि समाज का सम्मान नहीं करते, तो फिर वे आम कार्यकताओं और समुदाय की भावनाओं का क्या ख्याल रखेंगे। मंत्री ने कहा कि रांची में जल्द ही एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी। इसमें जागरूकता और संगठन के संदेश के साथ एकता का प्रदर्शन किया जाएगा। मंत्री ने सभी लोगों से रैली में शामिल होने का आहव़ान किया है।

नशा से बचाव के लिए छात्रों को जागरूक करना बेहद जरूरी : अतुल गेरा

रांची : झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त सह अध्यक्ष के मार्गदर्शन में गुरुवार को गोसनर कॉलेज में छात्र-छात्राओं के लिए नालसा स्कीम डॉन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लाइफ सेवर्स के अतुल गेरा ने बताया कि नशा हमारे देश को कैसे खोखला कर रहा है और नशा से बचने के लिए छात्र-छात्राओं को जागरूक करना बेहद जरूरी है। नशा के पेडलर नवयुवक और छात्रों को इस व्यवसाय में आसानी से उपयोग करते हैं। इससे हमलोगों को सचेत रहना है और किसी भी तरह का ड्रग्स पेडलरों के लालच में नहीं आएं। एलएडीसीएस के डिप्टी चीफ राजेश कुमार सिन्हा ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 के बारे में बताया कि इसमें कहा गया है कि राज्य को निर्देशित किया जाता है कि वह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मादक पेय और नशीली दवाओं के सेवन को औषधीय उद्देश्यों को छोड़कर, समाप्त करने का प्रयास करेगा। सिन्हा ने कहा कि अफीम या पोस्ता के उत्पादन या कब्जे पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मात्रा के आधार पर 20 साल तक के कठोर कारावास और दो लाख रुपए के जुमार्ने की सजा का प्रावधान है। बार-बार अपराध करने पर मृत्युदंड तक की सजा का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि कांके के पुनर्वास केंद्रों के साथ-साथ एनजीओ भी नशा करनेवालों को ठीक करने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि सीआईपी और रिनपास में जिला विधिक सेवा प्राधिकार का लिगल एड क्लिनिक है, वहां पर नशा करनेवाले व्यक्तियों का ईलाज किया जाता है।

थोक वस्त्र विक्रेता संघ ने ट्रेड लाइसेंस नवीकरण के लिए लगाया कैंप

रांची : झारखंड थोक वस्त्र विक्रेता संघ के मैकी रोड स्थित कार्यालय में गुरुवार को संघ के सदस्यों के लिए रांची नगर निगम के सहयोग से ट्रेड लाइसेंस नवीकरण और नए आवेदन के लिए कैंप लगाया गया। इस मौके पर टैक्स कलेक्टर उदय कुमार और विनय कुमार उपस्थिति थे। संघ के सचिव हैप्पी किंगर ने बताया कि कैंप में संघ के 25 से ज्यादा सदस्यों ने लाइसेंस नवीकरण और आवेदन की प्रक्रिया को साझा किया। कई सदस्यों ने नई लाइसेंस के लिए आवेदन भी दिया। मौके पर किंगर ने बताया कि सदस्यों के आग्रह पर संघ कार्यालय में ट्रेड लाइसेंस नवीकरण की व्यवस्था रखी गई थी। कैंप में मुख्य रूप से संघ के अध्यक्ष उमाशंकर कनोडिया, उपाध्यक्ष महेश बजाज, अमर चंद बेगानी, कोषाध्यक्ष सौरव कटारुका, पूर्व सचिव प्रमोद सारस्वत सहित संघ के कई सदस्य उपस्थित थे।

लोकतंत्र और वंशवाद एक दूसरे के पूरक नहीं हो सकते : गिरिराज सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कांग्रेस पार्टी और हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और वंशवाद एक दूसरे के पूरक नहीं हो सकते है। 50 साल पहले इंदिरा गांधी ने देश पर इमरजेंसी थोपी, लोकतंत्र की हत्या की तो देश की युवा पीढ़ी को आज जानने की जरूरत है कि लोकतंत्र की जननी भारत जहां लिच्छवी गणराज्य था, में आखिर आपातकाल क्यों लगाया गया। क्यों लोकतंत्र को मारने की कोशिश की। इससे यह स्पष्ट है कि आपातकाल लगाने वाली प्रधानमंत्री इंदिरा वंशवाद की उपज थी। लोकतंत्र और वंशवाद एक दूसरे के पूरक नहीं हो सकते। केंद्रीय मंत्री गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 24 अप्रैल, 1971 को राज नारायण ने इंदिरा गांधी की ओर से चुनाव में धोखाधड़ी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस मुकदमे की सुनवाई करते हुए 12 जून, 1975 को इंदिरा गांधी के खिलाफ फैसला सुनाया। इधर देश के अंदर कांग्रेस कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन गुजरात से शुरू होकर बिहार पहुंच गया था। न्यायालय के फैसले ने आंदोलन को बल दिया। ऐसी स्थिति में इंदिरा गांधी का तानाशाही चेहरा सामने आया। उन्होंने दोष मुक्ति तक पद से इस्तीफा देने का फैसला न कर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। लेकिन 24 जून, 1975 को सुप्रीम कोर्ट ने भी इंदिरा गांधी के खिलाफ फैसला दिया। वंशवाद की उपज और सत्ता की लोलुप इंदिरा गांधी ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए देश पर 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फकरुद्दीन अली अहमद के हस्ताक्षर से आपातकाल थोप दिया। रेडियो प्रसारण से देश की जनता इस काले संदेश को सुनी,लाखों लोगों को बिना कोई कसूर के गिरफ्तार किया गया। दो लाख से अधिक राजनीतिक दल के नेताओं की गिरफ्तारी की गई।

आईसीएआई का एमएसएमई महोत्सव आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), रांची शाखा की ओर से शुक्रवार को आईसीएआई एमएसएमई महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया ने गुरुवार को बताया कि इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण एमएसएमई विकास भागीदार के रूप में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए अवसर विषय पर आधारित परिचर्चा होगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में रांची के चार्टर्ड एकाउंटेंट सीए राहुल झा की ओर से एमएसएमई क्षेत्र में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर में एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करना और इस क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों को वित्तीय और तकनीकी सहायता की जानकारी देना है। इस महोत्सव में सुरेंद्र शर्मा, असिस्टेंट डायरेक्टर एमएसएमई डेवलपमेंट एंड फैसिलिटीज ऑफिस, रांची, मुकुल पी एक्का, असिस्टेंट डायरेक्टर एंड जनरल मैनेजर - सिडबी, रांची, राजीव रंजन, जनरल मैनेजर जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी), रांची, आरसी गोयल, सीनियर रीजनल हेड एंड डीजीएम, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, रांची, रितेश गुप्ता, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पैरागन फाइनेंस लिमिटेड (एनबीएफसी), रितिका कुमारी, प्रतिनिधि व्यापार सॉफ्टवेयर शामिल होंगे और उपस्थित उधमियों को जानकारी साझा करेंगे। साथ ही सीए, सिडबी, एनबीएफसी, बैंक और जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां आगंतुकों को एमएसएमई पंजीकरण, सरकारी योजनाओं, ऋण सुविधाओं और अन्य वित्तीय सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। यह महोत्सव आईसीएआई की ओर से पूरे देश में अपनी सभी शाखाओं के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है।

लगातार आदिवासी बेटियों को बनाया जा रहा है निशाना : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरीडीह में एक आदिवासी बेटी के अपहरण की घटना पर चिंता जताई है। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि आठ दिन तक लापता रहने के बाद लड़की मिली, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और न ही कोई सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है। उन्होंने हेमन्त सरकार पर आरोप लगाया कि उनका स्पष्ट निर्देश है कि आरोपित का धर्म और वोट बैंक देखकर कानून तय किया जाए। उन्होंने कहा कि हेमन्त सरकार में लगातार झारखंड में आदिवासी बेटियों को निशाना बनाया जा रहा है। मरांडी ने कहा कि आज आदिवासी समाज में गुस्सा है और हमारी बेटियां डर के साए में जी रही हैं। उन्होंने कहा कि जो सरकार आदिवासी समाज को सुरक्षा नहीं दे सकती, उसे उनका प्रतिनिधित्व करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने अविलंब आरोपित की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार को आदिवासी समाज के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और उनकी सुरक्षा और न्याय के लिए काम करना चाहिए।

रथयात्रा को लेकर उपायुक्त ने सुरक्षा और साफ-सफाई का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धुर्वा के जगन्नाथपुर में शुक्रवार को निकाले जानेवाले ऐतिहासिक रथयात्रा को लेकर उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने समाहरणालय स्थित कार्यालय में गुरुवार को बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को समय पर मौजूद रहने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसे लेकर हिदायत दी। 10 दिनों तक लनेवाले रथयात्रा मेले की तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यात्रा मार्ग पर किसी प्रकार की बाधा न हो और श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। साथ ही उन्होंने वीवीआईपी के लिए भी सभी व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा। उपायुक्त ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई बिजली आपूर्ति व्यवस्था, चलंत शौचालय, शुद्ध पेयजल, अग्निशमन वाहन और एंबुलेंस की व्यवस्था की समीक्षा की। मौके पर संबंधित पदाधिकारी ने बताया कि मेला परिसर की निगरानी के लिए वॉच टावर और सीसीटीवी की भी व्यवस्था कर ली गई है। उपायुक्त ने कहा कि दुकानदार केवल निर्धारित स्थानों पर ही दुकान लगाएं। ताकि रथ यात्रा के दौरान मार्ग अवरुद्ध न हो और भीड़ प्रबंधन में सहूलियत हो। उपायुक्त ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रथयात्रा मार्ग पर मोरम या स्टोन डस्ट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मेला परिसर में साफ सफाई और बायो टॉयलेट की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में सफाई का विशेष ध्यान रखें, उन्होंने श्रद्धालुओं से भी मेला परिसर के साफ सफाई में सहयोग की अपील की। सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था संधारण के लिए जगरन्नाथ मंदिर और मौसीबाड़ी तक सुरक्षा बलों एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

11 वर्षों से लगातार संविधान और जनतंत्र का गला घोंटने की कोशिश कर रही भाजपा : कांग्रेस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा को निशाना साधते हुए कहा, 11 वर्षों से लगातार संविधान और जनतंत्र का गला घोंटने की कोशिश करने वाली भाजपा अपना काला सच छुपाने के लिए कांग्रेस को ढाल बनाती है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा देश के मुद्दों पर सवाल पूछना भाजपा को नागवार गुजरता है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा लगाए गए आरोप पर उन्होंने कहा, अतीत के मामलों पर राजनीति करना, झूठ बोलना भाजपा के राजनीतिक चरित्र का हिस्सा बन चुका है। वर्तमान में उनके पास कहने को कुछ नहीं है इसलिए जनता को 40 साल पहले और 40 साल बाद की बातों मे उलझाने की कोशिश करते हैं। दो महीने बाद भी पहलगाम के आरोपियों का ना पकड़ा जाना,मित्र हितों के लिए अमेरिका के आगे सरेंडर, विफल विदेश नीति, कमरतोड़ महंगाई, भयावह बेरोजगारी,भाजपा शासित राज्यों में भाजपा विधायक को नेताओं चरम सीमा पर पहुंचा अपराधिक कृत्य चंदे के बदले धंधा उनके एक दशक से ज्यादा के कार्यकाल की महान उपलब्धि है। आज देश में राजनीतिक- व्यवसायिक और विदेशी शक्तियों के अदृश्य गठजोड़ के सारी पर नीतियां तय हो रही हैं जो आम जनता के हितों के लिए नहीं बल्कि चंद औद्योगिक घरानों के आर्थिक हित साधने के लिए है। उन्होंने आगे कहा, ₹वंशवाद का विरोध करने वाली भाजपा आज तक खुद को मजबूत नहीं कर सकी है।भाजपा के 40% से अधिक सांसद कांग्रेस एवं अन्य दलों से हैं जिन्हें वह वंशवादी कहते हैं। आपातकाल के बाद जिनके पूर्वजों ने कांग्रेस का जयघोष करते हुए जीत हासिल की थी उन्हें आज राज्य का उपमुख्यमंत्री और केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनाकर भाजपा ने रखा है। वंशवाद पर बात करने से पहले विगत लोकसभा चुनाव में बिहार में एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय मंत्री को देखना चाहिए अपने चेहरे की कालीख नजर आ जाएगी। वास्तविक आपातकाल आज है जिसमें छात्रों, युवाओं, महिलाओं, किसानो आदिवासी, पिछड़ा, दलित को सवाल पूछने और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने पर दमन का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, महागठबंधन सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन को केंद्रीय मंत्री के सलाह की आवश्यकता नहीं है। झारखंड सरकार अपना काम कर रही है। झारखंड को बारूद के ढेर पर बैठाने की भाजपा नेताओं ने भरपूर कोशिश की थी। लेकिन जनता ने इन्हें सिरे से खारिज कर भाजपा को संदेश दे दिया कि विभाजनकारी नीति झारखंड में नहीं चलने वाली है, इससे यह बिलबिला उठे हैं। घुसपैठ को बवंडर बनाकर बीजेपी झारखंड में सरकार बनाना चाह रही थी, लेकिन औंधे मुंह गिर पड़ी।

संक्षिप्त खबरें

फाउंडेशन ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का किया सम्मान

रांची : राजकुमार शुक्ल फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय राय ने गुरुवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची परिसर में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा का स्वागत किया। मौके पर अजय राय ने फाउंडेशन की ओर से मंत्री और सांसद को स्वतंत्रता सेनानी राजकुमार शुक्ल पर आधारित पुस्तक, पारंपरिक शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। अजय ने बताया कि पुस्तक भेंट का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों की स्मृति को सशक्त बनाना तथा उनके योगदान को समाज के समक्ष लाना था। केंद्रीय मंत्री ने फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राजकुमार शुक्ल जैसे योद्धा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं।

झारखंड चेंबर और वियतनाम में व्यापार वृद्धि और साझेदारियों पर बनी सहमति

रांची : हनोई में फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने वियतनाम चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्री के पदाधिकारियों के साथ गुरुवार को बैठक की। बैठक में द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूती देने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने झारखंड और वियतनाम के बीच निरंतर व्यापार वृद्धि और नई साझेदारियों के निर्माण पर सहमति जताई। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने गुरुवार को दी। झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के साथ आयोजित बैठक में वियतनाम चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से स्थानीय प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था। इस क्रम में छोटे और मध्यम उद्यमों के बीच सहयोग के लिए विशेष प्रावधानों पर बातचीत हुई। बैठक के दौरान एक संयुक्त मंच की स्थापना की रूपरेखा तैयार की गई, जो नियमित वर्चुअल और फिजिकल कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापार एवं निवेश की संभावनाओं को सशक्त करेगा। दोनों देशों के उद्योगों में निवेश की संभावनाओं की पहचान और मार्गदर्शन के लिए एजेंडों की रूपरेखा निर्धारित की गई। बैठक में टेक्सटाइल, कृषि, माइनिंग, सर्विस प्रोवाइडर क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों के साथ संभावित व्यापार के अवसरों पर सकारात्मक चर्चा हुई। झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि यह बैठक हमारे व्यावसायिक और औद्योगिक विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। इससे झारखंड के उद्यमों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड चेंबर इस सहयोग के माध्यम से झारखंड और वियतनाम के बीच दो-तरफा आर्थिक, औद्योगिक और व्यावसायिक रिश्तों को नई ऊंचाइयां देने का संकल्पित है। इस पहल से क्षेत्र में रोजगार सृजन, तकनीकी साझा और वैश्विक व्यापार संदर्भों में वृद्धि की भरपूर उम्मीद है। चेंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने आने वाले सप्ताह में दोनों चेंम्बर के बीच नियमित रूप से वर्चुअल मीटिंग का प्रस्ताव देते हुए झारखंड में वियतनामी प्रतिनिधिमंडलों को आमंत्रित किया। बैठक के दौरान दोनों चेंबर के बीच निकट भविष्य में विशिष्ट क्षेत्रों में साझेदारी के लिए प्रारंभिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर की योजना पर भी जोर दिया गया। बैठक में चेंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, शैलेष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा, रंजीत गाडोदिया, सदस्य निरंजन शर्मा, कमल सिंघानिया, अरूण भरतीया, मनोज मिश्रा, चंद्रप्रकाश ढेलिया, राजीव अग्रवाल, संजय अग्रवाल, विकास मोदी, विशाल वधवानी, ग्यारसीलाल गोयल, सुभाष राजगढिया और सुमित कक्कड के अलावा वियतनाम चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी ने ईडी से जब्त सामान मांगा वापस, याचिका दायर

रांची : रांची के पीएमएलए की विशेष कोर्ट में साहिबगंज में अवैध खनन के जरिए करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपित सुनील यादव ने एक याचिका दाखिल की है। सुशील ने अपनी याचिका में उन्होंने कोर्ट से यह आग्रह किया है कि ईडी की ओर से उनके घर से जो सामान जब्त किए गए हैं, वह उन्हें वापस दिए जाए। क्योंकि एजेंसी ने जो सामान जब्त किए हैं, वह रोजमर्रा की जरूरी चीजें हैं। सुनील जब ईडी की गिरफ्त से बाहर थे, तब एजेंसी ने उनके घर की कुर्की की थी। इस कुर्की में सुनील यादव के घर से बिस्तर, बैटरी, पंखा, कूलर, अलमारी सहित अन्य सामान जब्त किए गए थे। इसे वापस लेने के लिए सुनील यादव ने कोर्ट में गुहार लगाई है। सुनील यादव फिलहाल जमानत पर बाहर है।

एचईसी प्रबंधन ने स्कूल फीस किया माफ संघ ने जताई खुशी

रांची : हैवी इंजीनियरिंग कॉपोरेशन (एचईसी) हटिया के कर्मचारियों के लिए गुरुवार को बड़ी राहत की खबर सामने आई है। बीते दो-तीन वर्षों से लगातार आर्थिक संकट से जूझ रहे एचईसी में, अधिकारियों के संगठन एचईसी ऑफि सर्स एसोसिएशन (संघ) की ओर से कर्मचारियों के बच्चों की स्कूल फीस माफ करने की मांग रखी गई थी। इस मांग को एचईसी के अध्यक्ष सह निदेशक सहित अन्य निदेशकों ने गंभीरता से लिया। टाउनशिप क्षेत्र के संचालित स्कूल प्रबंधन से लगातार बातचीत करने के बाद कुछ विद्यालयों ने सकारात्मक पहल करते हुए स्कूल फीस माफ करने का निर्णय लिया है। एचईसी ऑफि सर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम शंकर पासवान ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि फीस माफी को लेकर शेष अन्य विद्यालयों से भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि पूरी उम्मीद है कि अन्य स्कूल भी जल्द ही स्कूल फी माफ करने की दिशा में फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत है जो वर्तमान में वेतन न मिलने और आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 29 माह से प्रबंधन ने कर्मियों का बकाया वेतन भुगतान नहीं किया है। इसके चलते एचईसी कर्मी क्षेत्र में संचालित स्कूलों में फी जमा करने में अक्षम थे। इस बात से नाराज एचईसी कर्मी पदाधिकारी लगातार प्रबंधन के समक्ष मांगों को रख रहे थे। इसके बाद अंतत: प्रबंधन ने स्कूल माफी करने की दिशा में ठोस निर्णय लिया। कर्मियों के प्रति उदार की भावना को प्रदर्शित किया। एचईसी ऑफि सर्स एसोसिएशन ने एचईसी प्रबंधन इस मानवीय फैसले के लिए प्रबंधन, अध्यक्ष-सह-निदेशक सहित सभी प्लांट के निदेशकों के प्रति आभार जताया। साथ ही कर्मचारियों के बकाया वेतन भुगतान सहित अन्य लंबित समस्याओं के समाधान करने की उम्मीद जताई।

एक नजर

डीएवी में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस

कोडरमा : डीएवी कोडरमा की प्रातः कालीन सभा में नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ आवाज उठाते हुए अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया गया। जिसमें नशा करने से होने वाले नुकसान और समाज पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को अपने हिंदी भाषण के द्वारा कक्षा आठवीं की छात्रा नेहा कुमारी ने बताया। अंग्रेजी भाषण में ग्यारहवीं की छात्रा कुमारी श्रेयसी ने बताया कि हर साल 26 जून को दुनिया भर में विश्व ड्रग दिवस मनाया जाता है, जिसे नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में भी जाना जाता है, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त दुनिया की दिशा में सहयोग और कार्रवाई बढ़ाई जा सके। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन कक्षा नवमी के छात्र प्रिंस कुमार और दिव्यांश मालवा के द्वारा किया गया। कक्षा आठवीं के छात्रों द्वारा एक लघु नाटिका के द्वारा यह दिखलाया गया कि नशे से एक हँसता- खेलता परिवार किस प्रकार बर्बाद हो जाता है। अपनी सुंदर उक्ति द्वारा समृद्धि ने नशे से दूर रहने का सुझाव सभी को दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि हर साल 26 जून को ह्यनशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवसह्ल मनाया जाता है।

जिला मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बोकारो : जिला मारवाड़ी सम्मेलन सत्र 2025–27 की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को मारवाड़ी पंचायत, चास में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीसीसीएल के सीएमडी श्री मनोज कुमार अग्रवाल थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कृष्णा अग्रवाल एवं अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल उपस्थित रहे। समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनोद गर्ग ने अध्यक्ष पद की शपथ ली। उनके साथ वरीय उपाध्यक्ष हनुमान पिलानिया, उपाध्यक्ष श्री सुरेश बंसल, श्री सुरेंदर जैन, श्री शशिकांत सिंघला, श्री प्रमोद लाट, जिला महामंत्री श्री जयप्रकाश तापड़िया, जिला कोषाध्यक्ष श्री अनुप सुद्रानिया सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की।

आईईपीएल ओरिका ने सस्टेनेबिलिटी मंथ के दौरान पिट्स मॉडर्न स्कूल, ग्रीन क्रिएटिविटी को दिया बढ़ावा

बोकारो : सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण माह समारोह के एक भाग के रूप में, आईईपीएल ओरिका, गोमिया ने पिट्स मॉडर्न स्कूल के सहयोग से गुरुवार, 26 जून, 2025 को कक्षा कके छात्रों के लिए एक ज्ञानवर्धक जागरूकता कार्यक्रम और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। संबंधित कक्षाओं में सुबह 9 :30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित दो घंटे के कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण चेतना और कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में एक घंटे का गतिशील जागरूकता सत्र शामिल था जिसमें पर्यावरण के मुद्दों पर एक प्रश्नोत्तरी शामिल थी, जिसके बाद एक घंटे की पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। इसका मुख्य उद्देश्य संधारणीय जीवन के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करना और युवा दिमागों को पर्यावरण विषयों को रचनात्मक रूप से चित्रित करने के लिए प्रेरित करना था।

डेढ़ करोड़ की ज्वेलरी लूट का खुलासा, 6 अपराधी गिरफ्तार, मास्टरमाइंड जेल से रच रहा था साजिश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास थाना क्षेत्र में स्थित आस्था ज्वेलर्स में हुई करीब 1.5 करोड़ रुपये की लूटकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में छह अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटे गए जेवरात, दो मोटरसाइकिल, एक डिजायर कार, मोबाइल फोन समेत कई अन्य सामान बरामद किए हैं। चौंकाने वाली बात यह रही कि इस पूरी वारदात का मास्टरमाइंड पटना के बेउर जेल में बंद अविनाश श्रीवास्तव निकला, जिसने जेल के भीतर से इस कांड की पूरी साजिश रची। घटना 23 जून की शाम करीब 5.59 बजे की है, जब चार अज्ञात अपराधी हथियारों के बल पर चास बाईपास रोड स्थित आस्था ज्वेलर्स में घुसे और करीब डेढ़ करोड़ रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लूटकर दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के निर्देश पर चास अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई। जांच टीम ने घटनास्थल और अपराधियों के भागने के रास्तों पर लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद पटना पुलिस की और आलमगंज थाना के सहयोग से छापेमारी की गई, जिसमें रौशन सिंह, राहुल पटेल उर्फ डायमंड, नीतेश कुमार, आदित्य राज, प्रिंस कुमार सुमन और मुसाफिर हवारी को गिरफ्तार किया गया। इन सभी को महावीर घाट और भद्राघाट, आलमगंज, पटना से पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि पूरी साजिश बेउर जेल में बंद अपराधी अविनाश श्रीवास्तव ने रची थी। उसने अपने साथियों करण उर्फ देवा, राहुल पटेल उर्फ डायमंड और बिरू उर्फ गोलू उर्फ रोनित को निर्देश देकर घटना को अंजाम दिलवाया। इन लोगों ने 12 और 13 जून को चास पहुंचकर आस्था ज्वेलर्स की रेकी की और बड़ग्राम, पुरुलिया के सिंह होटल में रुके। इसके बाद 14 जून को वे वापस लौट गए। घटना वाले दिन यानी 23 जून को रौशन सिंह, राहुल पटेल, नीतेश कुमार, आदित्य राज, प्रिंस कुमार सुमन और मुसाफिर हवारी डिजायर कार (इफ31अल-2579), होंडा सिटी मोटरसाइकिल और पल्सर बाइक (इफ310-0903) पर सवार होकर चास पहुंचे। रौशन, राहुल, आदित्य और प्रिंस हथियारों के साथ आस्था ज्वेलर्स में घुसे और जेवरात लूटकर भाग निकले। लूटे गए जेवरात को थैले में भरकर आईटीआई मोड़ पर खड़ी डिजायर कार में रखा गया और फिर सभी आरोपी वहां से फरार हो गए।

फेरो ने सहायक श्रमायुक्त को चुनाव हेतु दिया सहमति : बि के चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड मे कार्यरत बिभागीय कर्मचारी, ठेकाकर्मी एवं उनका सब कन्टेक्टर एम टी पी सी के मजदूरों से सम्बंधित मांगो को लेकर जय झारखंड मजदूर समाज ने 4 जून को युनिट कार्यालय मे प्रदर्शन के माध्यम से मांगपत्र सह हड़ताल नोटिस दिया था। जिसके अनुसार 27 जून के प्रथम पाली से 28 जून के रात्री पाली तक दो दिवसीय हड़ताल होना था। सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद के निर्देश पर दिनांक-24/6/25 को बोकारो युनिट प्रमुख के कार्यालय मे मांगपत्र पर बार्ता हुआ था जो नकारात्मक रहा तत्पश्चात सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद ने फेरो स्क्रेप निगम और जय झारखंड मजदूर समाज को नोटिस जारी कर आज अपने कार्यालय धनबाद मे मांगपत्र सह हड़ताल नोटिस पर बार्ता के लिए बुलाया था इस बार्ता मे जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के नेतृत्व मे युनियन प्रतिनिधिमंडल के साथ साथ फेरो स्क्रेप निगम के प्रधान कार्यालय भिलाई से महाप्रबंधक पंकज त्यागी,बोकारो युनिट प्रमुख त्रिपुरारी भाष्कर एवं बोकारो युनिट के बरीय प्रबंधक अतुल कुमार सिंह ने भाग लिया। मांगपत्र के अनुसार युनियन चुनाव, वेज रिविजन का बकाया 9%,ठेकाकर्मीयों को 4100/= प्रतिमाह ए डब्लू ए देने सहित 8 सूत्री मांगपत्र पर बिस्तृत चर्चा उपरान्त प्रबंधन ने एक महिने के भीतर युनियन चुनाव सहित सभी मांगो पर क्रियान्वयन का भरोषा दिया।

हाथियों का कहर, मिस्त्री की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

महुआटांड़ : थाना क्षेत्र के धरमपुर गांव के पास बुधवार रात हाथियों के झुंड ने एक निमार्णाधीन क्रेशर साइट पर हमला कर दिया। हमले में पश्चिम बंगाल के बर्दवान जिले के कुल्टी निवासी 49 वर्षीय मिस्त्री कलाम अंसारी की मौत हो गई। हाथियों ने निमार्णाधीन कमरे को तोड़ते हुए मजदूरों में अफरा-तफरी मचा दी और चावल, अनाज समेत अन्य सामान को भी नुकसान पहुंचाया। रात करीब 11 बजे 7-8 हाथियों का झुंड साइट पर पहुंचा और विश्राम कर रहे मजदूरों पर हमला कर दिया। मजदूर भागने लगे, लेकिन कलाम अंसारी भाग नहीं सके और कुचल दिए गए। घटना की सूचना पाकर महुआटांड़ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि फूलचंद केवट समेत ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस और वन विभाग की टीम भी बाद में पहुंची।

वन विभाग पर लापरवाही का आरोप

मुखिया प्रतिनिधि फूलचंद केवट ने कहा कि क्षेत्र में पिछले 15 दिनों से हाथियों का झुंड घूम रहा है, लेकिन वन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया और वरीय अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही।

ग्रामीणों की मांगः हाथी भगाओ दल हो सक्रिय

घटना से नाराज ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी भगाओ दल को सक्रिय करने और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें। मृतक के परिजन धरमपुर पहुंच चुके हैं और क्षेत्र में शोक का माहौल है।

मादक पदार्थ निषेध दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वाधान में गुरुवार को परियोजना बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा एवं आदर्श मध्य विद्यालय कोडरमा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएलएसए सचिव गौतम कुमार उपस्थित थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में एलएडीसीएस के अधिवक्ता, डिप्टी चीफ एलएडीसी किरण कुमारी एवं अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए डीएलएसए सचिव गौतम कुमार ने, नशा का सेवन नहीं करने को लेकर जागरूक करते हुए कहा कि आज लोगों खासकर युवाओं में , दारू ,तंबाकू, बीडी, सिगरेट, गुटका, खैनी की लत एक गंभीर समस्या बन गई है । विभिन्न प्रकार के नशे के बढ़ते उपयोग की वजह से युवा पीढ़ी खतरे में है। नशा का सेवन कर लोग कैंसर, टीवी, दमा, हृदय की बीमारी, लीवर की बीमारी जैसे खतरनाक बीमारी के शिकार हो रहे हैं। हमारे देश का उज्जवल भविष्य युवाओं पर टिका है । मगर देश की युवा पीढ़ी ही यदी गलत रास्ते में जाने लगे तो निश्चित ही उसका भविष्य अंधकार में चला जाता है ।इसलिए लोगों को जागरुक होकर इसे रोकने की जरूरत है। वही किरण कुमारी एवं अरुण कुमार ओझा ने कहा कि नशा पान करने वाले परिवार की स्थिति अच्छी नहीं होती। आए दिन परिवारों में दंपति के बीच झगड़ा होते रहता है। जिसके कारण परिवार बिखर जाता है। परिवार को बचाने के लिए नशा से छुटकारा जरूरी है। वही नशा पान से सामाजिक, आर्थिक, मानसिक व शारीरिक हानि होती है । अधिकांश अपराध नशा पान के बाद ही किया जाता है। परिवार, समाज,व देश को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए और इससे होने वाली हानियों को बताकर लोगों को, खास कर युवाओं को जागरूक करने की जरूरत है। इस अवसर पर स्कूल की छात्राओं ने भी नाटक के माध्यम से नशा से होने वाले दुष्प्रभाव को खूबसूरत रूप से बताया।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/कोडरमा : जिले के डोमचांच प्रखंड सभागार में दिन गुरुवार को समय 11:00 बजे ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय मौजूद थे। कार्यशाला के दौरान स्वच्छता रैंकिंग, ओडीएफ प्लस की स्थिति, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रामीण स्तर पर स्वच्छता, जन जागरूकता अभियान डाटा संकलन आदि विषयों पर चर्चा की गई। वही कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 की तैयारी को लेकर प्रखंड सभागार में कार्यशाला आयोजन किया गया । जिसमें स्वच्छता से जुड़े कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा गया कि वह अपने क्षेत्र में साफ सफाई का कार्य और भी तेज करें। साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े हुए कर्मियों से से अपील करते हुए कहां कि खुले में शौच से मुक्ति के लिए लोगों के बीच जाकर जन जागरूकता करें तथा गांव को साफ सुथरा बनाना हम सबों का नैतिक कार्य है। मौके पर प्रभारी पंचायत राज पदाधिकारी अनिल कुमार, प्रखंड वास समन्वयक कृष्ण कुमार, कनीय अभियंता पेयजल स्वच्छता विभाग अभिजीत कुमार, मुखिया संजय कुमार मेहता, पप्पू कुमार यादव, बैजू तूरी, पुष्पा देवी, सीता देवी, गीता देवी, बीना देवी, मुखिया प्रतिनिधि राजेंद्र यादव धीरेंद्र कुमार के अलावे पंचायत सचिव प्रफुल्ल सिंह, महावीर यादव, मालती, नीलिमा लकड़ा, कुमारी रितु, पूनम कुमारी, बबीता कुमारी, किशोर यादव, प्रशांत तर्वे, तरुण कुमार के अलावे जलसहिया मौजूद रही।

नशा व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य और भविष्य को करता है नष्ट : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निदेर्शानुसार 10 जून से 26 जून तक चलाए गए राज्यव्यापी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतिम दिन कोडरमा जिला प्रशासन द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय में ङ्मादक पदार्थ निषेध विषय पर आधारित थीम मैराथन दौड़, शपथ ग्रहण समारोह एवं अन्य जागरूकता गतिविधियाँ संपन्न हुईं। मैराथन दौड़ का शुभारंभ महाराणा प्रताप चौक से हुआ, जो जे.जे कॉलेज परिसर में जाकर संपन्न हुआ। इस दौड़ में बड़ी संख्या में युवाओं, सरकारी कर्मियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य कार्यक्रम जे.जे कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया, जहाँ उपायुक्त ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। नशा व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य और भविष्य को नष्ट करता है। यह अभियान समाज को जागरूक करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। युवा वर्ग को चाहिए कि वे नशे से दूरी बनाकर अपने ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें। जिला प्रशासन का यह दृढ़ संकल्प है कि कोडरमा को नशा मुक्त बनाना है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने एकमत होकर नशामुक्ति की शपथ ली और यह संकल्प लिया कि वे स्वयं नशा से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।

विश्व नशाखोरी प्रतिषेध एवं अवैध तस्करी मुक्ति दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

कोडरमा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली द्वारा चलाये जा रहे ड्रग अवेयरनेस एंड वेल्लनेश नेवीगेशन स्कीम के अनुपालन में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में विश्व नशाखोरी प्रतिषेध एवं अवैध तस्करी मुक्ति दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत स्कीम 2025 के तहत झारखण्ड विधि महाविद्यालय, झुमरी तिलैया स्थित ऑडिटोरियम में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी के कुशल मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में झारखण्ड महा विद्यालय झुमरी तिलैया के शिक्षक शिक्षिकाओ एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि नशा खोरी समाज के लिए एक ऐसा अभिशाप है जिससे व्यक्ति का मानसिक शारीरिक एवं आर्थिक नुकसान होता है तथा व्यक्ति का सर्वांगीन विकास अवरुद्ध हो जाता है।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी क्लब के सभी पूर्व अध्यक्षों को पुष्प गुच्छ अंग वस्त्र प्रतीक चिन्ह देकर किया सम्मानित

कोडरमा : रोटरी अध्यक्ष अमित कुमार की अध्यक्षता में रोटरी कोडरमा के वातानुकूलित भवन में रोटरी क्लब के सभी पूर्व अध्यक्षों को पुष्प गुच्छ अंग वस्त्र प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया मंच संचालन सेक्रेटरी प्रवीण मोदी ने किया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला गवर्नर रोटेरियन बिंदु सिंह पटना एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन संगीता शर्मा थी अध्यक्ष अमित कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि पूर्व के सभी रोटरी अध्यक्षों ने अपने कार्यकाल में सेवा क्षेत्र में बहुत काम किए हैं अपने इस सत्र में सभी पूर्व अध्यक्ष को सम्मानित करके मुझे बहुत ही आत्म संतुष्टि का अनुभव हो रहा है मुख्य अतिथि पीडिजी बिंदु सिंह ने रोटरी की सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अच्छे कार्यों को हमेशा सम्मान मिलता है और रोटरी कोडरमा के द्वारा सभी पूर्व अध्यक्षों के कार्यों का सम्मान एक बहुत अच्छी प्रथा है जॉन 8 की असिस्टेंट गवर्नर संगीता शर्मा ने इस मौके पर कहा कि अध्यक्ष अमित कुमार वर्तमान सत्र में ऐतिहासिक और यादगार काम किए हैं यह पूरा वर्ष उपलब्धियां भर रहा और बिना भेदभाव के सरलता पूर्वक दूसरे के कार्यों की प्रशंसा करना और उन्हें मंच पर बुलाकर सम्मानित करना एक अच्छे नेतृत्व क्षमता का उदाहरण है मंच पर पूर्व अध्यक्ष सुरेश जैन, राजेंद्र मोदी ,जय कुमार गंगवाल, विकास सेठ को सम्मानित किया गया।

रामगविंद कॉलेज में टाटा ईवी द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव, 24 छात्र चयनित

कोडरमा : रामगविंद ग्रुप ऑफ कॉलेज, कोडरमा में टाटा ईवी कंपनी द्वारा बीटेक एवं डिप्लोमा विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स, एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन शाखा के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कंपनी के मानव संसाधन प्रबंधक मोहम्मद साजिद आलम के नेतृत्व में चयन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत कुल 24 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 10 डिप्लोमा विद्यार्थी डिप्लोमा इंजीनियर ट्रेनी पद के लिए तथा 14 बीटेक विद्यार्थी ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी पद के लिए चयनित हुए। सभी चयनित छात्रों की नियुक्ति पुणे में की जाएगी।इस प्लेसमेंट ड्राइव के सफल आयोजन में संस्थान के सहायक प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी प्रो. चमन प्रकाश एवं इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्राध्यापिका प्रो. सोनी कुमारी की विशेष भूमिका रही।संस्थान के निदेशक डॉ. विशाल कुमार ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, संकल्प और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली का परिणाम है।

बोकारो सेक्टर 12 ई में बीएसएलकर्मी के बंद घर में बड़ी चोरी

बोकारो : बोकारो के सेक्टर 12 ई स्थित क्वार्टर नंबर 1265 में बुधवार रात चोरों ने सुनसान मकान को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मकान मालिक सुजीत कुमार अपने परिवार के साथ बोकारो से बाहर गए हुए थे, जबकि उनके साथ रहने वाले भाई–बहन भी धनबाद चले गए थे। इसी दौरान चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर घुसकर अलमीरा और लॉकर का लॉक तोड़ा और घर में रखे सारे गहने और कीमती सामान चुरा लिए। घर का सारा सामान अस्त–व्यस्त पाया गया। घटना की जानकारी पड़ोसियों ने मकान मालिक के रिश्तेदारों को दी, जो बालीडीह से मौके पर पहुंचे। स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद सेक्टर 12 थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चोरी गए सामान का पूरा आकलन गृहस्वामी के लौटने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इलाके में इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल।

मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बोकारो : बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन सत्र 2025–27 की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को मारवाड़ी पंचायत, चास में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीसीसीएल के सीएमडी श्री मनोज कुमार अग्रवाल थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कृष्णा अग्रवाल एवं अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल उपस्थित रहे। समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री विनोद गर्ग ने अध्यक्ष पद की शपथ ली। उनके साथ वरीय उपाध्यक्ष श्री हनुमान पिलानिया, उपाध्यक्ष श्री सुरेश बंसल, श्री सुरेंदर जैन, श्री शशिकांत सिंघला, श्री प्रमोद लाट, जिला महामंत्री श्री जयप्रकाश तापड़िया, जिला कोषाध्यक्ष श्री अनुप सुद्रानिया सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की। सम्मेलन के संरक्षक के रूप में श्री ओमप्रकाश राजोरिया, श्री ज्ञानचंद शर्मा एवं डॉ. रतन केजरीवाल को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर बेरमो, पेटरवार, जैनामोड़, बोकारो एवं चास शाखाओं के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक नजर

हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में रुकेगी ट्रेन, बैंगलोर जाना हुआ आसान

सरिया(गिरिडीह) : रेल यात्रियों की सुविधा एवं उनके सुगम आवागमन को लेकर यशवंतपुर- गया स्टेशन के बीच चल रही गाड़ी संख्या 06563 अप 06564 डाउन यशवंतपुर- गया- यशवंतपुर स्पेशल का विस्तार 28 जून से 26 जुलाई तक धनबाद जं. तक किया गया है। इस बात की जानकारी धनबाद मंडल के वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद इकबाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिया। आगे कहा कि यशवंतपुर- गया के मध्य उपरोक्त स्पेशल ट्रेनों का समय और ठहराव वर्तमान में चल रही गाड़ी संख्या 06563/ 06564 यशवंतपुर- गया- यशवंतपुर स्पेशल के मौजूदा समय और ठहराव के समान होगा।

उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की गुरुवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने अपने कार्यालय कक्ष में समीक्षा की। इस दौरान सर्वप्रथम सहायक आयुक्त उत्पाद विमला लकड़ा के द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य को उत्पाद कार्यालय रामगढ़ में कार्यरत बल आदि की जानकारी दी गई जिसके उपरांत उपायुक्त ने उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सहायक आयुक्त उत्पाद को रामगढ़ जिला अंतर्गत किसी भी शराब दुकान में एमआरपी से अधिक शराब पर बिक्री न होने देने का निर्देश दिया। इसके लिए उन्होंने नियमित रूप से जांच अभियान चलाने एवं आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए जांच अभियान आदि की जानकारी सहायक आयुक्त उत्पादन से ली गई एवं नियमित रूप से अवैध शराब के विरुद्ध जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा नई उत्पाद नीति के तहत किए जा रहे कार्यों एवं आगे किए जाने वाले कार्यों की जानकारी लेते हुए इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, पुलिस उपाध्यक्ष मुख्यालय चंदन कुमार, अवर निरीक्षक उत्पाद अमित मड़की सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सरिया कॉलेज परिसर में हुआ पौधरोपण

सरिया (गिरिडीह): सरिया कॉलेज, सरिया में गुरुवार को ग्रीन कैंपस इनिशिएटिव सेल एवं लैट्स बैक टू ग्रीन के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज परिसर में पौधरोपण के तहत कदम, अमरुद, आम आदि पौधे लगाए गए। इस मौके पर प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने कहा कि मानसून में प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण कर पर्यावरण को संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए। बरसात का समय पौधारोपण के लिए बहुत ही अनुकूल होता है। नोडल ऑफिसर डॉ प्रमोद कुमार ने पूर्व में कॉलेज परिसर में लगे पेड़-पौधों का निरिक्षण कर उसके संरक्षण हेतु आवश्यक उपाय से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कहा कि पेड़-पौधों से हमें अनेक लाभ मिलते हैं। पौधों को बड़े होने में काफी समय लगता है इसलिए भविष्य को ध्यान में रखते हुए हमें पर्यावरण के प्रति जागरूक होना होगा। आकाश मंडल एवं इनकी संस्था के द्वारा पौधा उपलब्ध कराया गया। इस पौधरोपण कार्यक्रम में प्रो रघुनंदन हजाम, प्रो रवींद्र कुमार मिश्रा, डॉ आशीष कुमार सिंह, प्रो असित दिवाकर, प्रो चायरा निशा, प्रो अलका रानी जोजो, प्रो जीतेन्द्र कुमार, सागर, सतीश, लखन यादव, शुभम, विशाल, चंदन समेत स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

एसआर के डीएवी सरिया में अलंकरण समारोह का हुआ आयोजन

सरिया (गिरिडीह) : श्री राम कृष्ण डी.ए.वी पब्लिक स्कूल सरिया में गुरुवार को अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि एसडीपीओ सरिया धनन्जय राम उपस्थित थे। विद्यालय के प्राचार्य आर. के .सिंह ने 'नन्हा पौधा'देकर उनका स्वागत किया.इस अवसर पर विद्यालय के चारों सदन के हाउस मास्टर द्वारा विभिन्न विभागों का बंटवारा कर उनके कप्तान और उप कप्तानों का चयन किया गया। जिसमें सभी सदनों के 'सदन कप्तान,उप कप्तान,अनुशासन कप्तान,संस्कृति कार्यक्रम कप्तान,खेल-कूद कप्तान, सी.सी.ए कप्तान,प्रमुख छात्र/ छात्रा को उन्हें 'वैज' और 'पट्टा' देकर विद्यालय के प्रति उनके कर्तव्य और दायित्वों को सौंपा गया। इन सभी छात्रों को एस डी पी.ओ श्री राम ने सम्मानित किया। छात्रों को संबोधित करते हुए श्री राम ने कहा कि आज वे यह देखकर हर्षित महसूस कर रहे हैं कि विद्यालय के द्वारा छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार की जिम्मेदारियां दी गई हैं। उसे बच्चे बखूबी उसका निर्वहन करेंगे और अपने आने वाले भविष्य में भी वे अपने नेतृत्व क्षमता का बेहतर प्रदर्शन करेंगे। क्योंकि विद्यालय ही एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां विद्यार्थियों को गढा.और तराशा जाता है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत उप विकास आयुक्त ने मैराथन दौड़ को किया रवाना

रामगढ़ : नशामुक्त मुक्ति अभियान के तहत गुरूवार को उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निदेर्शानुसार जिला खेल कार्यालय एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय, रामगढ़ द्वारा रामगढ़ शहर अंतर्गत गाँधी चैक से सुभाष चैक, रामगढ़ तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन दौड का शुभारंभ आशीष अग्रवाल उप विकास आयुक्त, रामगढ़ ने हरी झंडी दिखाकर किया। मौके पर उप विकास आयुक्त, रामगढ़ ने डे-बोर्डिंग, खेलो इंडिया प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणरत खिलाड़ियों एवं आंगनबाड़ी सेविका एवं आम जनों को नशा मुक्ति से संबंधित शपथ दिलाया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, भूमि सूधार उप समाहर्ता दिप्ती प्रियंका कुजूर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, इन्दु प्रभा खलखो, जिला खेल पदाधिकारी मारकस हेमरोम थाना प्रभारी, रामगढ़ सहित एवं अन्य उपस्थित थे।

श्री अग्रसेन स्कूल में हुई इंटरैक्ट क्लब की स्थापना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़): युवाओं में नेतृत्व कौशल विकसित करने के उद्देश्य से गुरुवार को श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में इंटरैक्ट क्लब की स्थापना की गई। रोटरी क्लब रांची द्वारा प्रायोजित इस क्लब के स्थापना समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि रोटरी रांची के अध्यक्ष गौरव बागरॉय एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया व प्राचार्य विवेक प्रधान ने सभी अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया। संगीत शिक्षिका मम्पी पॉल के नेतृत्व में छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। रोटरी रांची के अध्यक्ष गौरव बागरॉय ने इंटरैक्ट क्लब के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को बैज व लेपल पिन लगाया एवं इंटरेक्ट के कार्यो को बताया। तत्पश्चात सभी को इंटरैक्ट क्लब के सिद्धांतों को बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर श्री गौरव बागरॉय ने कहा कि आज आप सब जिम्मेवारियों से बंध गए हैं। आपको नेतृत्व का अवसर मिल रहा है। लेकिन जीवन में हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि नेतृत्व का मतलब सत्ता नहीं होता है। बल्कि इसका मतलब होता है दूसरों को सशक्त बनाना, ताकि एक बेहतर दुनिया बनाई जा सके। सदैव ह्रास्वयं से ऊपर सेवा के मूल्य को याद रखें। मुख्य अतिथि ने श्री अग्रसेन स्कूल इंटरैक्ट क्लब के माध्यम से क्षेत्र के 50 लाइब्रेरी में जरूरी किताबें उपलब्ध कराने की घोषणा की। रांची क्लब के नए सत्र के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि सेवा करना मानवता की नींव होती है। इंटरैक्ट क्लब इस सेवा का माध्यम है। पूर्व अध्यक्ष रवींद्र सिंह चड्ढा डिम्पी ने कहा कि यह क्लब नेतृत्व क्षमता, सद्गुण, संस्कार जैसे गुणों को विकसित करता है। समाज को बेहतर बनाने के लिए इंटरैक्ट क्लब एकदम सही मंच है। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर बतौर अतिथि रोटरी रांची से पूर्व अध्यक्ष सह विद्यालय सचिव प्रवीण राजगढ़िया, रश्मि अग्रवाल, आस्था बहल, राहुल राजगढ़िया, मुख्तार सिंह आदि उपस्थित थे। स्मृति अध्यक्ष व रिशु सचिव बनीं गठित इंटरैक्ट क्लब में अध्यक्ष स्मृति टोप्पो, सचिव रिशु गुप्ता, कोषाध्यक्ष चारुलता रानी, उपाध्यक्ष माही कुमारी, श्रेया कुमारी, संयुक्त सचिव रोहिणी कौशल, सह कोषाध्यक्ष शीतल कुमारी, विजया भारती कल्चरल एक्टिविटी चेयरमैन विद्या यादव, नीलू श्रीवास्तव व सोनम खातून शामिल हैं। इसके अलावा 146 सदस्य चुने गए।

कोडरमा गिरिडीह मुख्य मार्ग को किया ग्रामीणों ने जाम

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा - गिरिडीह मुख्य मार्ग के कानिकेन्द जंगल में बीते 28 मई को हुए सड़क हादसे में घायल हुए चार युवकों में से एक 30 वर्षीय पूरण मेहता पिता लल्लू मेहता ग्राम फुलवरिया निवासी एक युवक की लगभग एक महीने बीत जाने के पश्चात बुधवार देर रात वेल्लोर (कर्नाटक) के एक अस्पताल में ईलाज के पश्चात रांची लौटने के क्रम में रास्ते में ही मौत हो गई। बताते चलें कि बीते 28 मई को एक टेम्पो डोमचांच के फुलवरिया से सब्जी लोड कर घोडथम्भा (गिरिडीह) जा रहा था। जिसमें 5 लोग सवार थे। घोडथम्भा जाने के क्रम में नवलशाही थाना क्षेत्र के कानिकेंद जंगल के समीप टेम्पो के पीछे से आ रही एक हाईवा ने टेम्पो में टक्कर मार दी थी। जिससे टेम्पो में सवार एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि उसमें सवार 4 लोग घायल हो गए थे। जिसमें पूरण कुमार मेहता भी शामिल था।

पुलिस ने छह अपराधियों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

वीओ : रामगढ़ पुलिस ने आज एक बड़ी सफलता अर्जित करते हुए आधे दर्जन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से दिया है। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ के निर्देश पर डीएसपी पतरातू गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में SIT का गठन हुआ। अनुसंधान में सुजीत डोम की गिरफ्तारी हुई, जिसने अन्य अपराधियों के नाम बताए। छापेमारी में इनामुल अंसारी, मजहर अंसारी, आजाद अंसारी, कुणाल कुमार उर्फ बादल सिंह और बसंत मुंडा को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से हथियार, जिंदा गोली, बाइक, मोबाइल और कपड़े बरामद किए गए। सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गए हैं। दरअसल दिनांक 13.06.2025 को सुबह 08:00 बजे भदानीनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में दो नकाबपोश अपराधियों द्वारा गोलीबारी कर दहशत फैलाई गई थी इसी के आलोक में पुलिस द्वारा यह करवाई की गई।

आजसू पार्टी ने जेएलकेएम के कार्यकर्ताओं के खिलाफ थाना में किया लिखित शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यच शह पूर्व विधायक सुदेश कुमार महतो केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत झारखंड आंदोलनकारी दीपक महतो प्रधान महासचिव रामचंद्र सहित की इंटरनेट सोसल मीडिया में छवि को धूमिल करने को लेकर 25 जून को रात में आजसू पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा अनगडा थाना में लिखित शिकायत की है इस मामला को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा के कई कार्यकताओं के शिकायत की गई हैशिकायत आजसू छात्र मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष महावीर महतो ने किया इस मामले में जे एल के एम नेता संदीप महतो फुलेंद्र कुमार महतो उर्फ पीएम कुमार सूरज कुमार महतो चन्द्र देव वर्णवाल विजय कुमार सिंह सहित अन्य के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग की आजसू के प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो ने कहा कि सोशल मीडिया में वीडियो फोटो बनाकर छवि खराब करने के लिए वारायल किया जा रहा है आजसू से काम का खूब जोर विरोध करती है केंद्रीय सह आंदोलकारी नेता जलनाथ चौधरी युवा नेता आतिश महतो धर्मेन्द्र सिंह बबलू अंसारी आदि शामिल थे।

नशा मुक्त समाज निर्माण हेतु सिमडेगा में मैराथन दौड़ का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : राज्य के निदेर्शानुसार 10 जून से 26 जून 2025 तक राज्यव्यापी मादक पदार्थ निषेध जागरूकता अभियान के अंतिम दिन 26 जून को सिमडेगा जिला प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ जनजागरूकता के उद्देश्य से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। यह आयोजन अलबर्ट एक्का स्टेडियम एवं केलाघाघ मोड़ से प्रारंभ होकर गांधी मैदान स्थित गांधी स्मारक स्थल तक संपन्न हुआ। सिमडेगा उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी के नेतृत्व में आयोजित इस दौड़ में जिला पुलिस बल, स्कूली बच्चे, खिलाड़ी तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नशा उन्मूलन के प्रति संकल्प लिया और समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया।साथ ही उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने युवाओं से आग्रह किया कि वे समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाएं और सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन जनमानस को नशा के दुष्परिणामों से अवगत कराने में सहायक होंगे। यह आयोजन नशे के खिलाफ सामाजिक चेतना विकसित करने और नशामुक्त समाज बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजू उरांव, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरज मुन्नी कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पलटू महतो, जिला खेल पदाधिकारी प्रवीण कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खालखो सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित थे।

तस्करी के लिए भेजे जा रहे 14 गाय के साथ वाहन जब्त

कोडरमा : जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-पटना मुख्य मार्ग के सुभाष चौक के समीप से बुधवार रात गौ रक्षा दल ने अवैध तरीके से ले जाये जा रहे 14 गाय और उसके बच्चों को रेस्क्यू कर पुलिस को सुपुर्द किया गया। इसके बाद तिलैया पुलिस उक्त ट्रक और उसमें लदे सभी गौ वंशों को तिलैया थाना ले गई।

विस्थापितों को रोजगार से वंचित रखना चाह रही है भुरकुंडा प्रबंधन : मनोज राम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : विस्थापित प्रभावित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र संयुक्त मोर्चा ने गुरुवार को भुरकुंडा परियोजना कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना प्रदर्शन कर लोकल सेल में विस्थापितों की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग उठाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के अध्यक्ष मनोज राम एवं संचालन मुकेश राउत ने किया। इस दौरान मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हक-अधिकार को लेकर जोरदार नारेबाजी की और प्रबंधन पर उपेक्षा का आरोप लगाया। धरना को संबोधित करते हुए मोर्चा के अध्यक्ष मनोज राम ने कहा कि भुरकुंडा परियोजना प्रबंधन द्वारा विस्थापितों को रोजगार से वंचित रखा जा रहा है, जिससे स्थानीय बेरोजगारी की समस्या विकराल होती जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने विस्थापितों को उनका हक नहीं दिया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। धरना के उपरांत मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी को 16 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। जिसमें लोकल सेल में विस्थापित ग्रामीण एवं शहरी मजदूरों की भागीदारी सुनिश्चित करने, मजदूरों को समय पर नियमानुसार पारिश्रमिक देने, पुरुष व महिला शौचालय की समुचित व्यवस्था करने, पीने के पानी की सुविधा बहाल करने, दुर्घटना की स्थिति में इलाज की व्यवस्था सीसीएल भुरकुंडा अस्पताल में करने, धूप व बारिश से बचाव हेतु शेड का निर्माण करने, लोडिंग साइट पर कैंटीन की व्यवस्था करने मांग प्रमुख हैं। मोर्चा ने स्पष्ट किया कि यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो क्रमवार आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी सारी जिम्मेदारी भुरकुंडा प्रबंधन की होगी। मोर्चा की ओर से दर्जनों महिलाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे परिवार के अस्तित्व और अधिकार से जुड़ा जन-संग्राम है। धरना प्रदर्शन में ये थे शामिल धरना प्रदर्शन में रामफल बेदिया, शंकर सिंह, किशुन नायक, ब्यास पांडेय, द्वारिका बेदिया, आजाद भुइयां, रामनारायण कुमार, नारायण प्रजापति, पप्पू खान, राजेश मंडल, कवींद्र यादव, बबलू ठाकुर, दीपक भुइयां, शंकर तूरी, विक्रम कुमार, जितेंद्र वर्मा, श्रीनाथ करमाली, जगतार सिंह, बालेश्वर राम, संजय नाथ करमाली, संजीत राम, प्रकाश दास, अशोक राम, लाली करमाली, जिलानी अंसारी, आलम अंसारी, प्रेम पासवान, शिवचरण करमाली, सूरज मेहरा, बिक्की कुमार, राजा मुंडा, सोमेश्वर बेदिया, राजू मुंडा, सुभाष बेदिया, कृष्ण कुशवाहा, मिथलेश बेदिया, महेश बेदिया, तपेश बेदिया, विनोद बेदिया, सावित्री देवी, दुलारी देवी, निर्मला देवी, परवतिया देवी, शीला देवी, सरिता देवी, निर्मला देवी सहित सैकड़ो महिला पुरुष शामिल थे।

ऊर्जा विभाग
झारखण्ड सरकार, विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं0-2, धुर्वा, रॉंची।

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट सूचना

ई-निविदा प्रसंग सं0- Energy/EWD/Ranchi/29/2025-26 दिनांक-26/06/2025

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	रिम्स रॉंची स्थित गेस्ट हाउस हेतु केबल एवं डॉक्टर कॉलोनी परिसर में सुरक्षा लाईट के अधिष्ठापन का कार्य।	30,65,012=00	5,000=00	62,000=00	35 दिन
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	10.07.2025			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	11.07.2025 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 18.07.2025 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	19.07.2025 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉंची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉंची।			
7.	ई प्रोक्योरमेन्ट प्रकोष्ठ का फोन नं0/ई0 मेल	0651-2490069 / electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.

निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

PR 356040 (Energy) 25-26 (D)

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉंची

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, रॉंची।

अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० -10/2025-26
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

1. विभाग का नाम :- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, रॉंची।
2. विज्ञापनदाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, रॉंची।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय:- 08.07.2025 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :- 09.07.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 09.07.2025 को अपराह्न 3.30 बजे ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :- 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा,रॉंची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, रॉंची।
7. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :- कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, रॉंची।
8. कार्यो की विवरणी:

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Seepage repair and Renovation of toilet and bath room & Improvement of W/S and sanitary fitting & sewerage work at 1st floor (Right Side) Girl's Hostel No-04 RIMS Bariyatu Ranchi under D.W.& S. Division Gonda, Ranchi.	1101941.00	23000.00	2500.00	30 Days
2.	Seepage repair and Renovation of toilet and bath room & Improvement of W/S and sanitary fitting & sewerage work at 2nd floor (Right Side) Girl's Hostel No-04 RIMS Bariyatu Ranchi under D.W.& S. Division Gonda, Ranchi.	1405985.00	29000.00	2500.00	30 Days
3.	Seepage repair and Renovation of toilet and bath room & Improvement of W/S and sanitary fitting & sewerage work at Ground floor (Right Side) Girl's Hostel No-04 RIMS Bariyatu Ranchi under D.W.& S. Division Gonda, Ranchi.	1487018.00	30000.00	2500.00	30 Days
4.	Seepage repair & Renovation of Stuff, Sister Dr. Chamber Toilet & General Toilet and bath room (Left Side) & Improvement of W/S and sanitary fitting & sewerage work C-2 Block at Ground floor Orthopedics Department RIMS Bariyatu Ranchi under D.W.& S. Division Gonda, Ranchi.	2332241.00	47000.00	5000.00	30 Days

नियम एवं शर्तें सूचनापट् पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, रॉंची।

PR 356060 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D)

देश का आनेवाला कल नशे के दलदल में न समा जाए

नशा केवल नाश करता है, जिसे नशेड़ी बड़े शौक से सेवन करते है वो शरीर को बेहद घातक तरीके से प्रभावित करता है। नशा सर्वप्रथम मनुष्य के मस्तिष्क पर हावी होता है एवं उसके सोचने-समझने की क्षमता को नष्ट करता है और धीरे-धीरे सम्पूर्ण शरीर को कमजोर करता है। जितनी देर नशे का प्रभाव मस्तिष्क पर रहेगा, तब तक नशेड़ी मनुष्य के अनुचित व्यवहार की संभावना प्रबल रहती है। सीधी सी बात है, अगर मनुष्य का मस्तिष्क ही अनियंत्रित होगा तो उसका खुद पर काबू भी नहीं रहेगा। वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट, 2021 अनुसार, नशीली दवाओं के उपयोग और अपराध के बीच एक करीबी संबंध है। हम खुद भी देखते है कि दुनियाभर में अपराधों में भयावह बढ़ोत्तरी में नशा मुख्य कारण है, अर्थात आधे से ज्यादा अपराध नशे की हालत में या नशे के लिए किये जाते है। नशे के लिए पैसे न मिलने पर नशेड़ियों द्वारा अपने माँ-बाप का भी कत्ल कर देने की खबरें या अनुचित घटनाएं देखने-सुनने को मिलती है। अब तो अपराध बेहद कम उम्र में ही देखने मिलता है, स्कूली बच्चें भी नशे के आदि नजर आते है। अभिभावकों का बच्चों के प्रति गैरजिम्मेदाराना रवैया या बच्चों पर अंधा विश्वास, फैशन और फिल्म इंडस्ट्री का नकारात्मक असर एवं सोशल मीडिया की लत ने बच्चों के विकास को बड़ी बुरी तरह खराब किया है। अगर बच्चों के कोमल मन मस्तिष्क पर अभी से नशे का जहर हावी होने लगा तो, देश का उज्जवल भविष्य तो अपराधों के दलदल में ही पनपेगा। हर छोटी-छोटी बात पर पार्टी और पार्टी के नाम पर नशा करते युवा। आज हम जिधर देखे उधर मादक पदार्थों की तस्करी, नशेड़ियों द्वारा अपराध और दुर्घटनाएं एवं बुरी खबरें है, शायद ही कोई दिन होगा जब इससे संबंधित खबरें न छपती हो। मादक पदार्थों का जाल तेजी से फैला है, नशे की तस्करी में भी बच्चों का इस्तेमाल हो रहा है।

देश में सबसे ज्यादा प्रचलित मादक पदार्थों में शराब, मारिजुआना (गांजा, हशीश, भांग), हेरोइन (ओपिओइड), फार्मास्युटिकल ओपिओइड (फेंटेनाइल, कोडीन व अन्य), तंबाकू (निकोटीन), मेथामफेटामाइन (क्रिस्टल मेथ), कोकेन, बेंजोडायजेपाइन (जैसे डायजेपाम, अल्प्राजोलम), अफीम यह है। नशे के लिए छोटे बच्चे भी इनहेलेंट जैसे गोंद, व्हाइटनर, कफ सिरप, दर्द निवारक, पेंट थिनर, फिनाइल, सैनिटीजर, पेट्रोल या अन्य ज्वलनशील तेज गंध वाले रसायनों को सूंघते है। बच्चों में शराब और तंबाकू का बढ़ता उपयोग भी चिंता का विषय है। आज संगठित अपराध अवैध नशीली दवाओं के व्यापार को बढ़ावा दे रहा है, जिसके कारण दुनिया भर के लोगों और समुदायों पर विनाशकारी परिणाम हो रहे हैं। इसलिए इस वर्ष 2025 के अंतर्राष्ट्रीय नशीली दवाओं के दुरुपयोग विरोधी दिवस का नारा है ₹जंजीरों को तोड़ना : सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति !₹ यह नारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने के लिए सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच और वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। हम सभी ने अपने स्तर पर जागरूक होकर नशे के विरुद्ध लड़ाई लड़नी है।

पंजाब से ज्यादा नशेड़ी देश के सबसे शिक्षित राज्य केरल में, जी हां, यह आंकड़ा भयावह है। 2024 में, केरल ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत 27,701 मामले दर्ज किए, जो पंजाब में 9,025 मामलों से तीन गुना अधिक है। देश के कुल राज्यों में से केरल में ड्रग से संबंधित मामलों की दर सबसे अधिक है, पिछले चार वर्षों में, केरल ने 87,101 ड्रग से संबंधित मामले दर्ज किए हैं, जो पिछली बार की तुलना में 130 प्रतिशत की वृद्धि है। हर जिला प्रभावित है और इस साल के पहले दो महीनों में, 30 हत्याएं मादक द्रव्यों के सेवन से संबंधित थीं, राज्य में कुल हत्याओं का आधा हिस्सा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत की सड़कों पर 5,000,000 से ज्यादा बच्चे अमानवीय परिस्थितियों में रहते और काम करते हैं, जहाँ उन्हें नशीली दवाओं के सेवन का बहुत ज्यादा जोखिम है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि देश में 10 से 17 साल की उम्र के 1.58 करोड़ बच्चे नशीले पदार्थों के आदी हैं।

सूडोकु नवताल- 7473

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7472 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। द इकोनॉमिस्ट द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दशार्ता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।

पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकडे. चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओऌ का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतऌ के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं।

सामाजिक समरसता और जातीय टकराव के बीच बंटी राजनीति

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में गहरी चिंता व्यक्त की कि किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हिन्दू समाज को एकजुट करने के प्रयासों के विपरीत, कुछ गैर-भाजपा राजनीतिक दल और उनके समर्थक तत्व योजनाबद्ध ढंग से हिन्दू समाज को जातियों के नाम पर बांटने का षड्यंत्र रच रहे हैं। उन्होंने इसे एक गैर-राजनैतिक साजिश की संज्ञा दी और कहा कि यह केवल सत्ता की राजनीति नहीं बल्कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता पर सीधा हमला है। योगी का यह बयान उस समय आया जब कथावाचक मुकुट मणि यादव का विवाद सुर्खियां बटोर रहा था। दरअसल,मुकुटमणि यादव ने हाल ही में एक धार्मिक आयोजन के दौरान विवादित बयान दिया था जिसको लेकर हंगामा शुरू हो गया, जिसमें उन्होंने(मुकुटमणि यादव) कुछ ऐतिहासिक और धार्मिक संदर्भों पर टिप्पणी की थी। इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मच गया और देखते ही देखते यह मामला राजनीतिक रंग लेने लगा। शुरूआत में तो यह एक धार्मिक और सामाजिक बहस का मुद्दा था, लेकिन जल्द ही विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने इसे अपने-अपने तरीके से भुनाना शुरू कर दिया।समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं ने मुकुट मणि यादव के समर्थन में बयान देते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा बताया। उनका कहना था कि यादव ने जो कहा, वह ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और इसमें कोई आपत्तिजनक बात नहीं थी। वहीं, अन्य पार्टियों के नेताओं ने इसे सीधे-सीधे समाज में जहर घोलने वाला बयान करार दिया। कुछ नेताओं ने मुकुट मणि यादव को सांप्रदायिक बताते हुए उन पर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

इस विवाद ने न केवल धार्मिक भावनाओं को भड़काया, बल्कि राजनीतिक दलों के बीच की खाई को और गहरा कर दिया। कई जगहों पर यादव के समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हुए। सोशल मीडिया पर ट्रेंड चलाए गए और बयानबाजी तेज हो गई। जिन बातों को समझदारी से सुलझाया जा सकता था, उन्हें नेताओं ने वोट बैंक की राजनीति में बदल दिया। नतीजतन, एक धार्मिक प्रवचन राजनीतिक लड़ाई का कारण बन गया, जिसमें सच्चाई और संवाद की जगह कटुता और आरोप-प्रत्यारोप ने ले ली। इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया कि जब तक राजनीतिक स्वार्थ ऊपर रहेगा, तब तक कोई भी सामाजिक या धार्मिक मुद्दा विवाद से अछूता नहीं रह सकता।इस विवाद के बीच मुष्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक समारोह के दौरान कहा कि भाजपा ने हमेशा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचने की कोशिश की है, चाहे वह किसी भी जाति या वर्ग का हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का हिन्दुत्व जातिविहीन, समरसतामूलक और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण पर आधारित है, जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार करता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की राजनीति केवल विभाजन, तुष्टीकरण और जातिगत समीकरणों पर टिकी है, जिससे समाज में वैमनस्य बढ़ रहा है। इस सन्दर्भ में, उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार कुछ राजनीतिक संगठन चुनाव आते ही पिछड़ी, दलित या सवर्ण जातियों के नाम पर भावनात्मक भाषण देते हैं, रैलियों में जातिगत नारे लगवाते हैं, और जाति-विशेष के मसीहा बनने का प्रयास करते हैं। योगी ने सवाल उठाया कि जो लोग सालों से सत्ता में रहे, उन्होंने कभी गरीबों के घर बिजली, पानी, शिक्षा या स्वास्थ्य क्यों नहीं पहुँचाया? क्यों उन्होंने जातियों के नाम पर केवल वोट मांगे और सत्ता में आते ही अपनी व्यक्तिगत समृद्धि सुनिश्चित की? कई राजनीतिक विश्लेषकों और बुद्धिजीवियों ने भी इस विषय पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. संजीव त्रिपाठी ने कहा, यह स्पष्ट है कि भाजपा की हिन्दुत्व की राजनीति अब केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता की ओर बढ़ रही है। इससे विपक्षी दलों के पारंपरिक जातिगत समीकरण कमजोर हो रहे हैं, इसलिए वे बौखलाहट में पुनः जातिगत ध्रुवीकरण की ओर जा रहे हैं।

इसी प्रकार लखनऊ विश्वविद्यालय की समाजशास्त्र की प्रोफेसर डॉ. रूचि श्रीवास्तव का कहना है, भारतीय समाज ऐतिहासिक रूप से जातियों में विभाजित रहा है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद से अब तक जाति को केवल वोटबैंक की तरह इस्तेमाल किया गया। यदि अब कोई नेता इसे समरसता में बदलने की बात करता है, तो उसका विरोध केवल इसलिए हो रहा है क्योंकि इससे कुछ लोगों की राजनीति संकट में पड़ सकती है।

एक प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक चिन्तक डॉ. नरेश मालवीय ने टिप्पणी करते हुए कहा, वास्तव में यह एक बड़ा नैरेटिव युद्ध है। भाजपा हिन्दुओं को एक समरूप सांस्कृतिक पहचान के माध्यम से एक मंच पर लाना चाहती है, जबकि विपक्ष इसे सामाजिक विविधता के नाम पर तोड़ना चाहता है। लेकिन यह विविधता तब तक उपयोगी नहीं जब तक वह समाज को जोड़ती है, न कि बाँटती है। गौरतलब हो हाल ही में कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा पिछड़े और दलित समुदायों के नाम पर अलग-अलग सम्मेलन आयोजित किए गए, जिसमें देखा गया कि किस प्रकार जातिगत पहचान को फिर से मुखर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने इसे राजनैतिक मुनाफाखोरी का कुत्सित प्रयास बताया और कहा कि अब समय है कि जनता इस षड्यंत्र को पहचानें और समरस समाज के निर्माण में सहयोग दें।

इस पर राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि 2024 के आम चुनावों में भाजपा ने जिस प्रकार सबका साथ, सबका विकास के नारे को विस्तार देकर सबका प्रयास की ओर ले जाया गया, वह उनके समावेशी दृष्टिकोण को दशार्ता है। इसके मुकाबले, विपक्ष की रणनीति जातिगत गणनाओं और संख्यात्मक समीकरणों पर आधारित दिखती है, जो आज के समय में युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग को बहुत आकर्षित नहीं कर पा रही। जहाँ एक ओर भाजपा अपने कार्यक्रमों में समाज के सभी वर्गों को शामिल करने का प्रयास कर रही है, वहीं विपक्ष के जाति आधारित सम्मेलन यह संदेश देते हैं कि वे अभी भी सामाजिक एकता की बजाय विखंडन की राजनीति पर भरोसा कर रहे हैं। यही कारण है कि योगी आदित्यनाथ की चिंता केवल राजनैतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक धरातल पर भी विचारणीय है। ऐसे में यह साफ तौर पर कहा जा सकता है है कि आने वाले समय में भारतीय राजनीति केवल चुनावी आंकड़ों की नहीं, बल्कि विचारधारात्मक संघर्ष की होगी, जहाँ एक ओर सनातन समरसता की बात होगी और दूसरी ओर जातीय टकराव की राजनीति।

मोदी सरकार की तटस्थ रहने वाली विदेश नीति

संजय सक्सेना

भाजपा के दिग्गज नेता नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत की विदेश नीति में एक नया दृष्टिकोण देखने को मिल रहा है, जिसे कई विशेषज्ञ तटस्थता या रणनीतिक संतुलन की नीति के रूप में परिभाषित करते हैं। यह नीति खासतौर पर अमेरिका और रूस के बीच तनाव, चीन के उभार, और वैश्विक ध्रुवीयता के संदर्भ में भारत के रुख को दशार्ती है।ऐसा ही इजरायल और ईरान के बीच जंग के दौरान भी देखने को मिला। भारत किसी के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ बल्कि दोनों देशों को शांति का पैगाम देता रहा। यही भारत की तटस्थ नीति है। तटस्थ रहने की नीति का मुख्य उद्देश्य यह है कि भारत अपनी संप्रभुता, रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए किसी एक वैश्विक शक्ति के साथ पूरी तरह से नहीं जुड़ता, बल्कि सभी के साथ संवाद और सहयोग बनाए रखता है। हालांकि इस नीति के अपने फायदे हैं, वहीं कुछ गंभीर नुकसान भी सामने आते हैं।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के दौरान भी मोदी सरकार ने अपनी तटस्थता वाली विदेश नीति को प्राथमिकता दी। वैश्विक राजनीति के इस संवेदनशील मोड़ पर जब कई देश खुले समर्थन या विरोध में उतर आए, भारत ने संयम और संतुलन का परिचय देते हुए किसी पक्ष का खुला समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने मानवता, कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता को आधार बनाते हुए एक ऐसा रुख अपनाया जिससे भारत की साख एक जिम्मेदार और परिपक्व लोकतंत्र के रूप में और मजबूत हुई। सरकार ने आधिकारिक बयानों में शांति, संवाद और संयम की अपील की, साथ ही युद्ध में शामिल दोनों देशों से बातचीत के रास्ते तलाशने को कहा। यह नीति न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक हितों और पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा को ध्यान में रखती है, बल्कि वैश्विक मंचों पर भारत की ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ऌ की भावना को भी दशार्ती है। भारत का यह संतुलित दृष्टिकोण बताता है कि वह किसी एक खेमे में नहीं बल्कि वैश्विक स्थिरता और संतुलन में विश्वास करता है।

तटस्थता का सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारत को स्वतंत्र निर्णय लेने की पूरी आजादी मिलती है। जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा, तब भारत ने किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय शांति और बातचीत का पक्ष लिया। इससे भारत को दोनों देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखने में मदद मिली। अमेरिका और यूरोप जैसे पश्चिमी देशों ने भले ही भारत की स्थिति पर सवाल उठाए हों, लेकिन उन्होंने भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने का जोखिम नहीं उठाया, क्योंकि भारत आज की तारीख में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र बन चुका है।

दूसरा फायदा यह है कि तटस्थ नीति के कारण भारत को वैश्विक मंचों पर अधिक सम्मान और ध्यान मिल रहा है। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जिस प्रकार से विकसित और विकासशील देशों के बीच पुल का काम किया, वह इसी नीति का परिणाम है। भारत की स्थिति अब एक ऐसे देश की बन गई है जो वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, न कि केवल किसी एक धड़े का समर्थक है। इससे भारत को वैश्विक कूटनीतिक दबाव से बचने में सहायता मिलती है और वह अपने दीर्घकालिक आर्थिक व सुरक्षा हितों पर फोकस कर पाता है।

इसके अतिरिक्त, तटस्थता की नीति भारत को बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में भी मजबूत बनाती है। भारत ब्रिक्स, क्वाड, शंघाई सहयोग संगठन, और इंडो-पैसिफिक फ्रेमवर्क जैसे कई मंचों का हिस्सा है, जो अलग-अलग वैश्विक शक्तियों से जुड़े हैं। अगर भारत किसी एक पक्ष के साथ खुलकर जुड़ जाता, तो उसकी भागीदारी पर असर पड़ता। इस नीति ने भारत को ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग, निवेश और रणनीतिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में व्यापक विकल्प दिए हैं।

हालांकि, तटस्थ नीति के कुछ नुकसान भी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा नुकसान यह है कि वैश्विक संकट के समय भारत की भूमिका अस्पष्ट हो जाती है। जब यूक्रेन युद्ध हुआ या जब गाजा में संघर्ष भड़का, तब भारत की तटस्थता को कुछ विश्लेषकों ने नैतिक चुप्पी के रूप में देखा। इससे भारत की छवि एक नैतिक शक्ति या वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में कमजोर पड़ती है। आज की दुनिया केवल रणनीतिक फायदे नहीं देखती, बल्कि यह भी देखती है कि कौन-सा देश मानवाधिकार, लोकतंत्र और न्याय के पक्ष में बोलता है। भारत की चुप्पी कई बार इसे हित-चिंतक की बजाय हित-साधक बना देती है।

दूसरा नुकसान यह है कि तटस्थ रहते हुए भारत कभी-कभी अपने साझेदार देशों के साथ रिश्तों में वह गहराई नहीं बना पाता जो स्पष्ट समर्थन से बनती है। अमेरिका भारत को चीन के खिलाफ एक मजबूत रणनीतिक साझेदार मानता है, लेकिन भारत की रूस के साथ दोस्ती अमेरिका के लिए चिंता का विषय बनती है। इसी तरह, रूस को भारत की अमेरिका के साथ नजदीकी खटकती है। ऐसे में भारत को हमेशा संतुलन बनाए रखना पड़ता है, जो कि एक चुनौतीपूर्ण कार्य है और कभी-कभी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगा सकता है।

दैनिक पंचांग

27 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.44 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	09.01 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.12 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.38 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.54 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.59 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.45 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.18 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मेष	00.49 बजे से
		वृष	02.29 बजे से
		मिथुन	04.27 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 178 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 11.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 07.22 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 21.10 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.20 बजे तदनन्तर तैतिल 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872388
जूलियन दिन 2460853.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 01
विशेष जगन्नाथ रथयात्रा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अजीम प्रेमजी फॉउन्डेशन द्वारा दो दिवसीय कार्यकर्ताओं का रिफ्रेशर प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में झारखण्ड विकास परिषद, अमड़ापाड़ा एवं अजीम प्रेमजी फॉउन्डेशन द्वारा दो दिवसीय कार्यकताओं का रिफ्रेशर प्रशिक्षण जे. भी. पी. सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान एवं पंचायती राज विभाग के प्रशिक्षक जॉन सोरेन, संस्था सचिव सुवासिनी सोरेन एवं परियोजना समन्वयक राम जनम मोर्य के द्वारा संयुक्त रुप से किया गया।

प्रशिक्षण का मुख्य विषयः-

ग्राम सभा एवं स्वाशासन व्यवस्था। सरकार की संचालित योजनाए। ग्राम सचिवालय का गठन व उदेश्य। प्रशिक्षण को सम्बोधन करते हुए संस्था सचिव सुवासिनी सोरेने ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उदेश्य कार्यकताओं का ग्राम सभा एवं स्वाशासन व्यवस्था, सरकार की संचालित योजनाए एवं ग्राम सचिवालय का गठन व उदेश्य के बारे में क्षमतावर्धन करना है ताकि ग्राम स्तर पर ग्राम सभा एवं योजनाओं में समुदाय कि भागीदारी सुनिश्चत करना है एवं समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाना हमारा लक्ष्य है, इसके लिए सरकार भी लगातार प्रयासरत है। मौके पर प्रशिक्षक जॉन सोरेन ने कहा कि स्वाशासन व्यवस्था, पंचायतीराज व्यवस्था के बारे में स्वशासन व्यवस्था जिसे स्थानीय स्वशासन भी कहा जाता है एक ऐसी प्रणाली है जिसमें लोग अपने स्थानीय मामलों का प्रबंधन स्वयं करते हैं। यह एक लोकतांत्रिक सिद्धांत है जो बाहरी राजनीतिक नियंत्रण से मुक्त होने पर जोर देता है। भारत में स्थानीय स्वशासन को पंचायती राज संस्थाओं; पीआरआई और शहरी स्थानीय निकायों, नगर पालिकाओं के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है।

स्थानीय स्वशासन का महत्व

स्थानीय जरूरतों को पूरा करनाः स्थानीय स्वशासन स्थानीय समस्याओं और जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने और उनका समाधान करने में मदद करता है। भागीदारीपूर्ण शासनः यह नागरिकों को शासन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। सामाजिक न्यायः आरक्षण के प्रावधानों के माध्यम से, स्थानीय स्वशासन सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देता है। विकास में भागीदारीः यह विकास योजनाओं और कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करता है। उदाहरणः ग्राम सभाः गाँव के सभी वयस्क सदस्य ग्राम सभा के सदस्य होते हैं और वे सीधे पंचायत सदस्यों का चुनाव करते हैं। पंचायतों में महिलाओं का आरक्षणः महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण दिया गया है ताकि वे शासन में अधिक प्रतिनिधित्व कर सकें।

एक नजर

हाईटेंशन करंट प्रभावित तार गिरा बाल-बाल बचे लोग

साहिबगंज/राजमहल : प्रखंड क्षेत्र के वार्ड नंबर 6 के बर्मन कॉलोनी मोहल्ले में गुरुवार को हाईटेंशन तार सड़क पर गिरने से बाल-बाल लोग बच गए। वहीं मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार राजू कर्मकार के घर के सामने सड़क पर अचानक हाईटेंशन विद्युत तार टूट कर गिर गया। तार गिरते ही वहां से गुजर रहे लोगों एवं घर वालों के बीच हड़कम मच गया। हालांकि सूझबूझ से लोगों ने तुरंत इसकी सूचना विद्युत बोर्ड कार्यालय को दी। करीब आधे घंटे तक उक्त तार में करंट संचालित रहा। बाद में बिजली कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर तार को दुरुस्त किया। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस तरह की घटना आए दिन होती रहती है। जल्द से जल्द नए तार लगाकर दुरुस्त किया जाए जिससे आने वाले दिन में कोई बड़ी घटना ना हो।

सियार ने पांच किशोरी को काटकर किया घायल

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर पलाशगाछी गांव में बीते बुधवार की रात्रि सियार के काटने की अलग-अलग घटना में पांच बच्ची घायल हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार अहमद शेख की पुत्री हलीमा खातून 7 वषीर्या, पेशकार शेख की पुत्री मसुफा खातून 10 वषीर्या, समसुल शेख की पुत्री सरीना खातून 15 वषीर्या, अनवारूल शेख की पुत्री जेइलोब खातून 8 वषीर्या चारों मिलकर अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान घर के पास बगीचे की तरफ से अचानक एक सियार आकर चारों पर हमला कर दिया। इस घटना में चारों बुरी तरह घायल हो गई। वही दूसरी तरफ अमानत में हुई एक अन्य घटना में खुशी खातून 4 वषीर्या नामक एक बच्ची को सियार ने काट कर घायल कर दिया। वहीं परिजनों की मदद से आनन-फानन में सभी बच्ची को इलाज करने के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा सभी का इलाज किया गया।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल

साहिबगंज/राजमहल : तीनपहाड़-राजमहल एनएच मुख्य सड़क पर बीते बुधवार की रात्रि अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बिहार के कटिहार जिला के मनिहारी के पारस मंडल 40 वर्षीय मंडई स्थित अपना ससुराल आया था। जहां कुछ काम से तीनपहाड़ गया था। वहां से वापस लौटने के क्रम में हेमा पुल के पास अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल गिर गया। इससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। परिजनों की मदद से उसे इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। वही ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा घायल का प्राथमिक इलाज किया गया।

नया ट्रांसफार्मर लगने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल

साहिबगंज/बरहेट : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोपलाडीह पंचायत के भागा बांध मांझी/मोमिन टोला में लगा 100 केविए का ट्रांसफार्मर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल। क्षेत्रीय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जताया आभार एवं केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा को दिए धन्यवाद।बताते चलें कि गांव में 63 केविए का ट्रांसफार्मर लगाया गया था जिससे लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती थी। लोगों ने उनकी जानकारी विद्युत कार्यालय बरहेट को दी थी।

संविधान बचाओ रैली व हूल दिवस पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : बृहस्पतिवार समय 10.00 बजे पूर्वाह्न स्थान विधायक निसात आलम के आवास प्रागंण में झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम की उपस्थिति में एक बैठक आहूत की गई। जिसमें प्रखण्ड कमिटी, पंचायत अध्यक्ष, मंडल अध्यक्षगण एवं वरिष्ठ कांग्रेसीगण एवं कार्यकर्तागण की उपस्थिति में दिनांक 28 जून 25 संविधान बचाओ रैली पाकुड़ में एवं दिनांक 29 जून 25 तथा 30 जून को हुल दिवस के अवसर पर प्रदेश के नेताओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु रूप रेखा तैयार की गई। वहीं झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम ने बताया कि संविधान बचाओ रैली एवं हूल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश प्रभारी के राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो, कमलेश सहित पार्टी के मंत्री एवं विधायक एवं प्रदेश के पदाधिकारी, उपस्थित रहेंगे। मौके पर विधायक प्रतिनिधि सह बरकत खान, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, वरिष्ठ कांग्रेसी मो. नसीरुद्दीन, कमल आर्य, मोफक्कर हुसैन, हजरत अली, अहदक हुसैन, मुरसलीन खान, अब्दुल कादिर, शमशेर खान, काजल, रफीक, सहित प्रदेश के पदाधिकारी, प्रखण्ड कमिटी के पदाधिकारी, पंचायत अध्यक्ष एवं कार्यकर्तागण आदि उपस्थित थे।

बरहरवा या पतना को अनुमंडल बनाने को लेकर प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : अनुमंडल निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले बरहरवा स्टेशन चौक काली मंदिर प्रांगण में निवर्तमान नगर अध्यक्ष श्यामल कुमार दास की अध्यक्षता में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। श्यामल दास ने अपने संबोधन में बताया कि बरहरवा का अनुमंडल बनना यह सदियों से एक सपना सा रहा है और आज जब अनुमंडल बनने की बात आई तो बरहेट का नाम को आगे कर दिया गया जबकि बरहेट को अनुमंडल ना बनाकर बरहरवा या पतना में अगर अनुमंडल बनाया जाए तो यह कोटालपोखर क्षेत्र के दूर दराज गांवों से लेकर बरहरवा के दूर ग्रामीण क्षेत्र, बरहेट और पतना के ग्रामीणों के लिए भी लाभदायक होता, और बरहरवा को अनुमंडल बनने के लिए सारा अर्हता भी पूरी करती है। बरहरवा में रेल कनेक्टिविटी, रोड कनेक्टिविटी, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, थाना, और अच्छे खासे होटल ये सभी प्रक्रियाएं को पूरा करती है। वहीं कोटालपोखर क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष बप्पी निर्मल प्रसाद ने बताया कि बरहरवा या पतना को अनुमंडल बनाने के लिए सबसे पहले यहां के सांसद विजय कुमार हांसदा और विधायिका निशात आलम व सभी राजनीति दल के नेतागण को सबसे आगे आना चाहिए। इस क्षेत्र के लोगों का विकास करना है तो बरहरवा या पतना को अनुमंडल बनाना बहुत ही जरूरी है, क्योंकि यह मध्यपोइंट भी पड़ता है, अगर बरहरवा या पतना को अनुमंडल नहीं बनाया जाएगा तो यहाँ के लोगों का जीवन काफी कष्टदायी हो जाएगा, कोटालपोखर के किसी महिला या पुरुष को अगर अनुमंडल संबंधित कोई भी काम पड़ेगा तो बरहेट आने जाने में दिन भर का समय और मजदूर तबके के लोगों का एक दिन का दिहाड़ी भी निकल जाएगा और आने जाने में लगभग 150 से 200 प्रति व्यक्ति खर्च आएगा। आने वाले दिनों में बरहरवा या पतना को अनुमंडल नहीं बनाया जाता है तो इस प्रदर्शन को सड़क से लेकर सदन तक ले जाया जाएगा।

महेशपुर प्रखंड में उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का किया गया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/महेशपुर : ज़िले में खरीफ मौसम के शुरूआत होने एवं मुख्य फसलों यथा धान, मक्का, जूट आदि हेतु खाद एवं बीज की बढ़ी हुई मांग को देखते हुए जमाखोरी, अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक दर पर बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जिला स्तर पर उपायुक्त महोदय द्वारा गठित दल के द्वारा महेशपुर प्रखंड के विभिन्न उर्वरक विक्रेता प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में शामिल जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी धनेश्वर हेंब्रम एवं पणन सचिव संजय कच्छप के द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के आलोक में विभिन्न बिंदुओं पर पूछताछ एवं जांच की गई तथा नियमों के अनुपालन में शिथिलता के लिए उर्वरक विक्रेताओं से स्पष्टीकरण पूछा गया है। स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा सभी उर्वरक विक्रेताओं को चेतावनी दी गई है कि उर्वरक विक्रेताओं के खिलाफ जमाखोरी या मुनाफाखोरी की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा किसानों के हितों से किसी भी प्रकार के खिलवाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शादी का झांसा देकर किया इनकार, भेजा गया जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : महिला थाना क्षेत्र की पुलिस ने गुरुवार को मिजाचौकी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती को शादी का झूठा झांसा देकर गोड्डा जिले का एक युवक शादी से इनकार किए जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि गोड्डा जिला के बोआरीजोर थाना क्षेत्र के जीरली गांव का रहने वाला आरोपी युवक सुजीत कुमार मुर्मू उम्र 36 वर्ष पिता चंद्रशेखर मुर्मू के साथ मिजाचौकी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। जहां आरोपी युवक के द्वारा शादी से इनकार करने के बाद पीड़िता युवती ने महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जहां महिला थाना क्षेत्र की पुलिस ने कांड संख्या 10/25 के तहत आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के बाद उसका मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी युवक वर्तमान समय में गोड्डा जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र के ग्राम लोहंडिया में छिपकर रहता था जहाँ से उसे गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया गया है।

सरकारी कार्यालय एवं कोर्ट परिसर के 100 मीटर के दायरे में धुम्रपान/तंबाकू उत्पाद पर लगेगा जुर्माना : नगर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त के आदेशानुसार प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा के निर्देशन पर तंबाकू उत्पाद अधिनियम-2003 की धारा 4 व 6ए, 6बी के तहत विशेष जांच अभियान टाउन हॉल के पास, कोर्ट के पास, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं बागीटांड स्टेडियम के पास कुल 24 दुकानों की जांच की गई, जिसमें 10 दुकानों/ व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लंघन करते हुए पाया गया, जिनसे अर्थदंड के रूप में कुल 2900 रुपए की वसूली की गई। नगर प्रशासक शम्भु प्रसाद कुशवाहा के द्वारा बताया गया कि छापामारी के दौरान शिक्षण संस्थान/सरकारी कार्यालय/अस्पताल एवं कोर्ट परिसर के 100 मीटर के दायरे में धुम्रपान/तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले सभी दुकानों की जांच की गई साथ ही सभी दुकानदारों को सुझाव दिया गया एवं बताया गया कि तम्बाकू खाकर थूकने पर 1000 रुपए तक का जुमार्ना हो सकता है। कोटपा झारखण्ड संशोधन अधिनियम 2021 के तह अब 18 वर्ष से कम आयु की समय सीमा 21 वर्ष कर दी गई- कोटपा-2003 की धारा-7 की उपधारा (2) के अनुसरण के तहत झारखण्ड राज्य में विनिर्दिष्ट चेतावनी (कैंसर वाला चित्र) के बिना किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पाद/सिगरेट/खुली सिगरेट की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। उक्त अधिनियम की धारा-7 की उपधारा-2 का उल्लंघन कोटपा-2003 की धारा 20 के अन्तर्गत दन्डनीय अपराध है। इस लिये सभी दुकानदारो को चेतावनी दी जाती है कि सिंगल सिगरेट की बिक्री न करें अन्यथा कोटपा-2003 की धारा 7 के तहत कार्रवाई की जायेगी। साथ ही सभी दुकानदारों को सूचित किया जाता है कि कोटपा झारखण्ड संशोधन अधिनियम 2021 के तहत अब 18 वर्ष से कम आयु की समय सीमा 21 वर्ष कर दी गई है। यानी कोटपा 2003 की धारा 6ए के तहत 21 वर्ष के बच्चों को तम्बाकू उत्पाद न बेचे और न बेचेवाय। छापामारी के दौरान नगर पंचायत कोडरमा के नगर मिशन प्रबंधक संजीत कुमार साहु, स्वास्थ्य विभाग से जिला परामर्शी दीपेश कुमार, विधि सहायक निरंजन कुमार, राजस्व निरीक्षक आशीष कुमार, बसंत कुमार सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु कुमार, सुपरवाइजर सुरेश राम, संतोष राणा, बिक्कु कुमार व अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

संथाल सिविल रूल्स एवं संथाल परगना से संबंधित ग्राम प्रधानों की हुई बैठक

साहेबगंज : डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में सिद्धो कान्हो सभागार में बोरियो, तालझारी एवं मंडरो प्रखंड अंतर्गत सभी ग्राम प्रधानों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संथाल सिविल रूल्स एवं संथाल परगना न्याय विनियमन 1893 के प्रावधानों की वर्तमान प्रासंगिकता, व्यवहारिकता तथा कानूनी प्रभावशीलता पर विस्तृत चर्चा करना रहा। इस अवसर पर संथाल परगना क्षेत्र में लोकल ट्राइबल काउंसिल (जनजातीय समिति) की भूमिका एवं संथाल सिविल कोर्ड के साथ उनके समन्वय की संभावनाओं पर विशेष विचार-विमर्श हुआ। बैठक में चैप्टर-क्ष (आर्बिट्रेशन) की कंडिका-26 के अंतर्गत स्थानीय जनजातीय समितियों से संबंधित प्रावधानों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। डीसी ने कहा कि पारंपरिक न्याय व्यवस्था को वर्तमान कानूनी ढांचे के साथ समन्वित करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक त्वरित एवं सुलभ न्याय सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

समेकित कृषि पर महिला कृषकों को मिला तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज : गुरुवार को एलएसी मोतीझरना परिसर में समेकित कृषि पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गया। यह प्रशिक्षण एफटीसी कृष्णकांत रक्षित के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें स्थानीय किसानों को आधुनिक और समेकित कृषि तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान रक्षित ने बताया कि किस प्रकार एक ही खेत में विविध कृषि गतिविधियाँ—जैसे फसल उत्पादन, पशुपालन, बागवानी, मछली पालन आदि को एक साथ अपनाकर किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने जल प्रबंधन, जैविक खाद का उपयोग, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, और बाजार से जुड़ाव जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण में 35 से अधिक किसान उपस्थित रहे, जिनमें बड़ी संख्या में महिला किसान भी शामिल थीं। प्रशिक्षण के अंत में किसानों ने सवाल पूछे और रक्षित ने उन्हें व्यावहारिक उदाहरणों से समाधान भी बताया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को पारंपरिक खेती से आगे बढ़ाकर सतत एवं लाभकारी कृषि की दिशा में प्रेरित करना था। प्रशिक्षण प्राप्त किसानों ने इस प्रकार के आयोजन को अत्यंत लाभकारी बताया और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों की मांग की।

शॉर्ट सर्किट से किराना दुकान में लगा आग, लाखों रुपये की हुई क्षति

साहिबगंज/बरहेट : प्रखंड क्षेत्र के ललमटिया गांव में गुरुवार को बिजली की चिंगारी से किराना दुकान में आग लग गई जिससे मोटरसाइकिल सहित दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार ललमटिया गांव के शाहजहां अंसारी उर्फ साजू का दुकान बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने बताया कि घर में बिजली तार के शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की संभावना जताई है। उधर शॉर्ट सर्किट से दुकान का सारा सामान सहित घर का घरेलू सामान भी चपेट में आ गया जहां इस घटना में चावल, धान, कपड़ा, मकान, कागज और मोटरसाइकिल जलकर राख हो गया है। वही परिजनों ने स्थानीय प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

प्रोजेक्ट जागृति के तहत पांच लाख लोग अभियान से जुड़कर हुए लाभान्वित

पाकुड़ : ज़िले में प्रोजेक्ट जागृति के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान दिनांक 16 जून से संचालित है जो दिनांक 01 जुलाई तक चलेगा जिसके अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी/कर्मचारी घर-घर जाकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच और आवश्यक दवा वितरण कर रहे है। 16 जून से आज तक पूरे जिले में बुखार, एनीमिया, हाइड्रोसील, खांसी, चर्मरोग इत्यादि बीमारियों के संदिग्ध पाये गये है। अबतक जिले में कुल 5 लाख 41 हजार 549 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया है जिसमें फीवर से ग्रसित 2 हजार 471 लोग, 14 दिन से अधिक खांसी वाले 1669 लोग, चमड़ी में रेसेज वाले 548 लोग, चमड़ी में दाग वाले 975 लोग, एनीमिया के 2751 लोग, पांव फूलने वाले 1248 लोग, हाइड्रोसिल 970 लोग, हाइपरटेंशन 3885 लोग, डायबिटीज 3352 लोग, टीकाकरण से छुटे बच्चे 835 और अन्य बीमारियों से ग्रसित 1120 संदिग्ध रोगी मिले है जिनका लगातार क्षेत्र में या स्वास्थ्य उपकेंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर उपचार किया जा रहा है।

फरार चल रहे एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज/तालझारी : थाना क्षेत्र के फतेहपुर मसकलैया के एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि फतेहपुर मसकलैया निवासी वारंटी दुलाल कुमार मंडल कुछ समय से फरार चल रहा था गुप्त सूचना के आधार उसे गिरफ्तार किया गया। जहां अभियुक्त को चिकित्सा जांच कराने के उपरांत न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसी की गिरावट के साथ ही 86.08 रुपये पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 86.05 पर बंद हुआ था। रुपये में ये बढ़त तेल की कीमतों में गिरावट से आई है। इससे पहले गत दिवस सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 64 पैसे मजबूत होकर 86.11 पर पहुंचा, जो सोमवार को 86.75 पर बंद हुआ था। यह 13 मई के बाद रुपया की सबसे बड़ी शुरुआती तेज़ी रही है। हालांकि जून महीने में अब तक रुपया कुल 0.61 फीसदी गिर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजराइल के बीच पूर्ण सीज़फायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इससे भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों को राहत मिली है।

मंडी में हरे धनिया की भरपूर आवक फिर भी किसान हो रहा परेशान

मंडियों में 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा, लागत भी नहीं मिल रही

नई दिल्ली।

बाजार में धनिया की भारी आवक से इसकी कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। जैसे-जैसे कीमतें कम हो रही हैं, किसानों की समस्याएं बढ़ रही हैं। इस समय मंडियों में धनिया 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा है जबकि इस दाम में किसानों को मेहनताना तक भी नहीं मिल पा रहा है। जौनसार बावर क्षेत्र में हरे धनिया की आवक हो रही है। क्षेत्र के किसान पिछले कुछ सालों से नगदी फसलों के साथ-साथ हरे धनिए का भी उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन मंडी में धनिया की कीमत को लेकर किसानों की परेशानी बनी हुई है। हालत यह है कि किसानों को इस मंडियों में लाने की लागत भी नहीं मिल रही है। किसानों का कहना है कि इस दाम में किसानों को निराई, गुड़ाई और बाजार तक अपने उत्पादन को पहुंचाने के बाद भी उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, जबकि पिछले साल 100 से 150 रुपए प्रति किलो मंडियों में किसानों द्वारा हरा धनिया बेचा गया था, लेकिन इस बार किसान अपनी लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। इससे कई निराश किसान अपनी उपज मंडी नहीं ले जा रहे हैं।

हुंडई एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने की तैयारी में

नईदिल्ली।

मारुति सुजुकी, हुंडई और महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियां अगले कुछ महीनों में ग्राहकों को कई बेहतरीन विकल्प देने जा रही हैं। हुंडई अपनी लोकप्रिय एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने वाली है, जिसे भारत की सड़कों पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है। इस फेसलिफ्ट मॉडल में एक्सटीरियर को नया रूप देने के साथ ही आधुनिक फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है। हालांकि, इंजन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार साल के अंत तक लॉन्च हो सकती है। दूसरी ओर, महिंद्रा भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी को लेकर चर्चा में है। यह कार एक्सयूवी 400 से नीचे पोजिशन की जाएगी और सीधा मुकाबला टाटा पंच ईवी से होगा। इसकी बैटरी एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम हो सकती है। वहीं, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी भी फॉक्स का हाइब्रिड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में इसे टेस्टिंग के दौरान देखा गया है और इसमें 1.2 लीटर झेड12ई पेट्रोल इंजन के साथ हाइब्रिड सिस्टम मिलने की संभावना है। यह कार साल के अंत तक बाजार में दस्तक दे सकती है। इन तीनों एसयूवी के लॉन्च के बाद भारतीय ग्राहकों को कम बजट में बेहतर टेक्नोलॉजी और शानदार माइलेज वाले विकल्प मिल सकेंगे। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में कॉम्पैक्ट एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कई बड़ी कंपनियां अपनी नई-नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं।

गूगल ने 'एआई मोड इन सर्च' भारत में किया लॉन्च

अब यूजर्स लंबे और जटिल पूछ सकेंगे सवाल

नई दिल्ली।

गूगल ने भारत में अपने नए एआई-संचालित सर्च फीचर 'एआई मोड इन सर्च' की शुरुआत कर दी है। इस फीचर का पहले अमेरिका में परीक्षण किया जा चुका है और अब भारत में इसे गूगल लैंस के तहत एक प्रयोग के रूप में उपलब्ध कराया है। यह अंग्रेजी भाषा में ही इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल का दावा है कि यह फीचर लोगों के सर्च करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा, क्योंकि अब यूजर्स लंबे और जटिल सवाल पूछ सकेंगे और उन्हें एआई द्वारा तैयार किए गए जवाब भरोसेमंद स्रोतों के लिंक के साथ मिलेंगे।

यह नया फीचर गूगल के मल्टीमॉडल एआई मॉडल जेमिनी 2.5 पर आधारित है। यूजर्स केवल टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि गूगल लैंस के जरिए फोटो लेकर या अपलोड करके भी सवाल पूछ सकते हैं जैसे- कोई पौधे की फोटो लेकर उसकी देखभाल के तरीके पूछ सकते है, या फिर किसी टूटे सामान की तस्वीर भेजकर उसकी मरम्मत की सलाह ले सकता है। यह सुविधा एंड्रॉयड और आईओएस दोनों पर गूगल ऐप में

उपलब्ध है।

गूगल का कहना है कि यह फीचर खासतौर पर उन जटिल सवालों के लिए है जिनके लिए पहले कई बार सर्च करना पड़ता था। चाहे स्मार्टफोन की तुलना करनी हो, ट्रिप प्लान करना हो या घरेलू काम सीखना हो- एआई मोड एक ही बार में विस्तृत जवाब देगा। साथ ही फॉलो-अप सवालों के लिए सुझाव और लिंक भी प्रदान करेगा। गूगल के मुताबिक यूजर्स अब दो से तीन गुना लंबी क्वेरी डाल रहे हैं, जिससे साबित होता है कि सर्च अब ज्यादा नेचुरल और डीटेल्ड हो रहा है।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.24 फीसदी बढ़कर 97,260 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 0.30 फीसदी बढ़कर 1,05,234 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयी हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीलय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 900 रुपए गिरकर 98,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी जबकि 99.5 फीसदी शुद्धता वाला सोना 800 रुपए टूटकर 98,300 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया जबकि सोमवार को यह 99,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार तनाव बढ़ने की आशंका कम होने के साथ, निवेशक मुनाफावसूली कर रहे हैं और सोने की खरीद कम हुई है। वहीं गत दिवस को चांदी की कीमतें भी 1,000 रुपए घटकर 1,04,200 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई।

27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वीआरआरआर की नीलामी करेगा आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार यानी 27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) की नीलामी करेगी। इसका उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी को बाहर निकालना है। मौजूदा समय में वेटेड एवरेज कॉल रेट पॉलिसी रीपो रेट से नीचे है, जो नकदी अधिशेष का संकेत देता है। आरबीआई ने कहा कि वर्तमान और संभावित तरलता स्थितियों की समीक्षा के बाद यह फैसला किया गया है कि 27 जून को वीआरआरआर नीलामी की जाएगी। इसके साथ ही आरबीआई ने साफ किया कि 27 जून को 14 दिनों की मुख्य रिवर्स रीपो नीलामी नहीं की जाएगी। यह फैसला आने वाले पखवाड़े की नकदी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया है। पिछले दो हफ्तों में बैंकिंग सिस्टम में औसतन 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त नकदी रखी है, जिसे आरबीआई हर दिन अलग-अलग माध्यमों से सिस्टम से बाहर करता रहा है। आरबीआई के लिक्विडिटी फ्रेमवर्क के मुताबिक अगर किसी ऑपरेशन की अवधि 14 दिन या उससे ज्यादा होती है, तो उसे मुख्य ऑपरेशन कहा जाता है। वहीं 14 दिन से कम अवधि वाले ऑपरेशन को फाइन ट्यूनिंग ऑपरेशन माना जाता है। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की ओर से वेरिएबल रिवर्स रीपो रेट नीलामी कराना उम्मीद के मुताबिक ही था। ऐसा इसलिए किया क्योंकि टैक्स भुगतान के बावजूद बैंकिंग सिस्टम में लगातार तरलता बनी है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में नकदी की स्थिति सोमवार को 2.43 लाख करोड़ सरप्लस में थी। विशेषज्ञों का कहना है कि वेटेड एवरेज ओवरनाइट कॉल रेट अभी भी रीपो रेट से काफी नीचे है। अगर सरकार अगले महीने की शुरुआत में खर्च बढ़ाती है तो यह दर और भी नीचे जा सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 700 , निफ्टी 200 अंक ऊपर आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी ईरान-इजरायल के बीच संघर्ष विराम के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा जिससे भी खरीददारी बढ़ी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 700 अंक बढ़कर 82,755.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 200 अंक बढ़कर 25,244.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर टाइटन कंपनी, इंफोसिस, एमएंडएम, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आयशर मोटर्स, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर रहे। ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, मीडिया के शेयरों में 1-2 फीसदी की तेजी रही। जिससे सभी सेक्टोरल इंडेक्स आज हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी 1.6 फीसदी की तेजी आई। सभी सेक्टरों में आईटी के शेयर सबसे ऊपर रहे। वहीं व्यापक बाजारों में मिडकैप्स फ्रंटलाइन इंडेक्स पीछे रहे जबकि स्मॉलकैप्स ने 1.49 फीसदी बढ़कर अच्छा प्रदर्शन किया। बाजार पूंजीकरण बढ़ने से निवेशकों ने चार लाख करोड़ कमाये इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से भी बाजार को बल मिला। इससे सेंसेक्स सुबह 442 अंक

बढ़कर 82,497 के स्तर पर कामकाज करता दिखा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126 अंक ऊपर आकर 25,170 पर पहुंचा। वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में शुरुआती बढ़त के बाद अधिकतर सूचकांकों में सपाट कारोबार हुआ। ईरान और इज़रायल के बीच संघर्षविराम के बाद मध्यपूर्व में तनाव कम होने का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जापान के निक्केई में 0.073 फीसदी की हल्की तेजी रही। वहीं टोपिक्स में 0.1 फीसदी का उछाल आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी हल्की गिरावट के साथ सपाट कारोबार कर रहा था। निवेशकों की नजर अब ऑस्ट्रेलिया के महंगाई आंकड़ों पर बनी हुई है। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वहां तेजी रही। डाओ जोंस 1.19 फीसदी की बढ़त के साथ 43,089.02 पर बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में 1.11 फीसदी का उछाल आया और ये 6,092.18 पर पहुंच गया, जो कि इसके 52-हफ्ते के शीर्ष स्तर से केवल 0.9 फीसदी कम है।

निवेशकों के लिए सेबी ने दी तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में निवेश करने वाले कुछ ऐसे निवेशक भी हैं जो आईपीओ के इंतजार में रहते हैं। ये निवेशक आईपीओ पर दांव लगाकर कमाई करना चाहते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए अब सेबी ने तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दी है। ये कंपनियां- इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार से जुड़ी जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता ग्लोटिस और दवा कंपनी अमांता हेल्थकेयर हैं।

सेबी ने बताया कि तीनों कंपनियों ने फरवरी-मार्च में नियामक के समक्ष अपने शुरुआती आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे और उन्हें 16 से 20 जून के बीच निष्कर्ष पत्र मिले। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रस्तावित आईपीओ में 450 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 51 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में लैपटॉप और डेस्कटॉप का सबसे बड़ा रीफर्बिश्ड है। रीफर्बिश्ड के तहत पुराने प्रोडक्ट को सही कर बेचा जाता है।

यह कंपनी भारत, अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और यूएई में मौजूदगी का दावा करती है। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। इसी तरह, चेन्नई स्थित ग्लोटिस के आईपीओ में 160 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम

और 1.45 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में काम करता है। इसके अलावा अमांता हेल्थकेयर का आईपीओ पूरी तरह से 1.25 करोड़ नए शेयरों पर आधारित होगा। इन तीनों कंपनियों के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई डेटा के अनुसार, जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। कंपनियों ने कुल नए व्यवसाय के तेजी से बढ़ने और निर्यात ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि के जवाब में उत्पादन बढ़ाया। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में मासिक आधार पर परिवर्तन को मापता है। इंडेक्स जून में 61.0 के साथ 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। मई में 59.3 से बढ़कर, लेटेस्ट रीडिंग विस्तार की तेज दर के अनुरूप थी, जो लंबी अवधि की सीरीज के औसत से काफी ऊपर थी। निर्माताओं ने व्यावसायिक गतिविधि में उछाल का नेतृत्व किया, हालांकि सेवा अर्थव्यवस्था में भी विकास ने गति पकड़ी। वृद्धि की दरें क्रमशः दो और दस महीने के उच्चतम स्तर पर थीं। पेंडिंग वर्कलोड के लगातार बढ़ने के साथ, फर्म भर्ती मोड में रही। इस बीच, एचएसबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में दस महीनों में सबसे धीमी गति से वृद्धि होने के कारण मुद्रास्फीति में नरमी आई। पैनलिस्टों के अनुसार, अनुकूल मांग प्रवृत्तियों, दक्षता लाभ और तकनीकी निवेश से उत्पादन में वृद्धि हुई। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई मई में 57.6 से बढ़कर जून में 58.4 हो गया, जो अप्रैल 2024 के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे बेहतर सुधार का संकेत देता है।

वॉलमार्ट का भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य

परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को देगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

अमेरिका की खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है। वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ सालों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से खुश हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और ज्यादा दिलचस्प होता जा रहा है। कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे लेकिन अब हम इसका विस्तार करने जा रहे हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें बढ़ोतरी हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। कंपनी के सीईओ भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम 'वॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है। अपनी ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट और डिजिटल भुगतान समाधान फोनपे के बारे में उन्होंने कहा कि इन व्यवसायों को बढ़ाने के लिए हमारे दलों ने सालों से जो कुछ किया है, वह प्रेरणादायक है।

वॉलमार्ट ने पिछले साल कहा था कि उसने अपने वैश्विक परिचालन के लिए पिछले दो दशकों में भारत के बाजार से 30 अरब डॉलर से ज्यादा का सामान मंगाया है।

संभव स्टील का खुला आईपीओ, कंपनी जुटाना चाहती है 540 करोड़

रिटेल निवेशक 2,366 शेयर के लिए कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली।

छत्तीसगढ़ की स्टील पाइप बनाने वाली कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का पब्लिक इश्यू आज यानी बुधवार से निवेश के लिए खुल गया। इस इश्यू के ज़रिए कंपनी 540 करोड़ जुटाना चाहती है। इश्यू का प्राइस बैंड 77 से 82 प्रति शेयर रखा गया है। इश्यू में 440 करोड़ के फ्रेश शेयर्स और 100 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी इश्यू ओपन होने से पहले 19 एंकर निवेशकों से 161.25 करोड़ पहले ही जुटा चुकी है। इस आईपीओ में एक लॉट में 182 शेयर रखे गए हैं। निवेशकों को कम से कम 182 शेयरों के लिए बोली लगानी पड़ेगी।

82 के ऊपरी दाम पर देखें तो एक लॉट के लिए न्यूनतम निवेश 14,924 बनता है। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी कुल 2,366 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसकी कीमत करीब 1,94,012 होती है। इश्यू ओपन होने से पहले संभव स्टील के शेयर ग्रे मार्केट में 87 पर ट्रेड कर रहे थे, जो 82 के इश्यू प्राइस से 5 ज्यादा है यानी, ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 6.1 फीसदी का दिख रहा है। इश्यू के लिए सब्सक्रिप्शन विंडो 27 जून यानी शुक्रवार को बंद हो जाएगी। इसके बाद 30 जून को शेयरों का आवंटन होगा। कंपनी के शेयर 2 जुलाई बुधवार को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

कंपनी जेड हेरिंग प्रॉसपेक्टस के मुताबिक फ्रेश इश्यू से मिले 390 करोड़ का इस्तेमाल पुराने कर्जों को चुकाने में करेगी। बाकी रकम सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए रखी है। इससे कंपनी की ब्याज लागत घटेगी और बैलेंस शीट मजबूत होगी। इस आईपीओ का रजिस्ट्रार केफिन टेक्नालॉजिस्ट है, जबकि लीड मैनेजर के तौर पर लुवामा वेल्थ मैनेजमेंट और मोटेल ओसवाल इंवेस्टमेंट एडवाइजर जुड़े हैं।

एक जुलाई से बदल जाएंगे कई नियम, आपके बजट पर पड़ेगा असर

अब पैन कार्ड को आधार से लिंक कराना जरूरी, नहीं तो लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली।

एक जुलाई से आम लोगों के लिए कई बदलाव हो रहे है। रेलवे टिकट बुकिंग, क्रेडिट कार्ड पेमेंट, ऑनलाइन वॉलेट ट्रांजैक्शन और पैन कार्ड जैसे ज़रूरी कामों के नियम बदले जा रहे हैं। ये छोटे-छोटे बदलाव आपके बजट पर बड़ा असर डाल सकते हैं। एक जुलाई से तत्काल टिकट बुक करने का तरीका बदल जाएगा। अब आईआरसीटीसी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप से तत्काल टिकट बुक करते समय यात्रियों को मोबाइल पर एक ओटीपी भेजा जाएगा। जब तक यात्री वह ओटीपी सिस्टम में दर्ज नहीं करेगा, तब तक टिकट कंफर्म नहीं होगा। इस नए प्रोसेस से टिकटों की सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ेगी। बैंकिंग सेक्टर में खासकर क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में एचडीएफसी बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए कई नए चार्ज लगाए हैं। अगर आप एचडीएफसी कार्ड से ड्रीम11, एमपीएल, रम्मी कल्चर जैसे गेमिंग ऐप्स पर महीने में 10,000 से ज्यादा खर्च करते हैं, तो आपको 1 फीसदी अतिरिक्त शुल्क देना होगा। यही चार्ज पेटीएम, मोबिक्विक, फ्रीचार्ज जैसे वॉलेट्स में 10,000 से ज्यादा लोड करने पर भी लगेगा। इसके अलावा यूटिलिटी बिल जैसे बिजली, पानी, गैस आदि पर 50,000 से ज्यादा भुगतान होने पर भी 1 फीसदी का अतिरिक्त चार्ज लगेगा। अगर किसी महीने में फ्यूल पर 15,000 से ज्यादा का खर्च करते हैं, तो वहां भी यही शुल्क लागू होगा। आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने ग्राहकों के लिए एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। अब आईसीआईसीआई बैंक ग्राहक अगर किसी अन्य बैंक के एटीएम से महीने में तीन बार से ज्यादा पैसे निकालते हैं, तो प्रत्येक अतिरिक्त फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 23 और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 8.50 चार्ज देना होगा। इससे बैंकिंग से जुड़े खर्चों में बढ़ोतरी होगी। क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर भी एक अहम बदलाव किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों के मुताबिक एक जुलाई से सभी क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान अब भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के जरिए ही किया जा सकेगा। इससे फोनपे, सीआरईडी, बिलडेस्क जैसे प्लेटफॉर्म पर असर पड़ेगा, क्योंकि अब तक केवल आठ बैंकों ने बीबीपीएस पर यह सुविधा शुरू की है।इसके अलावा, पैन कार्ड बनवाने के नियम भी बदल गए हैं। अब नया पैन कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड देना जरुरी होगा।

संभव स्टील का खुला आईपीओ, कंपनी जुटाना चाहती है 540 करोड़

रिटेल निवेशक 2,366 शेयर के लिए कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली।

छत्तीसगढ़ की स्टील पाइप बनाने वाली कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का पब्लिक इश्यू आज यानी बुधवार से निवेश के लिए खुल गया। इस इश्यू के ज़रिए कंपनी 540 करोड़ जुटाना चाहती है। इश्यू का प्राइस बैंड 77 से 82 प्रति शेयर रखा गया है। इश्यू में 440 करोड़ के फ्रेश शेयर्स और 100 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी इश्यू ओपन होने से पहले 19 एंकर निवेशकों से 161.25 करोड़ पहले ही जुटा चुकी है। इस आईपीओ में एक लॉट में 182 शेयर रखे गए हैं। निवेशकों को कम से कम 182 शेयरों के लिए बोली लगानी पड़ेगी। 82 के ऊपरी दाम पर देखें तो एक लॉट के लिए न्यूनतम निवेश 14,924 बनता है। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी कुल 2,366 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसकी कीमत करीब 1,94,012 होती है। इश्यू ओपन होने से पहले संभव स्टील के शेयर ग्रे मार्केट में 87 पर ट्रेड कर रहे थे, जो 82 के इश्यू प्राइस से 5 ज्यादा है यानी, ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 6.1 फीसदी का दिख रहा है। इश्यू के लिए सब्सक्रिप्शन विंडो 27 जून यानी शुक्रवार को बंद हो जाएगी। इसके बाद 30 जून को शेयरों का आवंटन होगा। कंपनी के शेयर 2 जुलाई बुधवार को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी जेड हेरिंग प्रॉसपेक्टस के मुताबिक फ्रेश इश्यू से मिले 390 करोड़ का इस्तेमाल पुराने कर्जों को चुकाने में करेगी। बाकी रकम सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए रखी है। इससे कंपनी की ब्याज लागत घटेगी और बैलेंस शीट मजबूत होगी। इस आईपीओ का रजिस्ट्रार केफिन टेक्नालॉजिस्ट है, जबकि लीड मैनेजर के तौर पर लुवामा वेल्थ मैनेजमेंट और मोटेल ओसवाल इंवेस्टमेंट एडवाइजर जुड़े हैं।

बिहार के इस शहर में गरजा बुलडोजर

जिलाधिकारी के ऑर्डर पर 6 घंटे तक चला एक्शन

निर्मली (सुपौल)। अतिक्रमण के खिलाफ एक बार फिर प्रशासन सख्ती में आ गया है। एक सप्ताह से रुके हुए अतिक्रमण अभियान को बुधवार को सुचारू करते हुए नगर के हटिया चौक से दशकों से जमे अतिक्रमणकारियों के अवैध कब्जों को हटाया गया। बुधवार सुबह 9:30 बजे से शुरू यह अभियान दोपहर 3:30 बजे तक चला, जिसमें करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद कुल 10 दुकानों को बुलडोजर की सहायता से जमींदोज कर दिया गया। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शशिकांत के नेतृत्व में चले इस अभियान के दौरान अतिक्रमण कारियों और प्रशासनिक टीम के बीच तनातनी भी देखने को मिली। कुछ दुकानदारों ने विरोध किया और टीम के सदस्यों के साथ झड़प की, लेकिन प्रशासन के सख्त रवैये के चलते कार्रवाई निर्बाध रूप से चलती रही। देखते ही देखते आधा दर्जन से अधिक अवैध दुकानें ध्वस्त कर दी गई। प्रशासन के मुताबिक, इन अतिक्रमणकारियों को पहले ही चेतावनी दी गई थी। उन्होंने एसडीएम से एक सप्ताह की मोहलत मांगी थी और वादा किया था कि स्वयं अतिक्रमण हटा लेंगे, लेकिन निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी किसी प्रकार की पहल नहीं किए जाने पर नगर प्रशासन को सख्त कदम उठाना पड़ा। यह कार्रवाई जिलाधिकारी सावन कुमार के निर्देश पर जिलेभर में चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी विशेष अभियान के तहत की गई है। ईओ शशिकांत ने कहा कि नगर पंचायत निर्मली में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली और सड़क पर किए गए सभी अतिक्रमणों को हटाया जा रहा है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अभियान में बाधा उत्पन्न करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर प्रशासन की इस सख्ती के बाद अन्य अवैध अतिक्रमणकारियों में भी हड़कंप की स्थिति देखी जा रही है। अधिकारियों ने साफ किया है कि शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमणमुक्त कर ही यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा।

गड़िया में अतिक्रमण के खिलाफ चला अभियान, अवैध कब्जों को हटाया गया, अब जाम से मिलेगी मुक्ति

खगड़िया। शहर को भीषण ट्रैफिक जाम के झाम से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है! लगातार विकराल होती जाम की समस्या से निपटने के लिए आज एक बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया, जिसने अवैध कब्जों पर जमकर हथौड़ा चलाया। इस सघन अभियान के तहत, जिला प्रशासन और नगर परिषद की टीम ने शहर के हर कोने, खासकर मुख्य मार्गों और बाजारों में फैले अवैध अतिक्रमण को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। सड़क किनारे रखे गए सामान, ठेले-खोमचे और गैर-कानूनी निमार्णों को हटाया गया, जिससे सड़कें अब खुली-खुली नजर आ रही हैं और राहगीरों ने राहत की सांस ली है। स्थानीय लोग इस अभियान से बेहद खुश हैं और उन्होंने प्रशासन के इस साहसिक कदम का दिल खोलकर स्वागत किया है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि अब शहर को भीषण जाम की समस्या से काफी हद तक छुटकारा मिल पाएगा। जिला प्रशासन ने भी साफ कर दिया है कि यह अभियान सिर्फ एक बार का नहीं है, बल्कि लगातार जारी रहेगा ताकि खगड़िया को पूरी तरह से जाम-मुक्त बनाया जा सके। जिला प्रशासन ने शहरवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे सड़कों पर अतिक्रमण न करें और उन्हें खाली रखें, ताकि यातायात बिना किसी रुकावट के सुचारु रूप से चल सके। इस अभियान में बीपीआरओ आनंद रंजन, एलईओ दीपक कुमार, ईओ रवि कुमार के नेतृत्व में नगर परिषद के राजीव कुमार यादव और अन्य कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोतिहारी में टेम्पो पलटा, एक की मौत

मोतिहारी। पताही थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में वृद्ध महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब यात्रियों से भरी एक टेम्पो सामने से आ रही बोलेरो को साइड देने के दौरान बेकाबू होकर पलट गई। घटना संत जेवियर्स स्कूल के समीप मटकोरवा पुल के पास की है। मृतका की पहचान रतनसार गांव निवासी महेन्द्र महतो की पत्नी भागा देवी (70) के रूप में हुई है। वहीं, घायल महिला फेनहारा थाना क्षेत्र के कालूपाकर गांव निवासी केदार सिंह की पत्नी सुनीता देवी बताई जा रही हैं। घायल महिला को इलाज के लिए एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पताही थाना की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, टेम्पू को जब्त कर, उसके चालक को हिरासत में लेकर थाने लाया गया है। मामले की जांच जारी है। मृतका की पोती अनीता कुमारी ने बताया कि उनकी दादी भागा देवी पिछले 3 महीने से पताही स्थित बैंक के चक्कर लगा रही थीं, क्योंकि खाते में ङउ अपडेट नहीं होने के कारण वृद्धा पेंशन की राशि नहीं मिल पा रही थी। गुरुवार को भी वह बैंक के काम से पताही गई थीं और लौटते समय यह हादसा हो गया। अनीता ने रोते हुए कहा, ह्लसिर्फ 1200 रुपए के लिए मेरी दादी की जान चली गई। अगर पहले पैसा मिल गया होता, तो शायद वह हादसा न होता। मिली जानकारी के अनुसार, टेम्पू पताही बाजार से यात्रियों को लेकर बखरी होते हुए रतनसार जा रही थी। टेम्पू में कुल 7 लोग सवार थे। मटकोरवा पुल के पास बोलेरो को साइड देने के प्रयास में टेम्पो असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, एक गंभीर रूप से घायल है, जबकि 5 अन्य लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

बर्थडे पर घर से बुलाकर ले गई गर्लफ्रेंड, कुछ ही देर बाद हो गई हत्या

औरंगाबाद। दसवीं कक्षा के छात्र की निर्मम हत्या कर दी है। बताया जा रहा है एक किशोरी घर आकर छात्र को अपनी बर्थ डे पार्टी में बुला ले गई, जहां उसके परिवार वालों ने छात्र की लाठी-डंडे से पीट और धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी। हालांकि, वारदात के दौरान ही किशोर दौड़ी-दौड़ी छात्र के घर जाकर अपने परिजनों द्वारा बेरहमी से पीटे जाने की सूचना दी लेकिन परिजनों के मौके पर पहुंचने तक छात्र की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान औरंगाबाद के बारूण थाना क्षेत्र के जानपुर गांव निवासी मनोज पासवान के इकलौते पुत्र हिमांशु कुमार(16) के रूप में की गई है, जो दसवीं कक्षा का छात्र था। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बारूण थाना की पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेजने के बाद आगे की कार्रवाई में जुटी है। घटना के बाद गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराने औरंगाबाद सदर अस्पताल आए मृतक के परिजनों ने बताया कि बुधवार रात हिमांशु को पास के ही एक घर की किशोरी घर आकर अपनी बर्थ डे पार्टी के लिए बुला ले गई थी। इसके कुछ ही देर बाद किशोरी रोती हुई हिमांशु के घर आई और परिजनों को बताया कि उसका बड़ा भाई हिमांशु को बेरहमी से पीट रहा हैं, उसे चल कर बचा लीजिए। सूचना मिलते ही जब हिमांशु के परिजन मौके पर पहुंचे, तो हिमांशु वहां मरा हुआ पड़ा था। घटना की जानकारी होते ही गांव के लोगों की भीड़ जमा गई। इसके बाद मृतक के परिजनों ने घटना की सूचना बारूण थाना की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया। इधर, घटना को लेकर गांव में यह चर्चा है कि हिमांशु का प्रेम प्रसंग किशोरी से चल रहा था। इसी वजह से उसके भाई और परिजनों ने किशोर की हत्या की है। कहा जा रहा है कि बुधवार को किशोरी का जन्मदिन था। रात में किशोरी ने हिमांशु को उसे अपने घर पर बुलाया। उस वक्त किशोरी के घर में कोई नहीं था। किशोरी का भाई भी नहीं था और उसके पिता भी बाहर गए हुए थे। जैसे ही हिमांशु किशोरी के घर पहुंचा, उसे किशोरी के चचेरे भाइयों ने छत से देख लिया। इसके बाद उनके द्वारा किशोरी के पिता महेंद्र यादव को फोन कर बुलाया गया और हिमांशु को घर में बंद कर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मामले में बारूण थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर गांव पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। घटनास्थल पर फोरेंसिक साइंस लैब की टीम से साक्ष्य संकलन कराया गया है। मामले में मृतक के पिता मनोज पासवान के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले में मृतक में लिखित शिकायत में कहा है कि मेरा बेटा हिमांशु रात में करीब साढ़े नौ बजे घर से बाहर पेशाब करने के लिए निकला था। इसी दौरान गांव के ही महेंद्र यादव, साधु यादव उर्फ बीरेंद्र यादव, सुमन कुमार, नीतीश कुमार और रामकेवल यादव मेरे बेटे को खींचकर अपने घर की ओर ले गए। हिमांशु के चीख-पुकार की आवाज सुनकर हमलोग दौड़े तो महेंद्र यादव ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए हम पर हमला बोल दिया, जिससे वें हिमांशु को छुड़ा नही सके।

संक्षिप्त डायरी

स्मार्ट प्रीपेड मीटर सिस्टम होगा अपग्रेड

जमुई। दक्षिण बिहार बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड के उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने के उद्देश्य से स्मार्ट प्रीपेड मीटर सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है। यह तकनीकी उन्नयन 26 जून से 29 जून 2025 तक किया जाएगा। कंपनी की ओर से जारी सूचना के अनुसार, इस दौरान उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आएगी, यानी विद्युत विच्छेद नहीं किया जाएगा। जेई प्रीतम राज ने बताया कि विद्युत विच्छेद नहीं होगा पर इस अवधि में उपभोक्ता एसबीपीडीसीएल के मोबाइल ऐप या अन्य ऑनलाइन माध्यमों पर अपने मीटर की अद्यतन जानकारी, जैसे दैनिक कटौती या शेष बैलेंस आदि, नहीं देख सकेंगे। एसबीपीडीसीएल ने स्पष्ट किया है कि सिस्टम अपग्रेड का कार्य पूरा होने के बाद सभी सेवाएं सामान्य रूप से सुचारु हो जाएंगी और उपभोक्ता अपनी बिजली खपत से जुड़ी पूरी जानकारी पुनः प्राप्त कर सकेंगे। कंपनी ने उपभोक्ताओं से इस अस्थायी असुविधा के लिए सहयोग की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि यह अपग्रेड भविष्य में उपभोक्ता अनुभव को और अधिक बेहतर बनाएगा।

राजद ने खुद कराई जांच में किया दावा, महिला की दुष्कर्म के बाद की गई हत्या, तेजाब उड़ेल शव जलाया

पटना। नवगछिया में 14 जून को एक महिला की हत्या कर दी गई थी। राजद की नौ सदस्यीय टीम ने अपने स्तर से उस प्रकरण की जांच की। गुरुवार को प्रेस-वार्ता कर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि सामंती प्रवृत्ति के अपराधियों ने अति-पिछड़ा वर्ग की गरीब महिला की हत्या की है। हत्या से पहले दुष्कर्म हुआ और शव पर तेजाब भी उड़ेला गया। दोनों पैर चीर दिए गए थे। 24 जून को घटनास्थल पर पहुंची जांच टीम को महिला के पुत्र-पुत्रवधू से इसकी जानकारी मिली। मंगनीलाल ने कहा कि पुलिस-प्रशासन, अपराधी और राजनेताओं का नापाक गठबंधन इस मामले को रफा-दफा करने में लगा है प्राथमिकी सही तरीके से नहीं हुई। स्वजन जिसे मुख्य आरोपित बता रहे उसका नाम प्राथमिकी में नहीं। दुष्कर्म व तेजाब का उल्लेख नहीं। नियमानुसार पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया जाना चाहिए, जिसका अभी तक अनुपालन नहीं हुआ। पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो राजद चुप नहीं बैठेगा। पीड़ित परिवार को राजद अपने खर्च से वरीय वकील की सेवा उपलब्ध कराएगा। मंगनीलाल ने कहा कि 2017 के बाद से 17 से अधिक ऐसे मामले हैं, जिनमें दुष्कर्म के बाद अनुसूचित जाति, पिछड़ा व अति-पिछड़ा समाज की बहू-बेटी की हत्या कर दी गई, लेकिन पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला। प्रेस-वार्ता में कांति सिंह, रणविजय साहू, बीनू यादव, अरुण कुमार यादव, प्रमोद कुमार सिन्हा, मदन शर्मा व अरविंद सहनी उपस्थित रहे।

बिहार के भूमि सुधार विभाग की रैंकिंग में उतार चढ़ाव, समस्तीपुर के कल्याणपुर की लंबी छलांग

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की मई की महीने की रैंकिंग में बांका का फुल्लीडुमर अंचल पहले स्थान पर रहा। औरंगाबाद का हसपुरा दूसरे और बेगूसराय का खोदाबंदपुर तीसरे स्थान पर रहा। अप्रैल की रैंकिंग में जमुई का लक्ष्मीपुर दूसरे स्थान पर था। रैंकिंग सौ अंकों के आधार पर होती है। मुजफ्फरपुर का पारू अंचल पिछले महीने के 17 वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गया है। गया का डुमरिया सातवें से पांचवें, जमुई का लक्ष्मीपुर दूसरे से छठे, बांका का बांका सदर 12 वें से सातवें, समस्तीपुर का कल्याणपुर लंबी छलांग लगाकर 103 वें से आठवें, बक्सर का चक्की 280 वें से नौवें और कैमूर का अधौरा 94 वें से दसवें स्थान पर आ गया है।-काराकाट(रोहतास)- 48.33 अंक, सासाराम (रोहतास)- 48.24 , बोधगया (गया)- 47.95, बड़हरा (भोजपुर)- 47.25, शाहपुर (भोजपुर)- 47.15, राजपुर(रोहतास)- 46.63, कोढ़ा (कटिहार)- 46.20, दुल्हिन बाजार(पटना)- 46.05, जगदीशपुर (भागलपुर)- 44.93 एवं 10. बथानी (गया)- 43.03 अंक। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि प्रत्येक माह राजस्व के विभिन्न कार्यों के आधार पर रैंकिंग जारी की जा रही है। कार्यों की लगातार समीक्षा के कारण कार्यप्रणाली में सुधार दिख रहा है। अंचलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से जनता का भला होगा और समय से उनके कार्य पूरे होंगे।

विधवा के साथ पकड़े गए बिहार के हेडमास्टर

सहरसा। काशनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रिया गांव स्थित मध्य विद्यालय पड़रिया के प्रधानाध्यापक भुवनेश्वर पासवान को मैना गांव में एक विधवा महिला के साथ ग्रामीणों ने संदिग्ध अवस्था में कमरे में पकड़ा। ग्रामीणों ने हेडमास्टर की पिटाई के बाद विधवा से उनकी शादी करा दी।मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को लेकर थाना पहुंची, लेकिन किसी तरह की शिकायत नहीं मिलने पर थाने से छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, पड़रिया गांव स्थित मध्य विद्यालय पड़रिया के प्रधानाध्यापक सासाराम निवासी भुवनेश्वर पासवान पूर्व में मैना मध्य विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। उक्त विद्यालय में ही महिला के पति भी शिक्षक थे। जिनकी मौत दो साल पूर्व चुनाव ड्यूटी के दौरान हृदयाघात से हो गई थी। भुवनेश्वर पासवान मैना गांव स्थित उक्त शिक्षक के घर के निकट ही किराए के मकान में रहते थे। जिस कारण शिक्षक के परिवार से नजदीकी बढ़ गयी थी। इस सब के बीच शिक्षक भुवनेश्वर पासवान का स्थानांतरण मध्य विद्यालय पड़रिया में हो गया। शिक्षक मृत्यु के बाद भी प्रधानाध्यापक भुवनेश्वर की शिक्षक की विधवा से नजदीकियां बढ़ती चली गई। नजदीकी प्यार में बदल गया और सारे बंदिशों को तोड़कर बुधवार रात दोनों प्रेमालाप करते संदिग्ध अवस्था में एक साथ पकड़े गए। ग्रामीणों ने पहले प्रधानाध्यापक की जमकर पिटाई की। सूचना मिलते ही काशनगर पुलिस पहुंची, लेकिन ग्रामीणों की मौजूदगी में तबतक दोनों की शादी करवा दी गई। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ पुलिस ने कड़ी मशक्कत बाद शिक्षक और महिला को हिरासत में लेकर थाना पहुंची। किसी तरह की लिखित शिकायत नही मिलने पर दोनों को थाना से छोड़ दिया गया। बताते चलें कि दोनों को पूर्व से पांच-पांच बच्चे हैं।

जहानाबाद से अरवल और नालंदा जाना होगा आसान

टू लेन से होगा फोर लेन, 2300 करोड़ रुपये होंगे खर्च

पटना। दक्षिण बिहार के लिए एक बड़ी सौगात देते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-33 के अरवल से बिहार शरीफ तक के खंड को फोर लेन में विकसित करने के प्रस्ताव को 2300 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की है। यह परियोजना राज्य के तीन महत्वपूर्ण जिलों अरवल, जहानाबाद और नालंदा की कनेक्टिविटी और विकास को नई गति देगी। इससे पहले बिहार सरकार ने भूमि अधिग्रहण हेतु 600 करोड़ रुपये की राशि जारी की थी, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन की राह पहले ही आसान हो चुकी थी। अब केंद्र की स्वीकृति से यह सपना जल्द ही धरातल पर उतरने जा रहा है। करीब 90 किलोमीटर लंबी इस फोर लेन सड़क के निर्माण से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि यह कई महत्वपूर्ण राजमार्गों से भी जुड़ जाएगा। प्रस्तावित एनएच -33 अब पटना-औरंगाबाद फोर लेन, पटना-गया फोर लेन, और बख्तियारपुर-रजौली फोर लेन को आपस में जोड़ेगा। साथ ही यह आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा, जिससे दिल्ली से कोलकाता तक एक नया, तेज और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग तैयार हो जाएगा। इस परियोजना के तहत अरवल, जहानाबाद और एकंगरसराय में बाईपास सड़क का निर्माण होगा। इससे इन शहरों में भारी वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी। नगरवासियों को शांति मिलेगी और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। यह फोर लेन सड़क परियोजना राजगीर, सुल्तानगंज और भागलपुर जैसे ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों तक पहुंच को सरल बनाएगी। साथ ही, नालंदा विश्वविद्यालय और विश्व धरोहर स्थलों तक आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और शोधकताओं को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे स्थानीय पर्यटन, रोजगार और व्यापार को नया आयाम मिलेगा। सड़क विकास विशेषज्ञ मनीष कुमार भारद्वाज ने इस संदर्भ में कहा कि अगर एनएच-33 का विस्तार अरवल से बक्सर तक किया जाए, तो यह सीधा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा। इससे नालंदा, जहानाबाद और अरवल जिलों का दिल्ली से सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विस्तार केवल एक सड़क नहीं बल्कि, पूरे दक्षिण बिहार की आर्थिक, शैक्षणिक और पर्यटन गतिविधियों के लिए जीवन रेखा बन सकता है।उनके अनुसार, यह प्रस्ताव नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, घोड़ा कटोरा, और वेणुवन जैसे स्थलों तक दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से सीधी सड़क यात्रा को सुलभ बना देगा। इससे बिहार की अंतरराष्ट्रीय साख को भी मजबूती मिलेगी। ध्यान देने योग्य बात है कि एनएच-33 का मोकामा से भागलपुर खंड पहले से ही फोर लेन में विकसित किया जा रहा है, और बिहटा-सरमेरा पथ को मोकामा तक विस्तारित कर फोर लेन में तब्दील करने की योजना भी प्रगति पर है। ये दोनों मार्ग भी प्रस्तावित नेटवर्क से जुड़ जाएंगे, जिससे दिल्ली से हावड़ा तक का नया फोर लेन कॉरिडोर तैयार हो जाएगा, जो नालंदा जिले के हृदय से होकर गुजरेगा। सड़क निर्माण के दौरान और उसके पश्चात स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे वहीं, बेहतर संपर्क से क्षेत्र में निवेश, व्यापार और उद्योग की संभावना भी बढ़ेगी। छोटे दुकानदार, किसान और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े लोगों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

शरीर को जर्जर कर सकती है इस विटामिन की कमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन से भरपूर आहार लेना जरूरी है। अगर किसी एक विटामिन की कमी हो जाए तो इससे पूरी बॉडी पर असर पड़ता है। धीरे-धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है और शरीर बीमारियों का घर बना जाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी सबसे जरूरी है। जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देता है और उसे मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन सी की कमी (Vitamin C Deficeieny) हो जाए तो इससे आप जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं। मामूली सर्दी जुकाम भी शरीर पर असर दिखाने लगता है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण बाल टूटने लगते हैं। हड्डियां कमजोर हो जाती है और चेहरे पर अर्ली एजिंग के निशान दिखने लगते हैं। विटामिन सी की कमी ओरल हेल्थ यानि आपके दांत और मसूड़ों को भी प्रभावित करती है। यानि शरीर में विटामिन सी कमी होने पर पूरा ढांचा ही खराब होने लगता है।

आप विटामिन सी की कमी के लिए कुछ खास चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। जिससे शरीर को रोजाना की विटामिन सी की जरूरतों को पूरा करने में आसानी हो। खाने-पीने में ऐसी कई चीजें है जो आपकी विटामिन सी की डेली नीड्स को पूरा कर सकती हैं। आइये जानते हैं विटामिन सी से भरपूर भोजन क्या है? किन चीजों में विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है?

विटामिन सी से भरपूर चीजें

आंवला- विटामिन सी के लिए आवला को सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। आंवला में भरपूर विटामिन सी पाया जाता है। डेली किसी भी तरह 1 आंवला खाने की कोशिश करें। एक मीडियम साइज का आंवला खाने से 600- 700 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है। आप रोजाना आंवला का जूस, आंवला पाउडर, आंवला का अचार या आंवला की चटनी खा सकते हैं।

अमरूद- ज्यादातर लोगों को लगता है कि सिर्फ खट्टी चीजों में ही विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। फलों में अमरूद विटामिन सी से भरपूर माना जाता है। एक मीडियम साइज का अमरूद रोजाना खाने से करीब 228 मिलीग्राम विटामिन ष्ट मिलता है। इसलिए डाइट में अमरूद जरूर शामिल करें।

कीवी- फलों में रोजान कीवी खाने से भी विटामिन सी की कमी को दूर किया जा सकता है। इसलिए रोजाना 1 कीवी जरूर खाया करें। 1 कीवी में लगभग 92 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। जिससे आपको डेली की जरूरतों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

पपीता- लगभग 1 कप पपीता खाने से शरीर को 88 मिलीग्राम विटामिन सी मिल जाता है। इसलिए पपीता को डेली डाइट में शामिल करें। पपीता गर्मियों में पेट को हेल्दी रखने में मदद करता है और इससे शरीर को दूसरे जरूरी विटामिन भी मिल जाते हैं। पपीता खाने से विटामिन सी की कमी दूर हो सकती है।

संतरा और नींबू- विटामिन सी के लिए संतरा, मौसमी और नींबू को भी बहुत अच्छा माना जाता है। सिट्रिक फ्रूट्स में विटामिन सी पाया जाता है। रोजाना एक मीडियम संतरा खाने से शरीर में 70 मिलीग्राम विटामिन सी पहुंचता है। आप संतरा का जूस भी पी सकते हैं। वहीं 100 ग्राम नींबू खाने से भी करीब 50-60 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है।

किन लोगों को मट्ठा पीने से परहेज करना चाहिए?

गर्मियों के मौसम में लोगों को छाछ पीना काफी पसंद होता है। छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छाछ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है? कुछ लोगों को छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आइए छाछ पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

गले से जुड़ी समस्या

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी गले से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपको छाछ का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ की तासीर ठंडी होती है। यही वजह है कि खांसी-जुकाम में छाछ पीने की वजह से आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है।

एक्जिमा का शिकार लोग

अगर आपको एक्जिमा है, तो आपको छाछ को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए। छाछ में मौजूद कुछ तत्व आपकी त्वचा की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। एक्जिमा का शिकार लोगों को मट्ठा पीने से त्वचा पर जलन, खुजली या फिर लालपन जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंट

क्या आप लैक्टोज इनटॉलेरेंट हैं? अगर हां, तो आपको छाछ नहीं पीनी चाहिए वरना आपकी तबीयत खराब हो सकती है। लैक्टोज इनटॉलेरेंस की समस्या से जूझ रहे लोगों को छाछ या फिर दूध से बनी चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। इस तरह के लोग दूध को सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं कर पाते जिसकी वजह से उनकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको छाछ पीने से बचना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ

खाते ही जलन-एसिडिटी को करता है दूर

गर्मियों में पेट से जुड़ी समस्याएं काफी परेशान करती हैं। जरा सा तेल मसालेदार खाना खाने से ही जलन, गैस और एसिडिटी होने लगती है। ऐसा लगता है कि खाने में सिर्फ ठंडी चीजों को ही शामिल करें। खाने के बाद जिनको ज्यादा ब्लोटिंग होती है उन्हें डाइट में कुछ घरेलू चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे गैस एसिडिटी कम हो। रसोई में रखी ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें खाने से पेट की जलन और गैस एसिडिटी को कम किया जा सकता है। इसके लिए सौंफ बेहतरीन मसाला है। सौंफ खाने से पेट ठंडा रहता है। गर्मियों में खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ खाने से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। जानिए कब और कैसे करें सौंफ का इस्तेमाल?

पेट की जलन दूर कर देगा ये मसाला

गर्मियों में सौंफ का सेवन जरूर करना चाहिए। सौंफ की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में कई ड्रिंक्स और दूसरी डिश में सौंफ का उपयोग किया जाता है। आप सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। गैस एसिडिटी को भी सौंफ खाकर दूर किया जा सकता है।

कैसे करें सौंफ का सेवन

सौंफ को खाने के बाद ऐसे ही चबाकर खा सकते हैं। सौंफ और मिश्री मिलाकर भी खा सकते हैं। सौंफ को पीसकर पाउडर बना लें। पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का पाउडर खा लें। आप चाहें तो सौंफ का पानी भी पी सकते हैं। एसिडिटी बहुत ज्यादा बनने वालों को सुबह खाली पेट कुछ दिनों सौफ का पानी पीना चाहिए।

सौंफ के फायदे

सौंफ का सेवन करने से पाचन मजबूत होता है। सौंफ में फाइबर भरपूर होता है जिससे डाइजेशन में मदद मिलती है।

सौंफ लिवर के लिए भी अच्छी मानी जाती है। सौंफ का सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है। इससे शरीर में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

सौंफ खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। शरीर पर जमा फैट कम होने लगता है।

पुरानी कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए सौंफ का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। कब्ज से परेशान लोगों को सौंफ जरूर खानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ मदद करती है। इससे बीपी कंट्रोल होगा और दिमाग भी शांत होगा।

सौंफ का सेवन फीड कराने वाली महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है।

फायदेमंद होता है धनिए का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक धनिए के पानी में विटामिन सी, ए, के, बी6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, सेलेनियम, मैंगनीज, सोडियम, फोलेट, थायमिन, नियासिन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक धनिए के पानी में पाए जाने वाले तत्व आपकी गट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। क्या आप गैस, एसिडिटी या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको धनिए के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। धनिए का पानी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है।

बॉडी को डिटॉक्स करने में कारगर

धनिए का पानी पीकर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर अपनी किडनी और अपनी लिवर के सेहत को मजबूत बना पाएंगे। धनिए के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में असरदार साबित हो सकते हैं। धनिए का पानी पीकर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं यानी डायबिटीज पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक फायदेमंद साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से धनिए के पानी को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

कैसे बनाएं धनिए का पानी?

धनिए का पानी बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले धनिए के बीजों को रात भर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब आप अगली सुबह इस पानी को छानकर पी सकते हैं। इसके अलावा धनिए की पतियों को पानी में बॉइल करके भी कंज्यूम किया जा सकता है।

गर्मियों में ककड़ी खाने के फायदे

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन

रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका

ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

आईसीसी ने क्रिकेट में बदले ये नियम

लीड्स (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (आईसीसी) ने क्रिकेट में कई बदलाव करते हुए नये नियम लागू कर दिये हैं। इसमें स्टॉप क्लॉक से डीआरएस और नो बॉल से शॉर्ट रन तक के नियम हैं। आईसीसीस ने ये बदलाव इसलिए किये हैं जिससे कि खेल का रोमांच लौटे। वहीं बाउंड्री लॉ और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35वें ओवर के बाद एक ही गेंद से गेंदबाजी करना शामिल है। कुछ नियम 17 जून से शुरू हुई नई डब्ल्यूटीसी साइकल में लागू हो गए हैं। वहीं इसके अलावा 2 जुलाई से कुछ और नियम लागू होने वाले हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक, लार पर प्रतिबंद रहेगा और गेंद नहीं बदली जाएगी। इसके अलावा डीआरएस से जुड़े कुछ नियम बदलने वाले हैं। नई खेल नियमों का खाका भी आईसीसी ने हाल ही में अपने सदस्य देशों को भेजा है।

लार पर प्रतिबंध

गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी है, लेकिन आईसीसी ने कहा है कि अब अंपायरों के लिए गेंद पर लार पाए जाने पर गेंद को बदलना अनिवार्य नहीं है। यह बदलाव ऐसी स्थिति से बचने के लिए किया गया है, जहां गेंद को बदलने की कोशिश करने वाली टीमें जानबूझकर उस पर लार लगाती हैं। इसलिए आगे चलकर, अंपायर केवल तभी गेंद को बदलेंगे, जब उसकी कंडीशन में बहुत ज्यादा बदलाव हुआ हो - जैसे कि अगर वह बहुत गीली दिखाई दे या उसमें ज्यादा चमक हो। यह पूरी तरह से अंपायरों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। साथ ही, अगर अंपायरों के यह कहने के बाद भी कि लार के इस्तेमाल से गेंद की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है, गेंद में कुछ बदलाव होने लगे, तो उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि, बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन दिए जाएंगे।

डीआरएस प्रोटोकॉल

उदाहरण के तौर पर - एक बल्लेबाज को कैच आउट करार दिया गया है और वह रिव्यू के लिए कहता है। अल्ट्राएज दिखाता है कि गेंद वास्तव में बल्ले से नहीं लगी और सीधी पैड से टकराई है। इस केस में बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो टीवी अंपायर अब तक आउट होने के दूसरे तरीके की जांच करता है और बॉल-ट्रैकिंग के माध्यम से यह सत्यापित करने की कोशिश करता है कि बल्लेबाज एलबीडब्ल्यू है या नहीं। अब तक इस तरह के रिव्यू के दौरान प्रोटोकॉल यह था कि एक बार यह निर्धारित हो जाने के बाद कि बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो आउट होने के दूसरे तरीके यानी एलबीडब्ल्यू के लिए डिफॉल्ट निर्णय नॉट आउट होता था। इसका मतलब है कि अगर बॉल-ट्रैकिंग से अंपायर्स कॉल आता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट ही रहेगा, लेकिन अपडेट किए गए नियमों के तहत जब एलबीडब्ल्यू के लिए बॉल-ट्रैकिंग ग्राफिक प्रदर्शित किया जाता है, तो उस पर ऑरिजनल डिसिजन लेबल आउट लिखा होगा और अगर समीक्षा में अंपायर का फैसला आता है, तो बल्लेबाज आउट हो जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक रूल

सफेद गेंद प्रारुप में स्टॉप क्लॉक शुरू हुए एक साल का समय हो चुका है। आईसीसी ने इस नियम को टेस्ट क्रिकेट में भी शुरू करने का फैसला किया है, क्योंकि इस फॉर्मेट में धीमी ओवर गति लंबे समय से एक समस्या बना हुआ है। नियम के अनुसार, गेंदबाजी करने वाली टीम को पिछले ओवर के खत्म होने के एक मिनट के भीतर ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसा ना करने पर उन्हें अंपायरों से दो वॉर्निंग मिलेंगी। तीसरी बार मे अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रनों की पेनल्टी लगाएंगे। 80 ओवर के प्रत्येक ब्लॉक के बाद वॉर्निंग फिर से शुरू होगी। ओवर की आखिरी गेंद के प्ले से बाहर जाते ही स्कीन पर उल्टी गिनती 60,59,58...3,2,1 शुरू होगी। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनपशिप चक्र से लागू हो गया है।

कंबाइंड रिव्यू

आईईसीसी ने अंपायर और खिलाड़ी दोनों के रेफरल को शामिल करते हुए कंबाइड रिव्यू के दौरान निर्णय की प्रक्रिया को संशोधित करने का भी निर्णय लिया है। आईसीसी ने फैसला किया है कि एक के बाद एक यानी क्रॉनोलॉजिकल ऑर्डर में रिव्यू होगा। अब तक, संयुक्त समीक्षा के दौरान टीवी अंपायर खिलाड़ी की समीक्षा पर जाने से पहले अंपायर रिव्यू लेता था। संशोधित आईसीसी खेल शर्तों में नियम 3.9 कहता है, यदि पहली घटना से यह निष्कर्ष निकलता है कि बल्लेबाज आउट हो गया है, तो उस समय गेंद को डेड माना जाएगा, जिससे दूसरी घटना की जांच अनावश्यक हो जाएगी। इसलिए यदि एलबीडब्लू के साथ-साथ रन आउट की अपील होती है, तो टीवी अंपायर अब पहले लेग-बिफोर का रिव्यू लेगा, क्योंकि वह पहले हुई थी। यदि बल्लेबाज आउट हो जाता है, तो गेंद को डेड घोषित कर दिया जाएगा।

नो बॉल पर फेयर कैच होगा रिव्यू

मान लीजिए कि ऐसा कोई मामला है, जिसमें दोनों ऑन-फील्ड अंपायर इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि कैच क्लीन पकड़ा गया है या नहीं, लेकिन जब वे विचार-विमर्श कर रहे होते हैं, तो टीवी अंपायर उन्हें बताता है कि यह नो-बॉल थी। प्लेइंग कंडीशन्स के पिछले संस्करण में, नो-बॉल का संकेत दिए जाने के बाद टीवी अंपायर को कैच की निष्पक्षता पर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती थी, लेकिन अपडेट की गई प्लेइंग कंडीशन्स में, तीसरा अंपायर अब कैच की समीक्षा करेगा और अगर यह एक फेयर कैच है तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को नो-बॉल के लिए केवल एक अतिरिक्त रन मिलेगा। हालांकि, अगर कैच फेयर नहीं है, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को बल्लेबाजों द्वारा लिए गए रन भी मिलेंगे।

जानबूझकर शॉर्ट रन

अभी तक, अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर शॉर्ट रन लेते हुए पकड़ा जाता था, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन की पेनल्टी भुगतनी पड़ती थी, लेकिन अपडेट किए गए नियमों में अगर कोई बल्लेबाज अतिरिक्त रन चुराने के लिए जानबूझकर मैदान पर नहीं जाता है, तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर रखना चाहते हैं। साथ ही, पांच रन की पेनल्टी भी सजा का हिस्सा बनी रहेगी। खेल की शर्तों के नियम 18.5.1 में कहा गया है, जानबूझकर लिया गया शॉर्ट रन बल्लेबाजों द्वारा एक से अधिक रन बनाने का प्रयास है, जबकि कम से कम एक बल्लेबाज

जानबूझकर एक छोर पर दूर तक ना जाए। बल्लेबाज रन ना लेने का विकल्प चुन सकते हैं, बशर्ते अंपायर को लगे कि संबंधित बल्लेबाज का अंपायरों को धोखा देने या ऐसा रन बनाने का कोई इरादा नहीं था, जिसमें उन्होंने क्रीज को नहीं बदला।

घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूर्ण-कालिक स्थानापन्न खिलाड़ी

गंभीर बाहरी चोट से पीड़ित खिलाड़ी के नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी ने बोर्ड से अपने घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक पूर्णकालिक स्थानापन्न खिलाड़ी को मैदान में उतारने का परीक्षण करने के लिए कहा है, जो आकर टीम के प्रतिभागी की भूमिका निभा सकता है। रिप्लेसमेंट प्लेयर को एक जैसा होना होगा, जैसा कि एक कनकशन सब के मामले में होता है। चोट स्पष्ट होनी चाहिए और मैच अधिकारियों को दिखाई देनी चाहिए, तभी वे फुलटाइम रिप्लेसमेंट की अनुमति देंगे। यह उन खिलाड़ियों पर लागू नहीं होगा जो हैमस्ट्रिंग खिंचाव या छोटी-मोटी चोटों से पीड़ित हैं। यह नियम परीक्षण के आधार पर होगा और इसे पूरी तरह से सदस्य देशों पर निर्भर करता है कि वे अपने घरेलू प्रथम श्रेणी सर्किट में इसे लागू करें।

कैरीसा के नाम केयर्न्स कप का खिताब, भारत की हरिका तीसरे स्थान पर

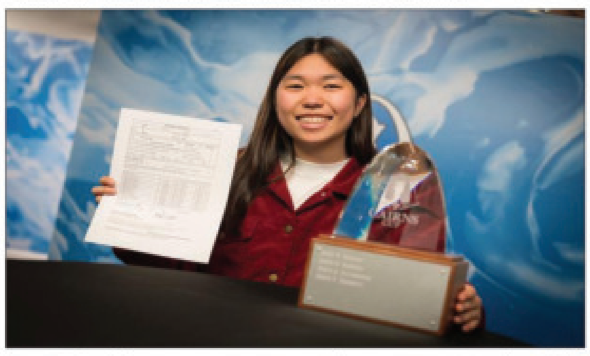

स्पोर्ट्स डेस्क। सयुंक्त राज्य अमेरिका के सेंट लुइस (निकलेश जैन) में 10 जून से शुरू हुई अमेरिका और विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप का समापन मेजबान देश की खिताबी जीत से हुआ और मेजबान देश की ही कैरीसा यिप ने यह प्रतियोगिता जीतकर केयर्न्स कप का खिताब जीता, साथ ही साथ उन्होंने अपना दूसरा ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी हासिल किया।प्रतियोगिता की कुल इनामी राशि 250000 डॉलर थी और कैरीसा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 65000 डॉलर अपने नाम किए। बड़ी बात यह रही की दूसरे स्थान पर भी यूएसए की ही खिलाड़ी एलिस ली रही जिन्होने 50,000 डॉलर अपने नाम किए , भारत की हरिका द्रोणावल्ली तीसरे स्थान पर रही और उन्होने 40,000 डॉलर अपने नाम किए । एक समय खिताब की बड़ी दावेदार लग रही कोनेरु हम्पी अंतिम दौर मे तीन अप्रत्याशित हार से पांचवें स्थान पर सरक गयी

इस प्रतियोगिता में 7 देशों से कुल 10 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया और प्रतियोगिता में हर एक खिलाड़ी ने बचे हुए 9 खिलाड़ियों से बाजियाँ खेलीं और प्रतियोगिता की समय सीमा के अंतर्गत यह एक क्लासिकल प्रतियोगिता थी जिसमें 90 मिनट शुरू की 40 चालों के लिए और उसके बाद अतिरिक्त 30 मिनट 41वीं चाल से दोनों ही खिलाड़ियों को मिले, साथ ही साथ पहली चाल से 30 सेकंड का बोनस भी था।

सूर्यकुमार की सर्जरी हुई

म्यूनिख। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की स्पोर्ट्स हर्निया के लिए जर्मनी के म्यूनिख शहर में सर्जरी हुई है। सूर्यकुमार पिछले कुछ समय से इसके कारण दर्द से परेशान थे। इसी कारण उन्होंने टी20 क्रिकेट के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले सर्जरी कराना ही सही समझा। सूर्यकुमार का इलाज जर्मनी के म्यूनिख में हुआ। स्पोर्ट्स हर्निया से वे परेशान थे, इसी लिए आईपीएल 2025 समाप्त होने के बाद

वह सर्जरी के लिए वहां गये। इसकी सर्जरी सफल रही जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की एक तस्वीर जारी करते हुए कहा कि वह अब सर्जरी से उबरने की प्रक्रिया में हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही जिसके बाद अब मैं ठीक हो रहा हूं और बेसब्री से वापस आने का इंतजार कर रहा हूं। सूर्यकुमार ने अभी अपनी वापसी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नही दी है पर उम्मीद है कि वह अगस्त तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे और पेशेवर क्रिकेट में लौट जाएंगे। अगस्त तक भारतीय टी20 टीम का कोई कार्यक्रम नहीं है, इससे सूर्यकुमार के बाहर होने से भी भारतीय टीम को कोई नुकसान नहीं होगा। भारतीय टीम को 17 अगस्त से बांग्लादेश के दौरे पर जाना है, जहां सीमित ओवरों की सीरीज होगी। पहले तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी और फिर इतने ही मैचों की टी20 सीरीज होनी है। इसी टी20 सीरीज से सूर्यकुमार वापस आयेंगे।

पृथ्वी शॉ ने मानी अपनी गलती बोले, में भटक गया था, कठिन समय में केवल ऋषभ ने दिया साथ

मुम्बई ।खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने माना है कि उन्होंने अपने करियर में गलतियां की हैं जिनका नुकसान अब उन्हें उठाना पड़ा है। साथ ही कहा कि वह खराब फैसले ले रहे।पृथ्वी ने कहा कि कठिन समय में केवल ऋषभ पंत ने ही उनका साथ दिया और हौंसला बढ़ाया।पृथ्वी के अनुसार जब वह अपनी जिंदगी में बेह्द 'अकेले' थे तो वो केवल ऋषभ ही थे जिन्होंने उनसे संपर्क किया।एक समय वह भारतीय टीम में अगले सचिन तेंदुलकर माने जा रहे थे पर आज हालत इतनी खराब है कि वह मुंबई की घरेलू टीम से भी बाहर कर दिए गए हैं।इतना ही नहीं आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भी कोई खरीदार नहीं मिला। यह उस युवा बल्लेबाज़ के लिए गहरा झटका है, जिसने केवल 18 साल की उम्र में अंतररष्ट्रीय क्रिकेट में टेस्ट शतक लगा दिया था।शॉ कहा, जब भी मैं टूटता था, ऋषभ पंत मुझसे बात करता था।वो आज भी करता है जब उसे लगता है कि मैं ठीक नहीं हूं, वो खुद मुझसे बात करता है।इससे साफ था कि अकेलेपन ने शॉ को भीतर से तोड़ दिया है।पृथ्वी ने भावुक होकर माना, 'मैं बहुत मेहनती था, घंटों नेट्स में बल्लेबाजी करता था।मैदान मेरा घर था पर फिर धीरे-धीरे मैंने क्रिकेट को कम समय देना शुरू कर दिया।मैंने गलत फैसले लिए।खुद को गलत लोगों से घेर लिया।'

2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा दूसरा टेस्ट

लीड्स (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच अब अगले माह 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में पहला टेस्ट जीतने के साथ ही मेजबान इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। ऐसे में अब बराबरी के लिए भारतीय टीम को दूसरा मैच जीतना होगा। अभी इस मैच में एक सप्ताह का समय है। इससे टीमों को तरोताजा होने के लिए भी पर्याप्त समय मिल जाएगा। भारतीय समय के अनुसार दूसरा टेस्ट दोपहर 3-30 बजे से खेला जाएगा। वहीं तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 10-14 जुलाई के बीच खेला जाएगा। चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर 23-27 जुलाई के बीच खेला

जाएगा जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच लंदन के केनिंग्टन ओवल में 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट में उतरते ही दोनो टीमें अपना 138वां टेस्ट खेलेंगी।

दोनों टीमों के बीच अब तक 137 टेस्ट हुए हैं। इसमें भारतीय टीम 35 में जीत मिली है जबकि इंग्लैंड को 52 टेस्ट में जीत मिली है जकि 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम को अगर दूसरा टेस्ट जीतना है तो उसे गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा।

भारतीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

वॉन ने बदली अपने भविष्यवाणी बोले, इंग्लैंड 4-0 से जीतेगी

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कमेंटेटर माइकल वॉन भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद बेहद उत्साहित हैं।वॉन का कहना है कि इंग्लैंड टीम

इस सीरीज में 4-0 से जीतेगी जबकि सीरीज से पहले उन्होंने कहा था कि उनकी टीम सीरीज 3-1 से जीत रही है। पहले टेस्ट में जीत से वॉन की भविष्यवाणी भी बदल गयी।वॉन की आम तौर पर- सोशल मीडिया में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर से बहस होती रहती है। ये दोनों दिग्गज कई बार एक दूसरे पर निशाना साधते रहे हैं। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में 471 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से वॉन को जाफर पर कटाक्ष करने का अवसर मिल गया।वॉन ने सोशल मीडिया में लिखा, हम सीरीज जीत रहे हैं। उम्मीद है जाफर आप ठीक होंगे जाफर ने इसके जवाब में वॉन की एक तस्वीर शेयर करते हुए लखा, 'खुशी है कि एक युवा भारतीय टीम ने आपको इस तरह से चिंतित कर दिया।जीत का आनंद लें, माइकल, हम वापस आएंगे।' वॉन यहीं नहीं रुके, जाफर के इस पोस्ट का जवाब देते हुए उन्होंने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की भविष्यवाणी कर दी।सीरीज शुरु होने से पहले वॉन ने कहा था कि इंग्लैंड 5 मैच की इस सीरीज को 3-1 से जीतेगा, मगर हेडिंग्ले में पहला टेस्ट जीतने के बाद उन्होंने कहा कि इंग्लैंड अब यह सीरीज 4-0 से जीतने वाला है।दोनो टीमों के बीच दूसरी टेस्ट दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा।

जोसेफ और सील्स ने बिखेरा जलवा, एक ने 4 तो दूसरे ने चटकाए 5 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 180 रन पर ढेर

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज का पहला मैच केंसिंग्टन ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और पहली पारी में केवल 180 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया को 180 पर रोकने का श्रेय वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजो को जाता है जिसमें जायडेन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी की।

जायडेन सील्स और शमार जोसेफ ने कुल 9 विकेट चटकाए। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक क्रीज पर टिकने नहीं दिया। सील्स ने 60 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि जोसेफ ने 46 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। शमार जोसेफ ने अपनी

गेंदबाजी से एक बार फिर प्रभावित किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया खिलाफ मैच में 16 ओवर फेंके जिसमें 2.88 की इकॉनमी रेट से 46 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए जिससे उनकी टीम को विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। इस प्रदर्शन ने उनके फैंस और क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान उनकी तरफ आकर्षित किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन ट्रेविस हेड 78 गेंदो में 59 रन, जबकि उस्मान ख्वाजा के बल्ले से 128 गेंदो में 47 रन निकले।

वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी अटैक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए काल बनकर आया। इसके जवाब में कप्तान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने भी अच्छी गेंदबाज़ी करते हुए कुल 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की मैच में वापसी कराई। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही जिसमें दोनों ओपनर्स क्रैग और जॉन सस्ते में पवेलियन लौटे। पहले दिन के खेल खतम होने तक वेस्टइंडीज ने 57 रन पर 4 विकेट खो दिए। ब्रैंडन किंग (23) और रोस्टन चेज (1) रन बनाकर नाबाद क्रीज पर डटे हैं।

अब टेस्ट मैचों में भी धीमी ओवर गति के लिए लगेगा जुर्माना

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) खेल में रोचकता बनाये रखने के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव करती रहती है।इसी के तहत ही अब आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी स्टॉप क्लॉक को लेकर नया नियम लेकर आई है।सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये नियम पहले से ही है।इसमें धीमी ओवर गति के लिए 5 रनों का जुर्माना लगाया जाएगा।मैच समय पर समाप्त करने और धीमी ओवर गति से बचने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है।पिछले कुछ समय में देखा गया है कि एक दिन में टीमें पूरे 90 ओवर नहीं कर पा रही है।जिसकी वजह से आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी यह नियम लेकर आई है।टेस्ट क्रिकेट में धीमें ओवर रेट को कम करने के लिए आईसीसी यह नियम लेकर आया है।इस नियम के अनुसार, फील्डिंग करने वाली टीम को एक ओवर के समाप्त होने के एक मिनट के अंदर ही दूसरा अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए।वहीं ऐसा न करने पर उन्हें अंपायरों से दो बार चेतावनी मिलेगी।भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान अंपायरों ने बेन स्टोक्स और शुभमन गिल को भी ऐसी ही चेतावनी दी थी।इसके बाद भी अगर टीम नहीं मानती तो अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रन का जुर्माना लगाएंगे।80 ओवर तक यह दो वॉर्निंग चलेगी, इसके बाद इसे बदल दिया दिया जाएगा।यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत से ही लागू हो गया है।

डब्ल्यूडब्ल्य ई नहीं बदलेगा कोडी रोड्स का कोडी रोड्स थीम सॉन्ग

सेन डियागो ।डब्ल्यूडब्ल्यू ई के पूर्व चैम्पियान चैंपियन कोडी रोड्स एक बार फिर इसमें विजेता बनना चाहते हैं। वहीं डब्ल्यूडब्ल्य ई कई बदलाव करने जा रहा है। इसमें प्रवेश के समय बजाये जाने वाले थीम सॉन्ग किंगडम में भी बदलाव हो सकता है पर इसमें कोडी रोड्स के थीम सॉन्ग को नहीं बदला जा सकता है। इसको गाने वाले शॉन रॉस सैप ने भी इसकी पुष्टि की है। सैप ने कहा कि कोडी रोड्स का यह सिग्नेचर थीम सॉन्ग बना रहेगा। सैप ने साफ किया कि कंपनी में रोड्स की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा होने की संभावना नहीं है। सैप ने कहा, मुझे लगता है कि रोड्स के पास इतनी क्षमता है कि वह इससे बच सकता है। यह उसके परफॉर्मेंस और डब्ल्यूडब्ल्य ई के प्रदर्शन का एक अहम हिस्सा है। आप वहां जाना चाहते हैं और आप गाना सुनना चाहते हैं, यह सब अच्छा है। मुझे लगता है कि यह बहुत बुरा होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर रोड्स खुद इसे बदलना चाहें तो यह अलग बात है पर इसके लिए कोई उनहें मजबूर नहीं करेगा ओर न ही ऐसी कोई संभावना है। रोड्स ने पहले अपने थीम सॉन्ग किंगडम को बदलने का विचार रखा था। वह चाहते थे कि उनकी बेटी लिबर्टी फेमस लाइन रेसलिंग हेज मोर देन वन रॉयल फैमिली को फिर से रिकॉर्ड करे जिससे कि गाने में उनकी भावनाएं शामिल हो।

कैसे विश्व नंबर 6 शतरंज खिलाड़ी अब्दुसत्तारोव को मिली कभी ना भूलने वाली हार

ताशकंत , उज्बेकिस्तान । उज़चेस कप सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट के छठे राउंड में मेज़बान उज्बेकिस्तान के टॉप ग्रांडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव को एक ऐसी अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा, जिसे वह शायद ही कभी भूल पाएंगे। अपने ही हमवतन नोदिरबेक याकूबबोएव के खिलाफ 131 चालों तक चले लंबे संघर्ष में अब्दुसत्तारोव ने लगभग ड्रॉ हो चुकी बाजी को आखिरी क्षणों में भारी गलती करते हुए गंवा दिया। इस बाजी में शुरुआत से ही याकूबबोएव बेहतर स्थिति में थे, लेकिन विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों में गिने जाने वाले अब्दुसत्तारोव ने अनुभव का परिचय देते हुए खेल को बराबरी पर ला खड़ा किया। स्थिति पूरी तरह से ड्रॉ की ओर बढ़ रही थी और दोनों खिलाड़ी 50-चाल नियम के

बेहद करीब थे, तभी अब्दुसत्तारोव से एक बड़ी चूक हो गई और खेल याकूबबोएव की झोली में चला गया। यह हार इसलिए और भी पीड़ादायक रही क्योंकि एक राउंड पहले तक अब्दुसत्तारोव टूर्नामेंट में एकल बढ़त पर थे और प्रबल खिताबी दावेदार माने जा रहे थे। लेकिन इस अप्रत्याशित पराजय ने न केवल उनकी बढ़त खत्म कर दी, बल्कि खिताबी दौड़ को भी और रोमांचक बना दिया। छठे राउंड के बाद अब्दुसत्तारोव, अर्जुन एरिगासी और परहम मघसूदलू 4 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। अब्दुसत्तारोव की यह हार न केवल उनकी व्यक्तिगत स्थिति के लिए झटका रही, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शीर्ष स्तर पर एक क्षणिक चूक भी पूरी बाजी को पलट सकती है। अब जबकि टूर्नामेंट में सिर्फ तीन राउंड बाकी हैं, देखना होगा कि क्या अब्दुसत्तारोव इस झटके से उबर पाते हैं या खिताब किसी और के हाथ लगने वाला है।

ग्रीनलैंड -तीन महीने तक 24 घंटे सूरज की रोशनी में गुलजार होंगे फुटबॉल मैदान

नुक्क (ग्रीनलैंड) (एजेंसी)। यूं तो ग्रीनलैंड साल में अधिकांश समय बर्फ से ढका रहता है लेकिन जून से अगले तीन महीने यहां 24 घंटे सूरज की रोशनी रहती है जिसका इंतजार फुटबॉल के दीवाने यहां के लोगों को बेसब्री से रहता है ताकि वे अपना पसंदीदा खेल देख सकें या मैदान पर अपना हुनर दिखा सकें। करीब 56000 की आबादी वाले द्वीप में 10 प्रतिशत यानी करीब 5600 लोग पंजीकृत फुटबॉल खिलाड़ी हैं।

जून की शुरूआत में जब मध्य अमेरिका, उत्तर परिसंघ और कैरेबियाई फुटबॉल संघ (कोंकाकाफ) ने मिलकर ग्रीनलैंड फुटबॉल संघ का सदस्य बनने का आवेदन खारिज कर दिया तो यहां के फुटबॉल प्रेमियों को करारा झटका लगा। खनिजों से भरे और रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण इस द्वीप पर कब्जा करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ख्वाहिश के चलते कुछ लोगों ने इसके लिए राजनीति को दोषी ठहराया।

कोंकाकाफ फीफा के अधीन छह उपमहाद्वीपीय महासंघों में से एक है। नाटो सहयोगी डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारों की फटकार के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सैन्य बल के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं का कहना है कि यह द्वीप बिक्री के लिए नहीं है और उन्होंने अर्ध-स्वायत्त डेनमार्क के क्षेत्र पर अमेरिका द्वारा खुफिया जानकारी जुटाने की रिपोर्टों की निंदा की है। ग्रीनलैंड फुटबॉल टीम के कप्तान पैट्रिक फेडरिकसेन ने हालांकि कहा कि यह फैसला आर्थिक कारणों से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'हम सभी को पता है कि ग्रीनलैंड यात्रा करना कितन कठिन है।'

इस महीने की शुरूआत में अमेरिका से ग्रीनलैंड की सीधी उड़ान यहां पहुंची। न्यूजर्सी से नुउक तक का एक तरफ का टिकट 1200 डॉलर है। बाकी उड़ानें आइसलैंड या कोपेनहेगन होकर आती हैं। इन सभी के बीच यहां के निवासियों की फुटबॉल को लेकर दीवानगी कम नहीं हुई है। अगले तीन महीनों में जब तापमान पांच से 10 डिग्री सेल्सियस के करीब होगा, वे फुटबॉल खेलने में अधिकांश समय बिताना चाहते हैं।

एक खिलाड़ी एंगुटिमारिक क्रेउजमैन ने कहा, 'हम पूरी रात फुटबॉल खेलेंगे। अंधेरा नहीं होने वाला है तो हमारे पास समय ही समय है।' नुउक में एक क्लब के कोच आस्कर स्कॉट कार्ल ने कहा, 'आपको यहां एक मैच देखना चाहिए। इतने सारे लोग इसे देखने के लिए जुटते हैं। इससे देश में एकजुटता की

भावना आती है।' सर्दियों के लंबे मौसम में अधिकांश खिलाड़ी फुटसाल खेलते हैं जो एक खास तरह की गेंद से हैंडबॉल कोर्ट पर खेला जाने वाला इंडोर फुटबॉल खेल है। इसमें एक टीम में पांच खिलाड़ी होते हैं।

लगातार बारिश के कारण फिर बंद हुआ हिमकोटि मार्ग, माता वैष्णो देवी के दर्शन पुराने मार्ग से चालू

श्रीनगर (एजेंसी)। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए 12 मास लोग आते है। हर मौसम में मां के द्वार खुले रहते हैं। बारिश के समय भी दर्शन करने वालों की संख्या काफी ज्यादा रहती है। लेकिन कुछ समय से माता वैष्णो देवी की पहाड़ियों पर लगातार बारिश हो रही है। जिससे तीर्थयात्रा मार्ग फिर बाधित हो गया है, इस साल यह तीसरी बार है जब नए हिमकोटि मार्ग को बंद करना पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण हिमकोटि मार्ग पर बड़ा भूस्खलन हुआ है, इससे करीब 30 फीट मलबा और बड़े-बड़े पत्थर मार्ग को अवरुद्ध कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, सुरक्षा कारणों से मार्ग पर बैटरी कार, केबल कार और हेलीकॉप्टर सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित किया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत और निकासी अभियान तेजी से शुरू किया। जबकि नया मार्ग बंद है, यात्रा को पारंपरिक पुराने मार्ग से जारी रखने की अनुमति दी जा रही है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी ने कहा, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यात्रा को मूल मार्ग पर मोड़ दिया गया है। आपदा प्रबंधन कर्मियों के साथ हमारी टीमें युद्ध स्तर पर मलबा साफ कर रही हैं। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों से सतर्क रहने, केवल अधिकृत मार्गों का अनुसरण करने और मौसम संबंधी सलाह का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। आगंतुकों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए अतिरिक्त कर्मियों को जमीन पर तैनात किया गया है।

बेटी ने प्रेमी को बुलाकर मां का सिर हथौड़े से कुचल, मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। यहां एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 39 वर्षीय महिला की हत्या का आरोप उसकी 16 वर्षीय बेटी और बेटी के प्रेमी पर लगा है। मामला हैदराबाद के जीडीमेटला इलाके का है। पुलिस के अनुसार, मृतका अपनी दो बेटियों के साथ जीडीमेटला के शापुर नगर में किराए के मकान में रहती थीं। उनकी बड़ी बेटी कक्षा 10 की छात्रा है। उसने पिछले दिसंबर में इंस्टाग्राम के जरिए 19 वर्षीय पी.शिवा से दोस्ती की थी, जो नालगोंडा जिले का रहने वाला एक डीजे है। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। 19 जून को किशोरी अपने प्रेमी के साथ घर से भाग गई थी, जिसके बाद अंजलि ने पुलिस में अपहरण का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने लड़की को सूर्यापेट में शिवा के दादा-दादी के घर से बरामद किया और उसे उसकी मां को सौंप दिया। इसके बाद से मां-बेटी के बीच इस रिश्ते को लेकर लगातार तनाव और झगड़े हो रहे थे। पुलिस के मुताबिक, 23 जून की शाम को बेटी ने अपनी मां की आपत्तियों से तंग आकर शिवा को फोन किया और अपनी मां के खिलाफ शिकायत की। जैसे ही शिवा और उसका भाई यशवंत घर पहुंचे, लड़की ने दरवाजा खोल दिया। पुलिस के अनुसार, दोनों भाइयों ने पहले महिला को चुनरी और साड़ी से गला घोंटकर मारने की कोशिश की। जब वे समझे कि वह मर चुकी है, तो वहां से भाग गए। लेकिन बाद में लड़की ने देखा कि उसकी मां अब भी सांस ले रही है। इसके बाद उसने फिर से शिवा को फोन किया, और वह अपने भाई के साथ दोबारा लौटा। इस बार दोनों ने हथौड़े से महिला की खोपड़ी और नाक पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

अखिलेश ने किया तेज प्रताप यादव को फोन, बिहार से लेकर यूपी तक सियासी चर्चा हुई तेज

पटना (एजेंसी)। पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने दो टूक कहा कि वे चुप नहीं बैठने वाले है। अपने राजनीतिक भविष्य और निजी जीवन को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच तेज प्रताप लगातार सक्रिय हैं। तेज प्रताप ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से वीडियो कॉल पर बात की। बाद में उन्होंने लिखा, अखिलेश हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहे हैं। जब उन्होंने अचानक मेरा हालचाल पूछने के लिए फोन किया, तब लगा कि मैं इस लड़ाई में अकेला नहीं हूं। इससे सवाल उठने लगा है कि क्या तेजप्रताप अखिलेश की मदद से राजनीतिक वापसी की तैयारी में हैं। तेज प्रताप ने न सिर्फ अखिलेश से बात की, बल्कि उसी दिन पटना में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें भी कीं। उन्होंने लिखा, मुलाकातों का सिलसिला जारी है। जब जनता का प्यार हमारे साथ होता है, तब हमें हर परिस्थिति का हिम्मत से सामना करने की ताकत मिलती है। अपनी राजनीतिक पार्टी से निकाले जाने और अपने ही परिवार की आलोचनाओं का सामना करने के बावजूद तेज प्रताप की बढ़ती सार्वजनिक सक्रियता यह दर्शाती है कि वे राजनीति से दूर नहीं जा रहे हैं। कई लोग पूछ रहे हैं कि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में तेज प्रताप की क्या भूमिका होगी। क्या वह अपना खुद का गुट बनाएंगे? क्या वह किसी दूसरी पार्टी से हाथ मिलाएंगे? या फिर वह अपने अगले कदम को तय करने के लिए सार्वजनिक और कानूनी फैसलों का इंतजार करेंगे?

2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में 50 से भी कम सीटें जीतेगी बीजेपी : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से कम सीटें जीतेगी। बनर्जी ने कहा कि मैं वादा करता हू कि 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई सीटों की कुल संख्या 50 से कम होगी। 2021 में, भाजपा की गिनती 77 पर रुकी थी। मैंने कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी, यह सच साबित हुआ।

बनर्जी ने भाजपा नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर हमला कर कहा कि अधिकारी ने दावा किया था कि अगर वह नहीं होते, तब ममता बनर्जी दीदी से दादी बन जातीं। उन्होंने 2020 में पार्टी छोड़ दी। उसके बाद, ममता बनर्जी 2021, 2023 के पंचायत चुनावों में कैसे जीत गईं?

उन्होंने कहा कि उनके भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने एक भी चुनाव नहीं जीता। बंगाल में हुए सभी 11 उपचुनावों में भाजपा हार गई। उन्होंने कहा कि वे यहां ऑपरेशन बंगाल चलाएंगे, जिसका मतलब है कि वे विधायकों को खरीद सकते है। अभिषेक ने कहा, ममता बनर्जी लोगों के आशीर्वाद से 34 साल पुरानी सीपीआई(एम) सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद अपने बलबूते पर सीएम बनी हैं।

राहुल गांधी का चुनाव आयोग से सवाल पूछना कुछ लोगों को नहीं हो रहा हजम

-कांग्रेस सांसद भगत ने कहा- आयोग की भूमिका हमेशा संदेह के घेरे में रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने गुरुवार को कहा कि जिस अंदाज में राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहे हैं वह कुछ लोगों को रास नहीं आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग हुई है और राहुल गांधी ने इस मुद्दे की ओर पूरे देश का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चुनाव आयोग की भूमिका हमेशा से ही संदेह के घेरे में रही है। राहुल गांधी भी इस मुद्दे को हमेशा उठाते रहे हैं।

कांग्रेस नेता भगत ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है, जिसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है, और इसी मुद्दे को राहुल गांधी उठा रहे हैं, जिसे कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे हैं। हम इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ी हुई। इसे लेकर हमने आयोग से कई साक्ष्य मांगे थे, लेकिन आयोग ने हमारी मांग नहीं मानी। हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता बरकरार रहे और उसकी गरिमा पर किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं लगे। अगर ऐसा हुआ, तो हम इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। वहीं भारत-पाक सीजफायर को लेकर उन्होंने इसे सही नहीं बताया। भगत ने कहा कि आतंकवाद को एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। आतंकवाद को वैश्विक मोर्चे पर हम सभी को परास्त करने के लिए एकजुट होना ही होगा, तभी जाकर हम सभी को इसमें अपेक्षित सफलता मिल पाएगी और इस दिशा में हमें सफलता मिली भी है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चाहे वो इजराइल और ईरान के बीच युद्ध हो या फिर रूस-यूक्रेन, भारत ने दोनों ही स्थिति में अहम भूमिका निभाई। भारत बढ़त की स्थिति में रहा, लेकिन पाकिस्तान के साथ स्थिति बिल्कुल उलट रही। पहले हम पाकिस्तान पर हावी हुए, लेकिन जब मसला सीजफायर का आया, तो कहीं ना कहीं हमारी भूमिका कमतर साबित हुई, जिसे लेकर आज भी केंद्र की मोदी सरकार से देश की जनता सवाल पूछ रही है, लेकिन केंद्र सरकार इस सवाल का जवाब देने से बच रही है।

जोहरान हमदानी को कंगना ने सुना दी खरी-खरी, वे भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगते

नई दिल्ली। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद की उम्मीदवारी की रेस में जीत को लेकर टिप्पणी की है। कंगना ने ट्वीट कर लिखा है कि जोहरान हमदानी, तब भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगते हैं। कंगना ने लिखा, उनकी

मां मीरा नायर हैं। वह हमारी इंडस्ट्री की एक शानदार फिल्ममेकर हैं और पद्मश्री से सम्मानित हैं। उन्होंने गुजराती मूल के नामी लेखक महमूद ममदानी से शादी की थी और बेटे का नाम जोहरान है। कंगना अपनी पोस्ट में उनके नाम पर सवाल उठाकर लिखती हैं, जोरहान नाम भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगता है। अब वह हिंदुत्व को ही खत्म करने के लिए तैयार हैं। हर जगह यही कहानी है। खैर, मीरा जी से कई बार मुलाकात हुई है। पैरेंट्स को बधाई। जोहरान को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से न्यूयॉर्क का मेयर कैंडिडेट बनने के लिए हुए चुनाव में जीत मिली है। वह न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर भी बन सकते है। ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ था और फिर परवरिश अमेरिका में हुई। उनकी मां मीरा नायर ने कई मशहूर फिल्मों को डायरेक्ट किया है और भारत के अलावा पाकिस्तान सहित कई देशों में उन्हें सराहा जाता रहा है। दरअसल कंगना रनौत ने शेयर किए गए ममदानी के एक वीडियो को रीट्वीट कर यह सख्त टिप्पणी की। वीडियो में दिखता है कि कुछ प्रदर्शनकारी हिंदू विरोधी नारे लगा रहे हैं और उन्हें अपशब्द कह रहे हैं। इस बीच ममदानी भी माइक ले लेते हैं और भारत में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का विरोध करते हैं।

आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने मांगी थी माफी

-शरद पवार बोले-आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं मानते

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि देश में 50 साल पहले लगाया गया आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने इसके लिए माफी मांगी थी। मुंबई में एक कार्यक्रम में शरद पवार ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना एक पवित्र कार्य है और लोगों को आज भी इनकी रक्षा के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है।

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने याद दिलाया कि समाजवादी दिग्गजों जॉर्ज फर्नांडिस, चंद्रशेखर और मधु दंडवते से परामर्श के बाद 1978 में महाराष्ट्र में सरकार में परिवर्तन किया गया और वह सीएम बने। केंद्र में बीजेपी नीत सरकार का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि मौजूदा सरकार की आलोचना को अस्वीकार्य माना जाता है। उन्होंने कहा कि आज हमें सावधान रहना होगा। आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं माना जाता है। पत्रकारों को धमकाया जाता है। घोषित और अघोषित आपातकाल में फर्क होता है।

उन्होंने आम नागरिकों से किसी भी कीमत पर संसदीय लोकतंत्र को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। वरिष्ठ समाजवादी नेता दिवंगत जॉर्ज फर्नांडिस की तारीफ करते हुए पवार ने कहा कि वह एक श्रमिक संघ के नेता से केंद्र में मंत्री बने थे। पवार ने आपातकाल को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया, लेकिन साथ ही कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाने, असहमति को दबाने, सामूहिक गिरफ्तारियां करने और प्रेस सेंसरशिप जैसे उपायों को लागू करने के लिए माफी भी मांगी थी।

बिहार में शुरू हुआ सीट संग्राम: भाकपा ने 24 सीटों पर दावा ठोककर तेजस्वी की मुश्किलें बढ़ाईं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हैं। महागठबंधन के नेता भी सीट शेयरिंग को लेकर अपने अपने समीकरण बैठा रहे हैं। ऐसे में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी यानी भाकपा ने 24 से अधिक सीटों पर दावेदारी करके राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने महागठबंधन कोऑर्डिनेशन कमेटी के संयोजक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की मांग रखी है, ताकि सीट बंटवारे पर चर्चा हो सके।

भाकपा, जो महागठबंधन का हिस्सा है, ने अपनी रणनीति को और आक्रामक करते हुए 24 से अधिक सीटों पर दावा किया है। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने कहा, हमारी पार्टी बिहार में मजबूत आधार रखती है, खासकर ग्रामीण और मजदूर वर्ग के बीच। इन सीटों पर हमारी जीत की संभावना मजबूत है और हम महागठबंधन के साथ मिलकर एनडीए को कड़ी चुनौती देंगे। उन्होंने तेजस्वी यादव से जल्द मुलाकात की मांग की है, ताकि गठबंधन के साझा एजेंडे और सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा सके। भाकपा ने जिन सीटों पर दावा किया है, उनमें तेघड़ा, बखरी, बछवाड़ा, हरलाखी, झंझारपुर, रूपौली, फुलवारीशरीफ, डुमरांव, गोह, बांका, बेलदौर, केसरिया, चनपटिया, मोतिहारी, जाले, बारिसनगर, सिकंदरा, खजौली, और करगहर जैसी विधानसभा सीटें शामिल हैं। बिहार में इस बार का विधानसभा चुनाव बेहद रोचक होने वाला है, क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर की उम्मीद है।

सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में चुनौतियां भी हैं। राजद और कांग्रेस के बीच पहले से ही सीटों की संख्या को लेकर खींचतान की खबरें हैं। राजद, जो महागठबंधन का सबसे बड़ा घटक है, 150 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है, जबकि कांग्रेस 50-60 सीटों की मांग कर रही है। भाकपा (माले) ने भी 40-45 सीटों की दावेदारी की है। ऐसे में भाकपा की 24 से अधिक सीटों की मांग गठबंधन के भीतर समीकरण को और जटिल बना सकती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनी, तो महागठबंधन को नुकसान हो सकता है, जिसका फायदा एनडीए को मिल सकता है। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, भाकपा (माले), भाकपा, माकपा, और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। पिछले विधानसभा चुनाव 2020 में भाकपा (माले) ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 12 पर जीत हासिल की थी, जो महागठबंधन में तीसरे सबसे बड़े घटक के रूप में उभरा था। इस बार भाकपा भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के मूड में है। भाकपा ने जिन सीटों पर दावा किया है, उनमें तेघड़ा, बखरी, और बछवाड़ा जैसे क्षेत्रों में उसका मजबूत जनाधार रहा है, खासकर अनुसूचित जाति (एससी) और पिछड़े वर्गों के बीच। इसके अलावा, फुलवारीशरीफ और डुमरांव जैसी शहरी और ग्रामीण मिश्रित सीटों पर भी पार्टी अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है।

भाकपा की बढ़ती मांग और डी राजा की सक्रियता से यह साफ है कि महागठबंधन में एक साझा रणनीति के लिए तेजस्वी को कठिन संतुलन बनाना होगा। चुनाव आयोग जल्द ही बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है, और सितंबर-अक्टूबर में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। भाकपा की इस दावेदारी ने बिहार की सियासत में नया मोड़ ला दिया है। अब यह देखना होगा कि तेजस्वी यादव और डी राजा की मुलाकात के बाद महागठबंधन का सीट बंटवारा किस दिशा में जाता है और क्या यह गठबंधन एनडीए के डबल इंजन सरकार को चुनौती दे पाएगा। एनडीए की ओर से नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और बीजेपी ने पहले ही कार्यकर्ता सम्मेलनों और रैलियों के जरिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। चिराग पासवान ने दावा किया है कि एनडीए 225 से अधिक सीटें जीतेगा। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने 'माई बहन मान योजना' जैसे वादों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश की है।

आखिरकार बिहार में मिली किराए की कोख को कानूनी मंजूरी

पटना (एजेंसी)। आखिरकार बिहार में लंबे इंतजार के बाद अब किराए की कोख यानी सरोगेसी को कानूनी मंजूरी मिल गई है। राज्य सरकार ने सरोगेसी प्रक्रिया की निगरानी और संचालन के लिए दो दर्जन सदस्यीय मॉनिटरिंग बोर्ड का गठन कर दिया है, जिसमें चिकित्सक, एमएलए और महिला समाजसेवी शामिल है। बोर्ड का नाम रखा गया है एआरटी (सहायक प्रजनन तकनीक) एंड सरोगेसी मॉनिटरिंग बोर्ड। राज्य सरकार का यह निर्णय उन दंपतियों के लिए राहत लेकर आया है जो संतान सुख की चाह में सालों से जूझ रहे थे। अब प्रक्रिया पूरी करने के लिए उन्हें झारखंड, पश्चिम बंगाल या अन्य राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इन राज्यों में न केवल खर्च अधिक होता था, बल्कि कानूनी और चिकित्सा जटिलताओं से भी गुजरना पड़ता था। अब बिहार में ही इस पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुरक्षित रूप में पूरा किया जा सकेगा।

* क्या होता है सरोगेसी (किराए की कोख)?

सरोगेसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें कोई महिला किसी अन्य दंपति के लिए गर्भ धारण करती है। वो बच्चे को जन्म देती है। भारत में इसे किराए की कोख के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन यह शब्द कई बार नकारात्मक भाव पैदा करता है, इसलिए इसे चिकित्सा जगत में सरोगेसी कहा जाता है। वर्ष 2021 के कानून के तहत भारत में सरोगेसी का व्यवसायीकरण प्रतिबंधित है और सरोगेसी एक परोपकारी प्रक्रिया है, इसलिए सरोगेट मदर भी इच्छुक दंपति से कोई अतिरिक्त पैसे की डिमांड नहीं कर सकती। कंसेंट फॉर्म में यह सब कुछ होता है जिस पर दोनों की सहमति होती है।

सरोगेसी की प्रक्रिया में सरोगेट मदर बच्चे की बायोलॉजिकल मां नहीं होती है, बल्कि वह सिर्फ बच्चे को जन्म देती है। इस प्रक्रिया में संतान प्राप्ति को इच्छुक दंपत्ति में पिता का शुक्राणु और माता का अंडाणु लेकर आईवीएफ तकनीक से टेस्ट ट्यूब में निषेचन किया जाता है। निषेचन के बाद भ्रूण को सरोगेट मदर के गर्भाशय में ट्रांसप्लांट किया जाता है। भारत में सरोगेसी कानून के अनुसार, जब किसी महिला को गर्भधारण में शारीरिक या चिकित्सकीय कठिनाई होती है, तभी वह सरोगेसी के माध्यम से संतान सुख की प्राप्ति कर सकते हैं। सरोगेसी के लिए विवाहित जोड़े में पुरुष की उम्र 26 साल से 55 साल के बीच और महिला की उम्र 23 से 50 साल के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा महिला यदि विधवा अथवा तलाकशुदा है तो उसकी उम्र 35 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए, ऐसी महिलाओं के अंडाणु से स्पर्म के निषेचन के लिए डोनर पुरुष का सहारा लिया जाता है। भारत में कानून के मुताबिक कुंवारी महिला जो पहले से ना तो शादीशुदा है ना ही विधवा है, वह सरोगेसी के तहत मां बनने के योग्य नहीं है। इसके अलावा लिविंग में रहने वाले जोड़े, समलैंगिक कपल और एकल पुरुष भी सरोगेसी के तहत संतान सुख प्राप्त करने के योग्य नहीं है। वैसे दंपति अथवा विधवा महिला जिन्हें पूर्व से संतान है वह भी सरोगेसी के तहत संतान प्राप्ति के योग्य नहीं है।

थरूर की रूसी यात्रा पर उठे सवाल, यात्रा सरकारी कूटनीति का हिस्सा थी या निजी?

-खड़गे ने कहा था- कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी को पहले तरजीह देते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।पीएम मोदी की तारीफ के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सुनाने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऐसा काम किया है जिससे कांग्रेस को स्वीकार करना सहज नहीं है। दरअसल शशि थरूर रूस यात्रा पर हैं। उन्होंने वहां के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इससे सियासी हलचल पैदा हो गई है।

बता दें मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी पहले को तरजीह देते हैं। जानकारों का कहना है कि उनकी यह टिप्पणी शशि थरूर को लेकर थी। थरूर बीते कुछ समय से पीएम मोदी और ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ कर रहे हैं। दुनिया में भारत का पक्ष रखने वाली सांसदों की टीम में वह थरूर काफी सक्रिय रहे थे।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तनातनी ने सियासत को गरमा दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब थरूर ने अपने एक लेख में ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक प्रचार के लिए पीएम मोदी की ऊर्जा और गतिशीलता को भारत की अहम संपत्ति बताया था। इसके बाद खड़गे ने थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी भाषा बहुत अच्छी है, इसलिए उन्हें कार्यसमिति में रखा गया। कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी को पहले तरजीह देते हैं।

जवाब में थरूर ने एक्स पर एक रहस्यमय पोस्ट शेयर किया जिसमें लिखा- उड़ने की अनुमति न मांगो, पंख तुम्हारे हैं, आकाश किसी का नहीं। इसके तुरंत बाद थरूर की रूस यात्रा और वहां विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात ने सवाल खड़े किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर 24 जून को मॉस्को में प्रिमाकोव रीडिंग्स में अपनी किताब इंग्लोरियस एम्पायर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री के प्रचार के लिए गए थे। इस मुलाकात का समय और संदर्भ खासकर खड़गे की टिप्पणी के बाद इसे कूटनीतिक या निजी हितों से जोड़कर देखा गया।

कोरोना के 22 और नए वायरस मिले, ये मौत से पहले इंसान को बना देंगे पागल?

-शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों में ये नए वायरस खोजे, जो मचा सकते हैं हाहाकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। कोरोना वायरस से मची तबाही भूल नहीं सकते। ये ऐसी महामारी थी, जिसने न लाखों लोगों की जान ले ली, बल्कि संक्रमण की वजह से मानवीय रिश्तों में भी दरार देखने को मिली। अब इस कोरोना के 22 और वायरस लाइन में हैं, जिनके निकलते ही हर तरफ हाहाकार मच जाएगा। ये खोज ऐसे समय सामने आई है जब दुनिया अभी भी कोविड-19 महामारी के नए वेरिएंट से जूझ रही है। कोविड-19 का पहला मामला 2019 में चीन के वुहान शहर में सामने आया था। एक बार फिर चमगादड़ों के ज़रिये ही 22 जानलेवा वायरस फिर फैल सकते हैं, जो मौत से पहले इंसान को पागल बना देंगे।

चीन में शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों में कम से कम 20 नए वायरस खोजे हैं, जिनसे पशुओं और इंसानों में भविष्य में खतरा पैदा हो सकता है। युनान प्रांत में 2017 से 2021 के बीच 142 चमगादड़ों के गुर्दे के ऊतकों से 22 वायरसों की पहचान की गई है। इनमें से दो वायरस हेंड्रा और निपाह की तरह ही हैं। रिसर्च में एक अज्ञात बैक्टीरिया और क्लोसिएला युन्नानेंसिस नाम का एक परजीवी मिला है। चमगादड़ फलों के बागों और गांवों के आसपास रह रहे थे, जिससे चमगादड़ के मूत्र के जरिए फलों को दूषित करने का खतरा है। यह इंसानों या पशुओं में बेहद आसानी से फैल सकता है।

ये वायरस युनान बैट हेनिपावायरस 1 और 2, पहले अज्ञात थे और इनका जेनेटिक मटेरियल, अन्य हेनिपावायरस से 52 से 57 फीसदी मिलता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ये वायरस फलों या पानी के जरिए इंसानों तक पहुंच सकते हैं यानि इनका संक्रमण बहुत ही आसान होगा। कोरोना की तरह सांस की गंभीर बीमारी के अलावा ये वायरस दिमाग में सूजन पैदा कर सकते हैं, जो मरीज के मस्तिष्क को डैमेज करेगा। ये वायरस चमगादड़ों के गुर्दों में पाए गए हैं और इंसानों या पशुओं में फैलने की संभावना रखते हैं। इनके कारण कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। अभी तक शोधकर्ताओं ने किसी नई महामारी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन खतरे को गंभीरता से लिया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**